शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 171 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 19 जनवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

निलंबित एसीएस अधिकारी सुकन्या बोरा गिरफ्तार — पेज 3
मोदी की गारंटी वाली गाड़ी को फरवरी में भी चलाएंगे : प्रधानमंत्री — पेज 4
प्रधानमंत्री ने अयोध्या के राम मंदिर पर स्मारक डाक टिकट किया जारी — पेज 5
भाजपा में गए नीतीश तो उनका होगा राजनीतिक पतन : गोपाल मंडल — पेज 8

राहुल की न्याय यात्रा नहीं, मियां यात्रा : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने असम सरकार को सबसे भ्रष्ट सरकार कहने पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पर गुरुवार को पलटवार किया। शर्मा ने गांधी परिवार को देश का सबसे भ्रष्टा परिवार करार दिया। वे नहीं रूके, उन्होंने कहा कि वे केवल भ्रष्ट परिवार ही नहीं बल्कि डुप्लीकेट परिवार भी है। उन्होंने कहा कि यह न्याय यात्रा नहीं, मियां यात्रा है। शर्मा ने यहां पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए राहुल गांधी पर पलटवार किया और कहा कि मेरे हिसाब से तो देश का सबसे भ्रष्ट परिवार ही गांधी परिवार है। देश में बोफोर्स से लेकर भोपाल गैस कांड के एंडरसन को भगाने तक। देश का सबसे भ्रष्ट परिवार है। शर्मा यहीं नहीं रूके, उन्होंने गांधी परिवार को डुप्लीकेट तक कह डाला। उन्होंने कहा कि यह परिवार केवल भ्रष्ट ही नहीं बल्कि डुप्लीकेट परिवार भी है। उनका तो परिवार का नाम गांधी है ही नहीं। अपना डुप्लीकेट नाम लेकर घुम रहे हैं। जैसे डुप्लीकेट लाइसेंस होता तो मैं पकड़ लेता। लेकिन डुप्लीकेट उपनाम होने पर क्या परिणाम होता है, मैं नहीं जानता। इसिलए वह घुम रहा है। उन्होंने कहा कि यह न्याय यात्रा नहीं है, यह मियां यात्रा है। जहां-जहां पर भी मियां होंगे, वहां पर लोग होंगे, जहां मियां नहीं होंगे वहां पर लोग नहीं रहेंगे। गौरतलब है कि कांग्रेस की *भारत जोड़ो न्याय यात्रा* गुरुवार को नगालैंड से असम पहुंचने पर शिवसागर जिले में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने एक बार फिर भाजपा, आरएसएस और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा था। राहुल गांधी ने असम की सत्तारूढ़ भाजपा सरकार पर हमला करते हुए कहा कि असम सरकार पूरे देश में सबसे भ्रष्ट सरकार करार दिया था। उन्होंने कहा कि मणिपुर में गृहयुद्ध जैसे हालात है। राज्य विभाजित होने की कगार पर पहुंच गया है। प्रधानमंत्री अभी तक वहां नहीं गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा, आरएसएस नफरत फैला रहे हैं। इसके जरिए वह जनता का पैसा लूट रहे हैं। उधर सांसद राहुल गांधी के नेतृत्व में हो रही कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा नगालैंड से होते हुए असम पहुंच चुकी है। यह यात्रा असम के 17 जिलों से होकर गुजरेगी। इस बीच कांग्रेस और भाजपा के बीच सियासत गर्माने लगी है। यात्रा को लेकर राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने ताजा बयान दिया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि भाजपा के सबका साथ, सबका विकास के अंतर्गत इतना विकास हुआ है कि आप देखते जाइए असम में कांग्रेस का सफाया होगा। कांग्रेस की रैलियों में पहले मुस्लिम पुरुष और महिलाएं दोनों आते थे, लेकिन इस बार तो मां और बहनें दोनों ही नहीं आईं। धीरे-धीरे पुरुष लोग भी जाना बंद कर देंगे। सीएम ने कहा कि असम में इतनी प्रगति हुई है कि मुस्लिम महिलाएं और पुरुष कांग्रेस की रैलियों में जाना बंद कर देंगे।

असम में गिरफ्तार हो सकते हैं राहुल गांधी : मुख्यमंत्री की चेतावनी

गुवाहाटी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की अगुआई में भारत जोड़ो न्याय यात्रा जारी है। यात्रा के पांचवें दिन राहुल गांधी नागालैंड से असम पहुंच चुके हैं। राहुल गांधी दोपहर में पड़ोसी शिवसागर जिले से मरियानी शहर पहुंचे। कांग्रेस की यात्रा असम के 17 जिलों से होकर गुजरेगी। इधर असम में एंट्री करते ही राहुल गांधी पर गिरफ्तारी का खतरा मंडराने लगा है। कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि हमने कहा है कि शहरों के अंदर से नहीं जाना है। जो भी वैकल्पिक रास्ता मांगा जाएगा उसकी अनुमति दे दी जाएगी, लेकिन अगर शहर के अंदर से जाने की जिद्द की जाएगी तो हम पुलिस की व्यवस्था नहीं करेंगे। सीएम विश्व शर्मा ने राहुल गांधी को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर शहर के अंदर से जाने की जिद्द करेंगे, तो राहुल गांधी के खिलाफ सुरक्षा उल्लंघन का केस करूंगा और चुनाव के बाद गिरफ्तार कर लूंगा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि कांग्रेस मुसलमानों के एक -शेष पृष्ठ दो पर

मैंने न्याय मांगा तो पार्टी ने निष्कासित कर दिया : अंगकिता

जोरहाट। पूर्व युवा कांग्रेस नेता अंगकिता दत्ता ने भारतीय युवा कांग्रेस नेता श्रीनिवास बीवी के खिलाफ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। उन्होंने गुरुवार को असम के शिवसागर में *भारत जोड़ो न्याय यात्रा* के राज्य में प्रवेश करने पर न्याय दिलाने की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। उनका कहना है कि इस मामले में अभी तक उन्हें न्याय नहीं मिला है। अब उन्हें राहुल गांधी से उम्मीद है कि वह उन्हें न्याय दिलवाएंगे। उन्होंने कहा कि मुझे (पार्टी से) -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस के तीन सांसद किसी काम के नहीं : अजमल

गुवाहाटी। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने कांग्रेस पर हमला बोला। अजमल ने गुरुवार को दावा किया कि राहुल गांधी असम में कांग्रेस पार्टी को पुनर्जीवित नहीं कर सकते। गुवाहाटी में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि असम में अब तीन कांग्रेस सांसद हैं- गौरव गोगोई, अब्दुल खालिक और प्रद्युत बरदलै। लेकिन उनमें से किसी ने भी पिछले पांच सालों में जनता की भलाई के लिए कोई काम नहीं किया है। इसलिए लोग -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्बांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

39 लाख महिलाओं को 39 हजार करोड़ रुपए वितरित करेगी सरकार

शिवसागर (हि.स.)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के असम में प्रवेश करने वाले दिन आज असम सरकार ने राज्य की महिलाओं के बीच उद्यमिता योजना का प्रपत्र वितरित किया है। इस योजना के तहत स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को प्रत्येक को 10 हजार रुपए मिलेंगे। असम के मुख्यमंत्री ने लोकसभा चुनाव से पहले असम में नई योजनाओं की घोषणा की है। असम सरकार राज्य में 39 लाख महिलाओं के लिए लगभग 4 हजार करोड़ रुपए का अनुदान प्रदान करेगी। इस विशेष योजना का उद्देश्य *मुख्यमंत्री उद्यमिता योजना* के तहत महिलाओं को अधिक आत्मनिर्भर बनाना है। असम सरकार राज्य में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 39 लाख महिलाओं में से प्रत्येक को कुल 39 हजार करोड़ रुपए प्रदान करेगी। इनमें से 7 लाख महिलाएं पहले से ही सालाना लाखों रुपए कमा रही हैं। इन्हें राज्य सरकार ने *लखपति बाइदेव* (लखपति बहन) नाम दिया है। स्वयं सहायता समूहों में महिलाओं की मदद के लिए यह कदम उठाया गया है। हालांकि, इसके -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा असम को विभाजित कर रही : राहुल

गुवाहाटी। कांग्रेस की *भारत जोड़ो न्याय यात्रा* गुरुवार को नगालैंड से असम पहुंच गई। शिवसागर जिले से शुरू होकर यह यात्रा असम के 17 जिलों से गुजरेगी और 833 किमी का सफर तय करेगी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में निकाली जा रही यात्रा 15 राज्यों के 110 जिलों से होकर गुजरेगी। यात्रा नगालैंड से शिवसागर जिले के हलुवाटिंग होते हुए असम पहुंची। राहुल ने सुबह नगालैंड के तुली से बस यात्रा फिर से शुरू की और लगभग 9:45 बजे असम पहुंचे। हलुवाटिंग में सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ताओं ने गांधी का स्वागत किया और राज्य में आठ दिवसीय यात्रा के लिए कांग्रेस की असम इकाई के नेताओं को राष्ट्रीय ध्वज सौंपा गया। असम में यह यात्रा 25 जनवरी तक जारी रहेगी। असम के शिवसागर जिले के अमगुरी और जोरहाट जिले के मारियानी इलाके में राहुल गांधी दो जनसभाओं को संबोधित भी करेंगे। साथ ही जनसभा से पहले राहुल गांधी अमगुरी और मारियानी में रोड शो भी करेंगे। असम में यात्रा सबसे बड़े नदी द्वीप माजुली से भी गुजरेगी। असम के लोगों को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। राहुल ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को भ्रष्ट सीएम बताया है। उन्होंने कहा कि आज भाजपा और आपके मुख्यमंत्री (हिमंत विश्व शर्मा) असम को विभाजित कर रही है। शायद देश का सबसे भ्रष्ट सीएम असम का सीएम है। बता दें कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा के कारण असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व शर्मा ने 18 जनवरी और 19 जनवरी को जोरहाट और देरगांव में अपने कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। वहीं, आगामी -शेष पृष्ठ दो पर

door graphy
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

एयरफोर्स अधिकारी की हत्या में यासीन शूटर : गवाह

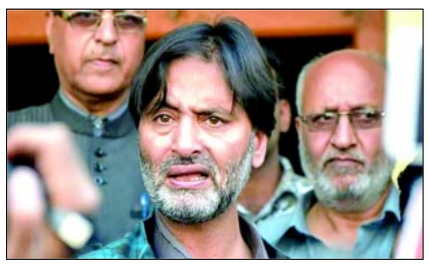

जम्मू। जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के प्रमुख यासीन मलिक ने अपना फेरन उठाकर हथियार निकाला और भारतीय वायुसेना कर्मियों के एक समूह पर गोलियां चला दीं। एक प्रत्यक्षदर्शी ने गुरुवार को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष अदालत के समक्ष यह गवाही दी और बताया कि 25 जनवरी 1990 को श्रीनगर में क्या हुआ था। हमले में वायु सेना के चार कर्मियों की मौत हो गई थी। वायु सेना के पूर्व कर्मी -शेष पृष्ठ दो पर

22 को केंद्रीय कर्मचारियों की आधे दिन की छुट्टी

नई दिल्ली। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के मद्देनजर 22 जनवरी को केंद्र सरकार ने अपने सारे सरकारी दफ्तरों में आधे दिन की छुट्टी (हाफ डे) घोषित की है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि सभी कार्यालय आधे दिन के लिए बंद रहेंगे। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि सभी केंद्रीय कार्यालय आधे दिन के लिए बंद रहेंगे और ये निर्णय लोगों के उत्साह को देखते हुए लिया गया है। इससे पहले भी कई राज्यों और कई स्कूलों में 22 जनवरी को छुट्टी की घोषणा की गई है। बता दें कि सरकार ने पत्र जारी कर कहा है कि देश में सभी केंद्रीय सरकारी कार्याल, केंद्रीय संस्थान और केंद्रीय औद्योगिक प्रतिष्ठान 22 जनवरी को दोपहर 2:30 बजे तक आधे दिन की बंद रहेंगे। सरकार ने ये फैसला इसलिए लिया, ताकि लोग राम लला प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का सीधा लाइव -शेष पृष्ठ दो पर

स्कूली छात्रों से भरी नाव डूबी, दो शिक्षकों समेत 15 बच्चों की मौत

अहमदाबाद। गुजरात के वडोदरा से एक दुखद खबर सामने आई है। यहां हरणी झील में एक नाव पलटी है। इस हादसे में दो शिक्षकों समेत 15 छात्रों की मौत हो गई है। नाव में निजी स्कूल के करीब 27 छात्र सवार थे। छात्रों को बिना लाइफ जैकेट पहने ही नाव में बिठाया गया था। सूचना पाकर मौके पर एसडीआरएफ की टीम गोताखोरों के साथ पहुंच चुकी हैं और राहत एवं बचावकार्य में जुटी हुई हैं। अभी तक 14 शवों को बरामद कर लिया गया है। गुजरात के वडोदरा में नाव पलटने की घटना पर सीएम भूपेंद्र पटेल ने दुख प्रकट -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

सिंह भूखा होने पर भी तिनका नहीं खाता।

– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

ईडी के सामने पेश नहीं होंगे केजरीवाल

नई दिल्ली (हि.स.)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल गुरुवार को भी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश नहीं हुए। केजरीवाल का कहना है कि उन्हें राजनीतिक कारणों से परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कोई भ्रष्टाचार नहीं किया है। भाजपा उन्हें लोकसभा चुनाव से पहले जेल भेजने की साजिश रच रही है। ईडी ने शराब घोटाला मामले में पूछताछ के लिए चौथी बार दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को आज पेश होने के लिए नोटिस भेजा था। सूत्रों का कहना है कि केजरीवाल ने ईडी के नोटिस का लिखित में जवाब दिया है। इसमें उन्होंने कहा है कि राजनीतिक कारणों से -शेष पृष्ठ दो पर

ईरान की सीमा में पाकिस्तान का एयर स्ट्राइक का दावा

इस्लामाबाद (हि.स.)। ईरान की तरफ से पाकिस्तान में किए गए ड्रोन व मिसाइल हमले और दोनों देशों के बीच जारी राजनयिक तनातनी के बीच पाकिस्तान ने गुरुवार को दावा किया है कि वायुसेना ने ईरान की सीमा में घुस कर आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया। ये ठिकाने पाकिस्तान में वांछित बलोच विद्रोहियों के थे। पाकिस्तान विदेश मंत्रालय के मुताबिक पाकिस्तान ने ईरान के सिएस्तान-ओ-बलूचिस्तान प्रांत में छिपे आतंकियों के ठिकानों पर सटीक लक्षित हमलों की श्रृंखला शुरू की। इस कार्रवाई में कई आतंकी मारे गए। खुफिया सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। पाकिस्तान का यह कदम ईरानी की तरफ से 16 जनवरी को पाकिस्तान के बलूचिस्तान में किए -शेष पृष्ठ दो पर

आगबबूला ईरान ने मांगा स्पष्टीकरण

तेहरान। पाकिस्तान द्वारा जवाबी हमले पर ईरान ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। सूत्रों के हवाले से ईरान के सरकारी टीवी ने बताया है कि ईरान ने पाकिस्तान की ओर से किए गए हमले की कड़ी निंदा की है. साथ ही पाकिस्तान से तत्काल स्पष्टीकरण देने के लिए कहा है। ईरान ने मंगलवार को पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में एयरस्ट्राइक की थी। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी मेहर के मुताबिक, ईरान ने मंगलवार को कुहे सब्ज क्षेत्र में मौजूद जैश उल-अदल के आतंकवादी समूह के ठिकानों को -शेष पृष्ठ दो पर

बर्थ प्रूफ के तौर पर अब आधार कार्ड मान्य नहीं

नई दिल्ली। श्रम मंत्रालय के अंतर्गत कर्मचारी भविष्य निधि संगठन *ईपीएफओ* ने आधार कार्ड को अपने मान्य दस्तावेजों की सूची से बाहर कर दिया है। यानी अब ईपीएफ खाते में जन्मतिथि अपडेट कराने के लिए आधार को स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसे लेकर ईपीएफओ द्वारा सर्कुलर भी जारी किया जा चुका है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने एक परिपत्र में कहा है कि *आधार* को वैध दस्तावेजों की सूची से हटाने का निर्णय भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के निर्देश के बाद लिया गया है। मंगलवार को जारी इस परिपत्र के मुताबिक, ईपीएफओ से संबंधित कामकाज के दौरान जन्मतिथि में सुधार के लिए भी आधार को वैध दस्तावेजों की सूची से हटाया जा रहा है। ईपीएफओ के मुताबिक, जन्म तिथि के लिए प्रूफ के लिए दसवीं कक्षा का सर्टिफिकेट इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके अलावा, किसी सरकारी बोर्ड या यूनिवर्सिटी से जारी हुई अंक तालिका भी प्रयोग में लाई जा -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

पारदर्शी व्यवस्था, ईमानदार प्रयासों और लोगों की भागीदारी से गरीबी में आई गिरावट : पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि सरकार द्वारा लागू की गई पारदर्शी व्यवस्था, उसके ईमानदार प्रयासों और लोगों की भागीदारी की वजह से पिछले नौ सालों में लगभग 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है। पीएम ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों के साथ वर्चुअल संबोधन में कहा कि किसी ने नहीं सोचा होगा कि भारत में गरीबी कम हो सकती है, लेकिन गरीबों ने दिखा दिया है कि अगर उन्हें संसाधन दिए जाएं तो ऐसा हो सकता है। उन्होंने इसे देश के लिए उत्साहवर्धक रिपोर्ट बताया। मोदी ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा को कल्पना से परे सफलता मिली है। जनता की बढ़ती मांग की वजह से केंद्र सरकार इसकी समय सीमा 26 जनवरी से आगे बढ़ा सकती है। उन्होंने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार करने और अधिक

लाभार्थियों तक यात्रा की पहुंच के लिए वाहनों को लोगों के स्थानों पर भी जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि यात्रा दो महीनों में एक जन आंदोलन बन गई है और यह अंतिम पंक्ति तक वितरण करने का बड़ा उदाहरण है। पीएम ने कहा कि यह पहले ही 70-80 प्रतिशत पंचायतों तक पहुंच चुका है। उन्होंने कहा कि *विकास रथ विश्वास रथ* बन गया है, जिससे लोगों में यह विश्वास पैदा हुआ है कि कोई भी वंचित व्यक्ति इसके लाभ से वंचित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान चार करोड़ से ज्यादा लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई है और 2.5 करोड़ से ज्यादा लोगों की टीबी की जांच की गई। उन्होंने कहा कि 50 करोड़ से ज्यादा आयुष्मान कार्ड लोगों को दिए गए हैं और लगभग 35 लाख किसानों को पीएम किसान योजना में शामिल किया गया है। पीएम मोदी ने कहा कि ये मेरे लिए महज आंकड़े नहीं हैं, बल्कि जीवन का एक स्रोत हैं क्योंकि मैंने हमेशा कल्याणकारी योजनाओं की सफलता को सुनिश्चित करने की कोशिश की है। उन्होंने पानी, रसोई गैस और बिजली कनेक्शन, लोगों के लिए अच्छे पोषण, स्वास्थ्य और उपचार की जरूरत पर जोर दिया।

गरीबी के सही आंकड़ों को छिपा रही है मोदी सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मोदी सरकार गरीबी के सही आंकड़ों को छिपा रही है। हाल ही में नीति आयोग ने जो गरीबी के आंकड़े दिए हैं, वह सही नहीं हैं। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार कहती है कि 09 साल में 24.82 करोड़ भारतीयों को गरीबी से उबार दिया गया है लेकिन असल में यह गरीब के खिलाफ एक बहुत बड़ी साजिश है। सरकार का यह दावा जमीनी हकीकत के विपरीत है। श्रीनेत ने कहा कि अगर गरीबों की संख्या घट गई है तो उपभोग क्यों नहीं घट रहा है? अगर गरीबी 11.7 फीसदी तक गिर चुकी है, यानी सिर्फ 15 करोड़ लोग ही गरीब हैं तो सरकार 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन क्यों दे रही है? श्रीनेत ने कहा कि नीति आयोग के इस दावे का समर्थन किसी भी थर्ड पार्टी ने क्यों नहीं किया? इस रिपोर्ट को न तो वर्ल्ड बैंक ने मान्यता दी है और न ही अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने इसे माना है। श्रीनेत ने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार ने 27 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला था। वर्ल्ड बैंक ने इस आंकड़े पर थर्ड पार्टी रिपोर्ट की पुष्टि की और इसे सही माना था लेकिन मोदी सरकार अपने ही मुंह मियां मिट्ठू बन रही है। यहां नीति आयोग ने खुद ही अनुमान लगाया, खुद ही सर्वे कराया, खुद ही रिपोर्ट बनाई और खुद की रिपोर्ट को प्रचारित भी किया है।

रोहतास में स्कार्पियो नहर में गिरी, मुखिया समेत तीन लोगों की मौत

पटना (हिंस)। रोहतास जिले में बुधवार रात एक स्कॉर्पियो पुल पर चढ़ने के दौरान नदी में जा गिरी जिससे गाड़ी में सवार मुखिया समेत तीन लोगों की मौत हो गई। हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों का दिनारा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक घटना दिनारा थानाक्षेत्र के भामपुर सेमरी पुल के पास की है। मृतकों की पहचान दिनारा थाना क्षेत्र के बीसी कला पंचायत के वर्तमान मुखिया सह लोजपा नेता उमेश पासवान, उप सरपंच बिपिन बिहारी गोस्वामी और वार्ड सदस्य महेंद्र पाल के रूप में की गई है। पुलिस का कहना है कि घटना में स्कॉर्पियो सवार चार अन्य लोग घायल हो गए हैं, जिन्हें सासाराम सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी। पुलिसकर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से हादसे में घायलों को बड़ी मशक्कत के बाद गाड़ी से निकाला। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया।

सरकार की तदर्थ समिति के आयोजनों में खेलें पहलवान : साक्षी मलिक

झज्जर (हिंस)। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व प्रधान बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आंदोलन करने वाली पहलवान साक्षी मलिक ने एक बार फिर से बृजभूषण शरण सिंह पर निशाना साधा है। गुरुवार को बहादुरगढ़ में एक कांग्रेस नेता के कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंची साक्षी मलिक ने कहा कि भारतीय कुश्ती संघ के निलंबन के बाद भी बृजभूषण का आदमी संजय सिंह खेल मंत्रालय को काम नहीं करने दे रहा। दरअसल साक्षी मलिक भारतीय कुश्ती संघ और तदर्थ समिति द्वारा आयोजित नेशनल प्रतियोगिता को लेकर बोल रही थीं। साक्षी ने कहा कि उन्होंने महिला पहलवानों के सम्मान की लड़ाई लड़ी है और वो कुश्ती के लिए ही अब काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि बृजभूषण का संबंधी या कोई आदमी फेडरेशन में नहीं होना चाहिए।

हरियाणा एमेच्योर कुश्ती एसोसिएशन के महासचिव राकेश कोच के राजनीतिक आरोपों पर साक्षी ने कोई साफ जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि अभी वह राजनीति में आने के बारे में या फिर आगे वो क्या करेंगी इस बारे में कुछ नहीं कह सकती। उन्होंने कहा कि फिलहाल वह कुश्ती के लिए ही काम कर रही हैं। साक्षी मलिक ने पहलवानों से खेल मंत्रालय द्वारा गठित तदर्थ समिति द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने को कहा है। दरअसल पहलवान भी असमंजस में हैं कि वो किस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लें। भारतीय कुश्ती संघ या फिर तदर्थ समिति द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में साक्षी मलिक एक मकर संक्रांति समारोह में शिरकत करने बहादुरगढ़ आई थी। जहां उनका नोटों की माला से स्वागत किया।

मस्जिद तोड़कर मंदिर बनाने से हम सहमत नहीं : उदयनिधि स्टालिन

चेन्नई। सनातन धर्म की तुलना डेंगू-मलेरिया से करने के बाद अब उदयनिधि स्टालिन ने राम मंदिर को लेकर विवादित बयान दिया है। तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने गुरुवार को कहा कि उनकी पार्टी अयोध्या में राम मंदिर के खिलाफ नहीं है, लेकिन *मस्जिद को ध्वस्त* कर धाम बनाने का विरोध करती है। उदयनिधि ने चेन्नई में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि दिवंगत द्रमुक सुप्रीमो एम.करुणानिधि ने कहा था कि द्रमुक किसी खास धर्म या आस्था के खिलाफ नहीं है। द्रमुक की युवा इकाई के प्रमुख ने 1992 में बाबरी ढांचे के विध्वंस का संदर्भ देते हुए कहा कि हमें वहां पर मंदिर बनाने से कोई समस्या नहीं है। हम मस्जिद को ध्वस्त कर मंदिर बनाने से सहमत नहीं हैं। तमिलनाडु सरकार में युवा कल्याण और खेल विकास विभाग का प्रभार देख रहे उदयनिधि ने कहा कि हमारे कोषाध्यक्ष (टी.आर.बालू) ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि अध्यात्म और राजनीति को मिलाना नहीं चाहिए। अयोध्या में रामजन्म भूमि पर बन रहे भव्य मंदिर में 22 जनवरी को रामलला का प्राण प्रतिष्ठा समारोह होगा। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के सवाल पर द्रमुक नेता ने कहा कि उनकी पार्टी ने तमिलनाडु को इस व्यवस्था से अलग करने की मांग को लेकर 50 लाख हस्ताक्षर एकत्र करने का लक्ष्य तय किया था जबकि करीब 85 लाख हस्ताक्षर प्राप्त हुए हैं। उदयनिधि ने कहा कि इन हस्ताक्षरों को 21 जनवरी को सेलम में आयोजित पार्टी की युवा इकाई के सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री और द्रमुक अध्यक्ष एम.के.स्टालिन को सौंपा जाएगा। उन्होंने कहा कि बाद में ऑनलाइन माध्यम और डाक से मिले हस्ताक्षरों को नयी दिल्ली में राष्ट्रपति को सौंपा जाएगा।

चार करोड़ों रुपए के नशीले पदार्थ बरामद, चार गिरफ्तार

कछार (हिंस)। कछार में 4 करोड़ रुपए से अधिक के नशीले पदार्थ के साथ चार तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार तस्करों की पहचान थांग मोंग मार, बिक्सांग, एबेनेजेर थीएक (ये सभी शिवपुरी खाल, मणिपुर) और पैट्रिक पुदैता (लखीपुर, कछार, असम) के रूप में की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज सोशल मीडिया के जरिए इसकी जानकारी साझा की। वहीं कछार पुलिस अधीक्षक नोमल महता ने बताया कि कार्रवाई योग्य खुफिया जानकारी के आधार पर कछार पुलिस ने एक विशेष अभियान चलाया और लखीपुर के फुलेरटोल में 500 ग्राम हेरोइन और 15 हजार आठ सौ याबा टैबलेट के साथ चार संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया। नशीले पदार्थों को पड़ोसी राज्य मणिपुर के फेरजोर जिले से अवैध रूप से ले जाया जा रहा था। इस सिलसिले में कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

Apollo HOSPITALS CHENNAI
Apollo Proton Cancer Centre Chennai
PROTON Cancer Centres
Senior Consultant NEURO-SURGEON
DR. ARVIND SUKUMARAN MCh Neuro(NIMHANS)FFENS,FPNS Fellowship in Fuctional Epilepsy Neurosurg)Fellowship in Paedatric Neurosurg(Univ.of Calgeary, Canada)
Will be available only for consultation at Guwahati
on 28th January'2024
Patients suffering from Fits, Seizures, Brain Tumors, Cerebral Stroke, Back Pain, Neck Pain, Cervical and Lumber spondylosis, Facial Pain, Stiff Back and other Neurological Problem can register their names in advance at:
APOLLO HOSPITALS REGIONAL OFFICE
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane -10
Ph :8404037649, 03613102669, 0361-3102166

APOLLO HOSPITALS CHENNAI
NEUROLOGIST
Dr. P. Vijayashankar MD,DM(Neuro),Fellow in movement disorders(Canada)
Will be Available only for consultation at Guwahati
ON 28th January'2024
Patients suffering from fits, headache, paralysis, Epilepsy, chronic pains, slowness of movements, involuntary movement of body, face, neck , instability, giddiness, sleep disorders, poor memory, tiredness, back & neck pain, loss of consciousness, etc can register their names:
APOLLO HOSPITALS INFORMATION CENTER
Bora Commercial Complex, Housing Bus Stop,
Bashisthapur By Lane No-4 Beltola, Survey Guwahati
Contact : 03612223663/9678769107/8134095156

पटवारियों ने धरना देकर सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

कैथल (हिंस)। पे ग्रेड की मांग को लेकर पटवारी गुरुवार को 16वें दिन भी धरने पर डटे रहे। पटवारियों ने दिनभर विरोध प्रदर्शन कर नारेबाजी की और रोष जताया। पटवारियों ने चेतावनी दी कि जब तक सरकार उनकी मांग पूरी नहीं करती, संघर्ष जारी रहेगा। उधर पटवारियों की हड़ताल के चलते जमीन की पैमाइश, इंतकाल, गिरदावरी व रजिस्ट्री आदि का कार्य प्रभावित रहा। वहीं कुरुक्षेत्र में एक पटवारी की मृत्यु होने पर सभी पटवारियों ने धरना स्थल पर दो मिनट का मौन रख उसे भावभीनी श्रद्धांजलि दी। जिला प्रधान दिलबाग सिंह ढुल ने कहा कि पटवारियों की 35400 रुपए पे ग्रेड की मांग थी, लेकिन सरकार 32100 रुपए देने पर सहमत हो गई। ये पे ग्रेड एक जनवरी 2016 से लागू होना था, मगर सरकार ने 25 जनवरी 2023 से लागू कर दिया, जिसका पटवारियों को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। सरकार जल्द पे ग्रेड जनवरी 2016 से लागू करे। पूर्व प्रधान राजा राम ने कहा कि हड़ताल के चलते रजिस्ट्री, इंतकाल और गिरदावरी आदि के सभी कार्य ठप्प पड़े हैं। एसकेएस से जयप्रकाश शास्त्री और ओमपाल भाल ने भी सरकार की नीतियों का विरोध किया और कहा कि सरकार जल्द पटवारियों की मांग पूरी करे। कैथल तहसील प्रधान फग्गु राम ने कहा कि सरकार हठधर्मिता छोड़ जल्द पटवारियों को वार्ता के लिए बुलाए।

पृष्ठ एक का शेष

असम में गिरफ्तार हो ...

वर्ग का प्रतिनिधित्व कर रही है। इस बार मुस्लिम महिलाएं भी कांग्रेस की रैलियों में नहीं आईं। सबका साथ, सबका विकास की हमारी प्रगति। असम में इतनी प्रगति हुई है कि मुस्लिम पुरुष भी कांग्रेस की रैलियों में आना बंद कर देंगे। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के बयान पर असम कांग्रेस के अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने कहा कि हमने अनुमति मांगी थी। जनता चाहती है, जोरहाट के लोग चाहते हैं कि राहुल गांधी हमारे बीच से जाएं। ये लोग (असम सरकार) हमें क्या सुरक्षा देंगे, खुद जनता हमें सुरक्षा देगी। उधर भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान अपने संबोधन में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि हिंसा को असम से बेहतर कोई नहीं समझता है। एक समय हुआ करता था जब आप लोग बाहर नहीं निकल सकते थे। हिंसा थी, नफरत फैली हुई थी और लोगों की हत्या हो रही थी। याद रखिए कि उस समय कांग्रेस पार्टी खड़ी थी जिसने हिंसा को खत्म किया और असम के लोगों को जोड़ा। आज भाजपा और मुख्यमंत्री असम को बांटने का काम कर रहे हैं। आज देश में सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री असम के मुख्यमंत्री हैं।

मैंने न्याय मांगा तो ...

निष्कासित कर दिया गया क्योंकि मैंने एक उत्पीड़क के खिलाफ न्याय मांगा...चूंकि राहुल जी असम आए हैं, मुझे विश्वास है कि वह मुझे और न्याय यात्रा में शामिल महिलाओं को न्याय देंगे...। पूर्व कांग्रेस नेता ने कहा कि मैंने कांग्रेस से न्याय मांगा था। हालांकि, मुझे पार्टी से निकाल दिया गया। मैं पिछले 10 महीनों से निर्वासन में हूं, लेकिन मैंने कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने के लिए शिवसागर जिले में काम किया। यहां रहने वाले स्थानीय लोग राहुल गांधी की यात्रा के बारे में नहीं जानते थे और मैं उन्हें इस कार्यक्रम के बारे में बताने के लिए परिवारों के पास गई। उन्होंने कहा कि पार्टी में नहीं रहते हुए भी मैं पिछले 10 महीने से कांग्रेस के लिए काम कर रही हूं। लोग मेरे साथ आए हैं और राहुल गांधी की यात्रा अमगुरी से होकर गुजरेगी, मुझे उम्मीद है कि वह मुझे न्याय देंगे। मेरा 10 महीने का वनवास भी आज खत्म हो जाएगा। अंगकिता दत्ता के शिवसागर में विरोध प्रदर्शन करने पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि मैंने अंगकिता दत्ता से कई बार बात की है। वह मेरे घर भी आई थीं। हकीकत यह है कि इस मुद्दे को सुलझाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वे दोनों, हमारे युवा कांग्रेस अध्यक्ष (श्रीनिवास बीवी) और अंगकिता बहुत भावुक लोग हैं। मैंने उन दोनों से बात की। मैंने मुद्दे को सुलझाने और न्याय दिलाने की कोशिश की... लेकिन असम के सीएम ने ऐसा नहीं होने दिया... मामला अभी सुप्रीम कोर्ट में है। जांच हो चुकी है। और सभी आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। लेकिन असम के सीएम ने मामले को और खराब कर दिया है..।

कांग्रेस के तीन ...

आगामी चुनावों में उन्हें वोट नहीं देंगे। अजमल के अनुसार, कांग्रेस मुश्किल से एक लोकसभा सीट जीत सकती है, जबकि एआईयूडीएफ कम से कम तीन सीटें जीतने के लिए तैयार है। अजमल ने दावा किया कि भाजपा असम में बाकी सीटें छीन लेगी। उन्होंने कहा कि राहुल की भारत जोड़ो न्याय यात्रा- जो गुरुवार को राज्य में प्रवेश कर गई - का राजनीति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। अजमल ने कहा कि राहुल गांधी उड़ते हुए आएंगे और चले जाएंगे। वह धुबड़ी या किसी अन्य लोकसभा क्षेत्र में 1 प्रतिशत वोट भी हासिल नहीं कर सकते। मेरा मानना है कि उनके कार्यक्रम से एआईयूडीएफ को फायदा होगा। उन्होंने एआईयूडीएफ के साथ गठबंधन नहीं करने को लेकर भी कांग्रेस पर हमला बोला। अजमल ने कहा कि अगर कांग्रेस ने हमारे साथ गठबंधन किया होता, तो हम मिलकर छह सीटें जीत सकते थे। लेकिन असम कांग्रेस के नेता हिमंत विश्व शर्मा के इशारों पर काम कर रहे हैं। यहां के कांग्रेस नेता अगले चुनाव में असम में भाजपा को 10-11 लोकसभा सीटें जीतने में मदद करेंगे।

39 लाख महिलाओं ...

लिए तीन चरणों में शर्तें बनाई गई हैं। आज ऊपरी असम के 5 जिलों की हर पंचायत में एसएचजी की महिलाओं को प्रपत्र जारी किए गए हैं। आज कुल 5 लाख 33 हजार महिलाओं को आवेदन प्राप्त होंगे। प्रदेश के अन्य जिलों में भी सभी को 18 से 25 जनवरी के बीच प्रपत्र मिल जाएगा। रंगपुर पंचायत के अंतर्गत 2081 महिलाओं को प्रपत्र दिया गया है।

भाजपा असम को ...

लोकसभा चुनाव से पहले शुरू हुई भारत जोड़ो न्याय यात्रा में असम पर खास फोकस है। कांग्रेस सांसद के नेतृत्व में 6,713 किलोमीटर लंबी यात्रा 14 जनवरी को मणिपुर से शुरू हुई थी और 20 मार्च को मुंबई में समाप्त होगी। राहुल गांधी ने बुधवार को भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान नगालैंड के मोकोकचुंग शहर में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि नगा राजनीतिक मुद्दे का समाधान ढूंढ़ने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 9 वर्षों में कुछ नहीं किया। इस मुद्दे को लेकर 2015 में एक ढांचागत समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। राहुल ने कहा कि नगा लोगों को भरोसे में लिए और उनसे चर्चा किए बिना इस समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता है। राहुल ने कहा कि यह मुद्दा गंभीर और इसका समाधान आवश्यक है। कहा कि नौ साल पहले प्रधानमंत्री ने जो वादा किया था वह नगा लोगों के लिए एक खोखला वादा है। कांग्रेस ने बुधवार को एक वेबसाइट और ई-मेल आईडी जारी कर 2024 लोकसभा चुनाव के लिए अपने घोषणापत्र के लिए लोगों से सुझाव मांगे हैं। पार्टी की घोषणापत्र समिति के अध्यक्ष पी चिदंबरम ने कहा कि यह कवायद लोगों से सुझाव प्राप्त करने के लिए है। यह जन घोषणापत्र होगा।

एयरफोर्स अधिकारी की ...

राजवार उमेश्वर सिंह आतंकी हमले में बच गए थे। उन्होंने अदालत कक्ष में मलिक को मुख्य हमलावर बताया। मलिक दिल्ली की तिहाड़ जेल से वीडियो के जरिए अदालती कार्यवाही में शामिल हुआ, जहां वह 2019 से कैद है। श्रीनगर के बाहरी इलाके रावलपुरा में 25 जनवरी, 1990 को हमले में स्क्वाड्रन लीडर रवि खन्ना सहित चार लोगों की मौत हो गई जबकि 40 लोग घायल हो गए थे। भारतीय वायुसेना के कर्मचारी ड्यूटी के लिए पुराने श्रीनगर हवाई क्षेत्र में अपने वाहन का इंतजार कर रहे थे, तभी वे आतंकवादियों की गोलीबारी की चपेट में आ गए। मलिक और पांच अन्य के खिलाफ 31 अगस्त, 1990 को जम्मू में टाडा अदालत के समक्ष आरोपपत्र दाखिल किया गया था। मलिक के अलावा, वायुसेना कर्मियों की हत्या में शामिल अन्य आरोपियों में जेकेएलएफ से जुड़े अली मोहम्मद मीर, मंजूर अहमद सोफी उर्फ मुस्तफा, जावेद अहमद मीर उर्फ *नलका*, शौकत अहमद बख्शी, जावेद अहमद जरगर और नानाजी शामिल हैं। सीबीआई की वरिष्ठ लोक अभियोजक मोनिका कोहली ने कहा कि यह मामले में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है...अभियोजन पक्ष के गवाह ने गोलीबारी के लिए मलिक की पहचान की है। कोहली मलिक के खिलाफ दो प्रमुख मामलों में मुख्य अभियोजक हैं। एक मामला 1989 में तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी रुबैया सईद के अपहरण का है जबकि दूसरा भारतीय वायुसेना कर्मियों की हत्या का है।

22 को केंद्रीय ...

प्रसारण देख सकें। बता दें कि केंद्रीय कर्मचारियों को आधे दिन की छुट्टी के एलान से पहले कई ऐसे राज्य हैं, जिन्होंने 22 जनवरी को छुट्टी का एलान किया है। **यूपी में छुट्टी :** यूपी के सीएम योगी अदित्यानाथ ने 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह के कारण शैक्षणिक संस्थानों में छुट्टी घोषित की है। इसी के साथ पूरे राज्य में शराब की दुकानें भी इस दिन बंद रहेंगी। **हरियाणा :** हरियाणा सरकार ने भी प्राण प्रतिष्ठा के चलते स्कूल बंद रखने की घोषणा की है। वहीं इस दिन ड्राई डे भी रहेगा। **मध्यप्रदेश :** मध्यप्रदेश में 22 जनवरी को शराब की दुकानों के साथ भांग की दुकाने की बंद रहेंगी। स्कूलों की भी छुट्टी की घोषणा की गई है। **छत्तीसगढ़ :** छत्तीसगढ़ में भी प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन सभी स्कूल और कॉलेज बंद रहेंगे। **गोवा :** गोवा में भी सरकारी कर्मचारियों और स्कूलों में 22 जनवरी को छुट्टी का एलान किया गया है। बता दें कि 22 जनवरी को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह है। इस दिन पीएम मोदी रामलला की प्राण प्रतिष्ठा करेंगे और इससे पहले ही अनुष्ठान भी शुरू हो गया है। सात दिन तक चलने वाले इस अनुष्ठान का आज तीसरा दिन है।

स्कूली छात्रों से ...

किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि वडोदरा की हरणी झील में नाव पलटने से बच्चों के डूबने की घटना अत्यंत हृदय विदारक है। मैं अपनी जान गंवाने वाले मासूम बच्चों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं। दुःख की इस घड़ी में उनके परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। दयालु ईश्वर उन्हें यह दुःख सहने की शक्ति दे। नाव पर सवार छात्रों और शिक्षकों का बचाव अभियान फिलहाल जारी है. सिस्टम को दुर्घटना के पीड़ितों को तत्काल राहत और उपचार प्रदान करने का निर्देश दिया गया है। वडोदरा के कलेक्टर ए बी गोर और पुलिस आयुक्त अनुपम सिंह गहलोत मौके पर पहुंचे हैं। प्राथमिक जांच में वडोदरा नगर निगम की लापरवाही सामने आई है। कलेक्टर ने इस पूरे मामले की जांच की बात कही है। वहीं वडोदरा नगर निगम की स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन डॉ. शीलत मिस्त्री ने कहा कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मिस्त्री ने कहा कि अभी पूरा ध्यान रेस्क्यू ऑपरेशन पर है। जांच में सामने आया है कि वोट की कुल क्षमता 16 लोगों की थी, लेकिन इसमें ज्यादा छात्रों और शिक्षकों को बैठाया गया।

ईरान की सीमा में ...

गए एयर स्ट्राइक के बाद आया है जिसमें ईरान की वायुसेना ने पाकिस्तान की सीमा में बने आतंकी संगठन जैश-अल-अदल के दो ठिकानों पर हमला किया था। पाकिस्तान ने इसे अस्वीकार्य बताते हुए कड़ी नाराजगी जताई थी। पाकिस्तान के विदेश मंत्री जलील अब्बास जिलानी ने चेतावनी दी कि एकतरफा कार्रवाई से क्षेत्रीय शांति खतरे में पड़ सकती है। इस उकसावे वाली कार्रवाई के बाद पाकिस्तान को जवाबी कार्रवाई का अधिकार मिल गया है। पूरे मामले को लेकर दोनों देशों के संबंधों में तनाव आ गया है। पाकिस्तान ने ईरान के राजदूत को निष्कासित कर दिया। साथ ही ईरान से अपने राजदूत को वापस बुला लिया है। भारत ने ईरान का समर्थन करते हुए बुधवार को कहा था कि यह ईरान-पाकिस्तान के बीच का मामला है। भारत आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहनशीलता की नीति पर चल रहा है। हम आत्मरक्षा में दूसरे देशों की ओर से उठाए जाने वाले ऐसे कदमों को समक्ष सकते हैं।

आगबबूला ईरान ने ...

निशाना बनाया था। इन ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोनों से हमला कर इसे नष्ट कर दिया गया है। इसके बाद से ही दोनों देशों के बीच तनाव की स्थिति है। पाकिस्तान ने पलटवार करते हुए आज यानी गुरुवार सुबह को ईरान में छिपे आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन *मार्ग बार शर्माचर* चलाया था। पाकिस्तान का दावा है इस ऑपरेशन में उसने कई आतंकियों को ढेर कर दिया है। *जैसे को तैसा* सिद्धांत के तहत दोनों देश एक दूसरे पर पलटवार कर रहे हैं। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब ईरान और पाकिस्तान के बीच सीमा संघर्ष देखने को मिला है। उधर, पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने बयान जारी करते हुए कहा है कि उसने ईरान में पल रहे आतंकियों को लेकर कई बार ईरान से बातचीत की थी इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। हमने यह कार्रवाई ईरान में पल रहे पाकिस्तानी मूल के आतंकियों द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ बड़े पैमाने पर आतंकी गतिविधियों की खुफिया जानकारी के बाद की है। यह कार्रवाई सभी खतरों को ध्यान में रखते हुए अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करने के लिए की गई है।

बर्थ प्रूफ के तौर...

सकती है। अगर जन्मतिथि प्रमाण के लिए कोई भी दस्तावेज नहीं है तो सदस्य की चिकित्सीय जांच के बाद सिविल सर्जन द्वारा जारी किया गया मेडिकल प्रमाण पत्र भी जन्मतिथि अपडेट के लिए दे सकता है। साथ ही पासपोर्ट, पैन नंबर, डोमिसाइल सर्टिफिकेट और पेंशन दस्तावेज को भी मान्यता प्रदान की गई है। यूआईडीएआई ने 22 दिसंबर, 2023 को एक परिपत्र में कहा था कि आधार क्रमांक का इस्तेमाल सत्यापन के बाद किसी व्यक्ति की पहचान स्थापित करने के लिए किया जा सकता है और इस वजह से यह जन्म तिथि का प्रमाण नहीं है। प्राधिकरण ने यह भी कहा था कि ईपीएफओ जैसे कई निकाय जन्मतिथि को सत्यापित करने के लिए आधार का उपयोग कर रहे हैं। उसने कई उच्च न्यायालयों के आदेशों का संदर्भ देते हुए कहा था कि आधार जन्म तिथि का वैध प्रमाण नहीं है। जन्म तिथि के लिए वैध प्रमाण के रूप में जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रार से जारी होने वाला जन्म प्रमाण पत्र, किसी मान्यता प्राप्त सरकारी बोर्ड या विश्वविद्यालय द्वारा जारी अंकपत्र, पैन (स्थायी खाता संख्या) कार्ड जैसे दस्तावेजों का इस्तेमाल होता है।

ईडी के सामने ...

परेशान किया जा रहा है। यह नोटिस भाजपा के दबाव में भेजा गया है। उन्होंने कोई घोटाला नहीं किया है। इसलिए वह ईडी के सामने पेश नहीं होंगे। उल्लेखनीय है कि केजरीवाल को ईडी ने पेश होने के लिए पहले 02 नवंबर और 21 दिसंबर, 2023 और 03 जनवरी तथा आज (18 जनवरी) को पेश होने के लिए नोटिस दिया था। केजरीवाल का कहना है कि ये सभी नोटिस गैरकानूनी हैं।

गुवाहाटी के बूथ अध्यक्षों और शक्ति केंद्र प्रमुखों का प्रशिक्षण शिविर आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की उपस्थिति में पार्टी के प्रदेश मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आज गुवाहाटी महानगर जिले के अंतर्गत 1023 बूथ अध्यक्षों और 239 शक्ति केंद्र प्रमुखों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का संचालन भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता ने किया, जिन्होंने बूथ अध्यक्षों को भारतीय जनता पार्टी के इतिहास, विकास, नीतियों और आदर्शों और केंद्र एवं राज्य सरकारों की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आगामी लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए बूथों को मजबूत करने के लिए पार्टी की कार्यक्रम योजना की भूमिका, नए मतदाताओं को बूथों के तहत शामिल करने के साथ-साथ चुनाव के दौरान बूथ अध्यक्षों की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान पंडित दीनदयाल उपाध्याय विचार दर्शन पर भारतीय जनता पार्टी महानगर जिला अध्यक्ष तपन चंद्र दास द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन किया।

एमपीएलएडी घोटाला
निलंबित एसीएस अधिकारी सुकन्या बोरा गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री के विशेष सतर्कता सेल (एसवीसी) द्वारा गुरुवार को असम के सांसद क्षेत्र विकास निधि (एमपीएलएडी) घोटाले के सिलसिले में निलंबित एसीएस अधिकारी सुकन्या बोरा को गिरफ्तार कर लिया गया। सतर्कता सेल ने घोटाले के संबंध में कामरूप (मेट्रो) जिले के तत्कालीन अतिरिक्त जिला आयुक्त सुकन्या बोरा से पहले कई बार पूछताछ की थी। सुकन्या बोरा पर परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों के नाम पर आय से अधिक संपत्ति जमा करने का आरोप है। दागी अधिकारी की चाची ने पहले जांच टीम के सामने कहा था कि बोरा ने अपनी मां को मानसिक रूप से अस्थिर बताकर संपत्ति अर्जित की है। कथित तौर पर सुकन्या बोरा गुवाहाटी, मोरीगांव, हाजो, उत्तर गुवाहाटी समेत अन्य जगहों पर बड़ी संपत्ति अर्जित की है। गौरतलब है कि सुकन्या बोरा को एमपीएलएडी द्वारा वित्त पोषित परियोजनाओं को पूरा करने में संदिग्ध अनियमितताओं के लिए मार्च, 2023 में निलंबित कर दिया गया था। मई में मामले के संबंध में अग्रिम जमानत के लिए बोरा की याचिका को गौहाटी उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि सुकन्या बोरा के साथ सेवानिवृत्त पीडब्ल्यूडी इंजीनियर सामेद अली और उप वन संरक्षक भास्कर डेका को भी गिरफ्तार किया गया है। दोनों को आज सुबह पूछताछ के लिए सीएम की विशेष सतर्कता सेल ने बुलाया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि वे अधिकारियों के साथ सहयोग नहीं कर रहे थे, जिसके कारण उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, राज्यसभा सांसद अजीत कुमार भुइयां के एमपीएलएडी फंड से पैसा राज्य के बरपेटा में एक सड़क बनाने के लिए सौंपा गया था।

राहुल गांधी को आमगुड़ी में यात्रा करने का साहस नहीं हुआ : पीयूष हजारिका

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य के सूचना जनसंपर्क, जल संसाधन आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को आमगुरी में *भारत जोड़ो न्याय यात्रा* करने का साहस नहीं हुआ, इसीलिए वे वहां से भाग निकले। मंत्री हजारिका ने कहा कि कांग्रेस की महिला युवा नेता वहां न्याय की मांग कर रही थी, इसी के भय से राहुल गांधी बगैर यात्रा किए वहां से निकल पड़े। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के स्वागत में ढोल बजाने वाले तथा नाचने वाले खड़े ही रह गए, लेकिन राहुल गांधी ने स्वागत करने का मौका ही नहीं दिया। जल्दी-जल्दी राहुल वहां से निकल गए, ताकि युवा कांग्रेस की न्याय से वंचित पूर्व अध्यक्ष से सामना नहीं हो सके। पीयूष हजारिका आज यहां मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस किसी को न्याय नहीं दे सकती है।

हायर सेकेंडरी स्कूल का प्रिंसिपल रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। जिले में आज एक हायर सेकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया। आधिकारिक जानकारी के अनुसार राज्य के सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय में एक शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि जिले के कवैमारी हायर सेकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल (प्रभारी) बुलबुल चौधरी ने रुपए की मांग की थी। शिकायतकर्ता से उसकी सेवा पुस्तिका अद्यतन कराने एवं समयमान वेतन वृद्धि के लिए आदेश जारी करने हेतु तीन हजार रुपए की रिश्वत मांगी गई। रिश्वत देने के इच्छुक नहीं होने पर, शिकायतकर्ता ने उपरोक्त लोक सेवक के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने के लिए इस निदेशालय से संपर्क किया। तदनुसार, आज सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय, असम की एक टीम द्वारा कवैमारी हायर सेकेंडरी स्कूल में एक जाल बिछाया गया। बुलबुल चौधरी को स्कूल में शिकायतकर्ता से मांगी गई रिश्वत के रूप में एक हजार पांच सौ रुपए लेने के तुरंत बाद स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में पकड़ लिया गया। उसके कब्जे से रिश्वत की रकम बरामद कर ली गई है और स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में उसे जब्त कर लिया गया। इस संबंध में एसीबी थाने में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (यथा संशोधित 2018) की धारा 7 (ए) के तहत (10/2024) मामला दर्ज किया गया। उन्होंने उपरोक्त लोक सेवक के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाते हुए उपरोक्त मामले के संबंध में गिरफ्तार किया गया। आवश्यक कानूनी अनुवर्ती कार्रवाई चल रही है।

राज्यपाल ने युवा संगम कार्यक्रम में छात्रों से बातचीत की

गुवाहाटी (हिंस)। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने आज राजभवन में आयोजित एक कार्यक्रम में *एक भारत श्रेष्ठ भारत* पहल के तहत असम और महाराष्ट्र के उच्च शिक्षण संस्थानों के 95 छात्रों के एक समूह के साथ बातचीत की। एक भारत, श्रेष्ठ भारत के युवा संगम कार्यक्रम के तहत आयोजित एक इंटरैक्टिव कार्यक्रम में छात्रों के समूह से बात करते हुए राज्यपाल ने कहा कि छात्र दैवीय ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करते हैं और वे राज्यों के बीच सद्भावना का पुल हैं। वे विभिन्न राज्यों की विशिष्ट संस्कृतियों को समझने के लिए एक मजबूत मंच भी प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि छात्र विनिमय कार्यक्रम असम और महाराष्ट्र दोनों की युवा पीढ़ी को एक-दूसरे के मूल्यों और अनुभवों को सीखने और साझा करने की अनुमति देगा। उन्होंने यह कहा कि युवा संगम कार्यक्रम पाठ्य पुस्तकों से कहीं आगे तक ज्ञान के पारस्परिक आदान-प्रदान का अवसर प्रदान करता है, जो एक-दूसरे के रीति-रिवाजों, परंपराओं और भाषाओं की गहरी समझ को बढ़ावा देता है। राज्यपाल ने बातचीत के दौरान यह भी कहा कि भारत दुनिया में सबसे बड़ी युवा शक्ति वाला देश है। किसी भी राष्ट्र की सामाजिक-आर्थिक एवं सांस्कृतिक प्रगति में युवाओं की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण होती है। इसलिए देश की युवा शक्ति का सही ढंग से प्रबंधन करना जरूरी है। राज्यपाल कटारिया ने यह भी कहा कि युवा शक्ति ही वह शक्ति है जिसके माध्यम से हमारा देश समृद्ध होगा। लेकिन, उन्हें सही दिशा देने की जरूरत है। उन्हें सपने देखना और खोज करना सिखाया जाना चाहिए। वे हमारे देश के भविष्य हैं। उन्होंने एक शिक्षक के सर्वोपरि महत्व पर भी बात की जो युवाओं को प्रगति और समृद्धि के रास्ते पर ले जाने के लिए एक शक्ति के रूप में कार्य करता है। यदि शिक्षक नहीं होते तो कोई भी विकास संभव नहीं होता। शिक्षकों को छात्रों में *मानव की सेवा* के मूल्यों को विकसित करना चाहिए। उन्हें समाज और राष्ट्र में योगदान देने के लिए मार्गदर्शन करना चाहिए। राज्यपाल ने वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव और माधवदेव, वीर लाचित बरफूकन और अन्य महान नायकों की भी चर्चा की, जिन्होंने राज्य के विकास में बहुत योगदान दिया। इसी तरह उन्होंने शिवाजी और महाराणा प्रताप की वीरता के बारे में भी बताया, जिन्होंने अपनी मातृभूमि की प्रगति में योगदान दिया।

मशहूर यूट्यूबरो ने सिटी सेंटर के एक्सक्लूसिव शोरूम में ओप्पो रेनो 11 सीरीज को किया लांच

गुवाहाटी (विभास)। अग्रणी स्मार्टफोन निर्माता ओप्पो ने असम सहित पूर्वोत्तर के बाजार में बिल्कुल नया ओप्पो रेनो 11 सीरीज मोबाइल लांच किया। विशेष अतिथि के रूप में प्रसिद्ध यूट्यूबर रिपुन पूजा दास और दर्शना ने जीएस रोड के सिटी सेंटर के तीसरी मंजिल स्थित ओप्पो एक्सक्लूसिव शोरूम में सबसे पसंदीदा रेनो 11 सीरीज को लांच किया। कंपनी के जोनल सेल्स प्रबंधक अनिशुज जमान, शोरूम और एलएफआर हेड संदीप चौधरी और ओप्पो शोरूम की पूरी टीम उपस्थित थी। लांच के अवसर पर बोलते हुए, दोनों यूट्यूबर ने कहा कि ओप्पो हमेशा स्मार्ट फोन और आईओटी उत्पादों में सबसे पसंदीदा, इनोवेटिव और स्टाइलिश ब्रांड में से एक रहा

है। ओप्पो रेनो 11 सीरीज दो वेरिएंट रेनो 11प्रो और रेनो 11 में उपलब्ध है। इसमें बेहतरीन फीचर्स, नेचुरल एस्थेटिक डिजाइन, 32एमपी टेलीफोटो पोर्ट्रेट कैमरा, 80डबलु सुपरभोक फ्लैश चार्ज, बिल्कुल नया कलर ओएस 14 है। यह उन युवाओं के लिए एक आदर्श संयोजन है जो पोर्ट्रेट और महिला वर्ग में फोटोग्राफी पसंद करते हैं। उन्होंने कहा की मुझे उम्मीद है कि असम और उत्तर-पूर्व राज्यों के लोग इस फोन को पसंद करेंगे। इस अवसर पर बोलते हुए जोनल सेल्स मैनेजर अनिशुज जमान ने कहा कि रेनो विशेष रूप से पहले एडवांस टेक्नोलॉजी 80डब्लू सुपर वूक, 12जीबी रैम +256जीबी रोम तक के लिए जाना जाता है, सोनी आईएमएक्स709 टेलीफोटो लेंस कैमरा सभी रिटेल स्टोर्स और एक्सक्लूसिव शोरूम पर केवल 39999/- रुपए में उपलब्ध होगा। शोरूम और एलएफआर प्रमुख संदीप चौधरी ने कहा कि रेनो 11प्रो और रेनो 11 की खरीद पर ग्राहक अग्रणी आईसीआईसीआई, कोटक, एसबीआई कार्ड और कई अन्य से 4000/- रुपए तक कैशबैक जैसे अधिक आकर्षक ऑफर प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही 9 महीने तक नो कॉस्ट ईएमआई। शुरुआती ग्राहकों के लिए अन्य आकर्षक उपहार भी मौजूद हैं।

असम कांटा हनुमान मंदिर में भंडारा एवं दीप यज्ञ 22 को

गुवाहाटी। सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक संस्था श्री जय बजरंग सेवा समिति आगामी 22 जनवरी को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य पर असम कांटा हनुमान मंदिर में विशाल भंडारा एवं दीप यज्ञ के साथ भजन-कीर्तन का आयोजन करेगी। समिति के अध्यक्ष संजय सिंह ने बताया कि प्रभु श्री रामचंद्र की जन्मस्थली अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा होगी। हमलोग भी प्रभु श्री रामचंद्र के चरणों में लीन होकर प्रसादरूपी भंडारा करेंगे। दीप यज्ञ के साथ भजन-कीर्तन करेंगे एवं श्री रामचंद्रजी के दरबार में हाजरी लगाएंगे। अध्यक्ष श्री सिंह ने सभी संस्थाओं एवं समाज बंधुओं से आह्वान किया है कि इस अवसर पर असम कांटा हनुमान मंदिर पहुंचकर राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का साक्षी बनें एवं पुण्य का भागी बनें। यह जानकारी समिति के मीडिया प्रभारी पशुपति चौधरी ने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी है।

सम्मेलन की कामरूप शाखा का शिल्पी दिवस व छगनलाल जैन शताब्दी समारोह आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी सम्मेलन की कामरूप शाखा ने शिल्पी दिवस के उपलक्ष्य में रूप कुंवर ज्योति प्रसाद अग्रवाल को स्मरण करते हुए शिल्पी दिवस मनाया एवम कार्यक्रम की दूसरे चरण में स्वर्गीय छगनलाल जैन जन्म शताब्दी समारोह भी मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ ज्योति प्रसाद व स्वर्गीय छगनलाल जैन के चित्र के आगे दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पांजलि अर्पण करके किया गया। इस अवसर पर सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा, शाखाध्यक्ष दिनेश गुप्ता के अलावा ज्योति प्रसाद अग्रवाल की दो सुपुत्री ज्ञानश्री पाठक व सत्यश्री पाठक, छगनलाल जैन के पुत्र डॉ. प्रदीप जैन, लेखक साहित्यकार राजेश काकोटी, डॉक्टर भूपेंद्र राय चौधरी उपस्थित थे। कार्यक्रम संयोजक संदीप चमडिया द्वारा ज्योति संगीत प्रस्तुति के बाद शाखाध्यक्ष दिनेश गुप्ता ने स्वागत भाषण दिया। इस अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि प्राप्त व्यक्तियों को कंचन शर्मा के संचालन में समाजसेवी व साहित्यसेवी बरपेटा

के अंजन लाल चौधरी और माधुरी कलिता चौधरी, विशिष्ठ कवि नीलम कुमार, नलबाड़ी के कवि कमल कुमार जैन, कवियत्री और नाट्यकार कविता बेड़िया, शिक्षाविद डॉक्टर सुनीता अग्रवाल, विश्वनाथ चाराली के मोटीवेटर डॉक्टर दिनेश अग्रवाल, असमिया फिल्मकार, निर्देशक व अभिनेता राजेश मोर को फुलाम गमछा शॉल और प्रशस्ति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस कड़ी में साहित्यकार व कवि कपूर चंद पाटनी को उनकी अनुपस्थिति में सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर ज्योति प्रसाद अग्रवाल की सुपुत्री ज्ञानश्री पाठक ने कहा कि मारवाड़ी सम्मेलन की कामरूप शाखा ने शिल्पी दिवस का आयोजन कर असम की संस्कृति में अपनी आस्था को प्रकट किय है। ज्योति प्रसाद अग्रवाल के पूर्वज राजस्थान से आए थे। वह असम में आकर यहां की संस्कृति में रच बस गए थे। असमिया कला संस्कृति को अपनाकर समन्वय का एक आदर्श उदाहरण उन्होंने प्रस्तुत किया था। असम में रहने वाले मारवाड़ी प्रवासी भी ज्योति प्रसाद के आदर्श पर विश्वास व्यक्त कर उनका अनुसरण कर रहे हैं। सत्याश्री दास ने कहा कि ज्योति प्रसाद आज भी समाज में प्रासंगिक नहीं है। इसका क्या कारण है? यह बात में काफी महत्वपूर्ण मान रही हूं। गाना गाने से कोई शिल्पी नहीं हो जाता, लिखने से ही जैसे साहित्यिक नहीं हो जाता, अभिनेता होने से वह नट्सूर्य नहीं हो जाता। मगर ज्योति प्रसाद एक विशिष्ठ शिल्पी थे। उनमें असाधारण प्रतिभा थी। असम की साहित्य संस्कृति को उन्होंने एक महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसीलिए असम के लोग आज भी उनका नाम श्रद्धा व आदर से लेते हैं। डॉक्टर प्रदीप जैन ने स्वर्गीय छगनलाल जैन का परिचय देते हुए उनके साथ बिताए संस्मरण को बताया। प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा ने अपना संबोधन देते हुए छगनलाल जैन पर पुस्तक प्रकाशन का सुझाव दिया एवं इस कार्य में सम्मेलन द्वारा पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। मंच पर उपस्थित भूपेंद्र राय चौधरी और राजेश काकोटी ने भी अपना सर गर्वित वक्तव्य दिया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में नित्य साधना संस्कृत विद्यालय शांतिपुर द्वारा ज्योति संगीत नृत्य नाटिका तथा संदीप चमडिया द्वारा ज्योति संगीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में सम्मेलन के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य राजकुमार तिवाडी, प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) रमेश चांडक, प्रांतीय संयुक्त मंत्री मनोज काला, सम्मेलन कामरूप शाखा के संस्थापक अध्यक्ष संपत मिश्र, पूर्व अध्यक्ष निरंजन सिकरिया, शाखा कोषाध्यक्ष उमाशंकर गट्टानी, संतोष जैन, विश्वंभर शर्मा, विजय भीमसरिया, विनोद शर्मा,दिलीप अग्रवाल, संजय अग्रवाल, अनुज चौधरी, सुनीता गुप्ता, बबीता अग्रवाल, सरोज जैन, सम्मेलन महिला शाखा की अध्यक्ष संतोष शर्मा, उपाध्यक्ष मंजू लता शर्मा जनसंपर्क सचिव संतोष काबरा, अग्रवाल सभा के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल प्रकाशक घनश्याम लाडिया, प्रागज्योतिषपुर लेखिका समाज की अध्यक्ष कंचन केजरीवाल के अलावा अन्य कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। शाखा सचिव संजय खेतान ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

विश्व हिंदी दिवस : राज्य की कवि तथा लेखिका मनीषा पाल की लघुकथा *सर्दी* को मिला विशेष स्थान

विश्वनाथ (विभास)। वैश्विक हिंदी संस्थान के अध्यक्ष, डॉ. ओमप्रकाश गुप्ता द्वारा 13 जनवरी 2024 शनिवार सायं 6 से रात्रि 12 (भारतीय समय) को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय लघुकथा संगोष्ठी में देश- विदेश से 75 कथाकार स्वरचित लघुकथा वाचन किए। कई संचालिका तथा संचालक द्वारा संगोष्ठी अत्यंत व्यवस्थित रूप में संचालित किया गया। उक्त कार्यक्रम में असम प्रदेश से चुने गए कथाकार व कवयित्री श्रीमती मनीषा पाल ने अपनी स्वरचित लघुकथा *सर्दी* पाठ किया। उनकी लघुकथा पर टिप्पणी करते हुए संचालिका डॉ. उषा श्रीवास्तव ने कहा कि सर्दी एक बहुत ही संवेदनशील कहानी है जो कि प्रेमचंद जी के लेखनी को याद दिलाता है। अध्यक्ष डॉ. ओमप्रकाश गुप्ता जी ने कहा कि उक्त कार्यक्रम में पठित कहानियां पुस्तक के रूप में संकलित किया जाएगा। हिंदी के प्रचार प्रसार में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी बहुत प्रयास किया जा रहा है और आगे भी उन्होंने हिंदी प्रचार प्रसार के लिए इसतरह के संगोष्ठी आयोजित करने की आश्वासन दिया है। उल्लेखनीय है कि मनीषा पाल विश्वनाथ चारिआलि के सेंट जेवियर्स स्कूल के हिंदी अध्यापिका, विभिन्न पत्र -पत्रिकाओं में लेखन कार्य और विभिन्न हिंदी सेवी संगठनों से जुड़ी हुई है।

नगांव में पांच दिवसीय श्री राम लीला का हुआ शुभारंभ

नगांव (निसं)। अयोध्या में श्रीराम मंदिर के होने वाले उद्घाटन के अवसर पर नगांव की धार्मिक संस्था श्रीराम सेना के तत्वावधान में पांच दिवसीय श्रीराम लीला का वृहस्पतिवार को हैबरगांव स्थित सेठ मेघराज स्मृति अग्रवाल भवन शुभारंभ हुआ। नरवा सत्र के सत्राधिकार, कार्यक्रम उद्घाटन कर्ता देवानंद देव गोस्वामी ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर विशिष्ट अतिथि नगांव श्री मारवाड़ी पंचायत के अध्यक्ष प्रहलाद राय तोदी, नगांव गोपाल गौशाल के अध्यक्ष राधेश्याम लोहिया व बजरंग लाल गिनोड़िया सम्मानित अतिथि के रुप में उपस्थित थे। साथ ही नगांव गोपाल गौशाल के तत्कालीन अध्यक्ष सांवरमल खेतावत, डॉबृजमोहन खदरीया, शंकरलाल वर्मा, रतन बगड़िया, महेन्द्र कर्वा, राजेन्द्र प्रसाद मुंदड़ा, जगदीश प्रसाद लोहिया, रतन जाजोदिया, बिनोद मोर, सत्यनारायण रुठीया सहित अन्य गणमान्य व्यक्तिगण और श्रीराम सेना के तमाम सदस्यगण उपस्थित थे। कार्यक्रम शुभारंभ के बाद सभी अथितियों का अभिनंदन किया गया। उद्घाटन सत्र का संचालन संजय पोद्दार ने किया। सत्राधिकार देवानंद देव गोस्वामी ने श्रीराम मंदिर के बारे में प्रकाश डाला और सनातन धर्म पर चर्चा की। बाद में श्रीराम लीला का आरंभ वृंदावन से पधारे श्री रास बिहारी कृपा मण्डल के स्वामी प्रदीप

कृष्ण ठाकुर जी महाराज के सानिध्य में श्रीराम लीला का शुभारंभ हुआ। इससे पहले पंडित लीलाधर शर्मा के सानिध्य में आज के यजमान शालु -नंद लाल भरतीया ने पूजा विधि संपन्न करवाई।

पूर्वोत्तर का पहला डाइकिन उत्कृष्टता केंद्र और नए कार्यालय का उद्घाटन

गुवाहाटी (विभास)। डाइकिन एयर कंडीशनिंग इंडिया प्रा. लिमिटेड (डीएआईपीएल), डाइकिन इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जापान की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी और भारत में एयर कंडीशनिंग बाजार में अग्रणी, ने आज गणेशगुरी के डॉ. आरपी रोड स्थित उपासना कॉम्प्लेक्स (एक्सटेंशन बिल्डिंग) के तीसरी मंजिल में अपने नए कार्यालय का उद्घाटन किया। इस मौके पर डाइकिन इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और कार्यकारी निदेशक कुलदीपक विरमानी, डाइकिन इंडिया के क्षेत्रीय निदेशक (पूर्व) कुणाल बसु, गुवाहाटी ब्रांच के प्रमुख ध्रुव ज्योति ठाकुरिया सहित कंपनी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद थे। इस मौके पर आयोजित पत्रकार सम्मेलन के दौरान श्री विरमानी ने कहा की यह नया कार्यालय स्थान असम की क्षमता और उसके समझदार ग्राहकों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पूरे असम में डाइकिन का विश्वास हासिल करने के साथ, यह जरूरी है कि हम अपने परिचालन में गुणवत्ता और सुंदरता की प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करें। इस नए परिसर में सभी उत्पाद बिक्री, सेवा, तकनीकी सहायता और अन्य सहायता कार्य जैसे विभाग होंगे, जो चैनल भागीदारों और ग्राहकों दोनों के लिए एक प्रवर्तक के रूप में कार्य करेंगे। हम असम को डाइकिन के लिए एक संभावित बाजार के रूप में देखते

हैं, इसलिए हम बाजार हिस्सेदारी सुरक्षित करने की दृष्टि से बाजार को विकसित करने में निवेश करना जारी रखेंगे। आज, डाइकिन उत्पाद अपने साथ डाइकिन ग्लोबल की मजबूत तकनीक लेकर आते हैं जो स्वामित्व की कम लागत और बेजोड़ गुणवत्ता और स्थायित्व प्रदान करती है। नया कार्यालय हमारे हितधारकों को डाइकिन कर्मचारियों के साथ मिलने और सह-कार्य करने का अनुभव प्रदान करने की दृष्टि से एकीकृत दृष्टिकोण का एक अतिरिक्त लाभ प्रदान करता है। डाइकिन कार्यालय के उद्घाटन के मौके पर डाइकिन इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और कार्यकारी निदेशक कुलदीपक विरमानी ने कहा कि भारत में एक मजबूत विकास और व्यापार प्रक्षेपवक्र का प्रदर्शन करने के साथ, हमने पूरे असम में अपने दृष्टिकोण में आक्रामक होने की योजना बनाई और न्यू डाइकिन कार्यालय बाजार हिस्सेदारी हासिल करने के डाइकिन के प्रयास को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम अपने मजबूत डीलर नेटवर्क और कर्मचारियों के माध्यम से उच्च प्रशिक्षित बिक्री, सेवा और रखरखाव के नेटवर्क के साथ बेजोड़ उपभोक्ता अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। डाइकिन ने इस वर्ष पूर्वी भारत में 40त्न से अधिक की वृद्धि की है और इस वित्तीय वर्ष में इसके 1000 करोड़ रुपए तक पहुंचने की उम्मीद है, जो वित्त वर्ष 2025 तक बढ़कर 1500 करोड़ रुपए से अधिक हो जाएगी, जिससे हमें कई नए उत्पाद लांच करने और अपने डीलर नेटवर्क को बड़े पैमाने पर विस्तार करने के लिए प्रेरित करेंगे। मजबूत बुनियादी ढांचे और आवास विकास के साथ, हम स्मार्ट और ऊर्जा कुशल एयर कंडीशनिंग समाधानों की उच्च मांग देख रहे हैं। हम अगले 12 महीनों में 20 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल करने के लिए पूरे असम में भारी विपणन और प्रचार में निवेश करने की योजना बना रहे हैं। डाइकिन इंडिया ने हाल ही में उत्कृष्टता और नवाचार के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए श्री सिटी, आंध्र प्रदेश में 75.5 एकड़ में फैली अपनी नई सुविधा का संचालन किया; घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय खपत के लिए भारत में निर्मित अत्याधुनिक एयर कंडीशनिंग उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए रणनीतिक रूप से तैनात है। डाइकिन विशेष रूप से एयर कंडीशनिंग श्रेणी में प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) कार्यक्रम में प्रमुख निवेशक है, जिसे एयर कंडीशनर के घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार द्वारा लागू किया गया है। डाइकिन इंडिया के क्षेत्रीय निदेशक (पूर्व) श्री कुणाल बसु ने कहा, इस साझेदारी का उद्देश्य एयर कंडीशनिंग में प्रशिक्षण को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उन्नत करना है। डाइकिन में हम प्रौद्योगिकी और गुणवत्ता में उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध हैं; और यह पहल इन छात्रों को अपने कौशल को बढ़ाने और एयर-कंडीशनिंग में विश्व स्तरीय प्रशिक्षण तक पहुंच प्राप्त करने के लिए एक मंच प्रदान करेगी।

मोदी की गारंटी वाली गाड़ी को फरवरी में भी चलाएंगे : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा को जनता की मांग पर फरवरी में भी जारी रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा 'लास्ट माइल डिलीवरी' का सबसे अच्छा उदाहरण है। पिछले साल 15 नवंबर से शुरू हुई विकसित भारत संकल्प यात्रा पहले 26 जनवरी तक चलनी थी। विकसित भारत संकल्प यात्रा पूरे देश में सरकार की प्रमुख योजनाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाने के प्रयासों को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाई जा रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से सभी लक्षित लाभार्थियों तक पहुंचे। प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से बातचीत की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा में चलने वाला विकास रथ, विश्वास रथ में बदल चुका है, अब लोग इसे गारंटी वाला रथ भी कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा पहले 26 जनवरी तक चलने वाली थी, लेकिन इसको लोगों का इतना समर्थन मिला है और अब लोगों की मांग हैं कि मोदी की गारंटी वाली गाड़ी हमारे गांव में भी आनी चाहिए। इसलिए मोदी की गारंटी वाली गाड़ी को फरवरी में भी चलाएंगे। उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा को मिल रहे प्यार और समर्थन के कारण, हमने इस अभियान को फरवरी के बाद भी जारी रखने का फैसला किया है। हमने सबसे पहले 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा का आशीर्वाद लेकर यह यात्रा शुरू की थी। महज 2 महीने के अंदर यह यात्रा एक जन आंदोलन बन गई है। इस यात्रा में 15 करोड़ से ज्यादा लोग शामिल हुए हैं। विकसित भारत संकल्प यात्रा 'लास्ट माइल डिलीवरी' का सबसे अच्छा उदाहरण है। प्रधानमंत्री ने कहा, विकसित भारत संकल्प यात्रा के दायरे में 70 से 80 प्रतिशत पंचायतें आ चुकी हैं। मोदी ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी से बाहर आये हैं। उन्होंने कहा कि सरकार पारदर्शी और कुशल शासन प्रदान करके गरीबी को हराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों में चार करोड़ से अधिक लोगों को पक्के घर उपलब्ध कराये गये हैं। प्रधानमंत्री ने देश के सभी नागरिकों को पोषण और स्वास्थ्य गारंटी प्रदान करने के अपनी सरकार के संकल्प को दोहराया। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि हर किसी को पोषण, स्वास्थ्य और इलाज की गारंटी मिले। हर परिवार को पक्का घर मिले और हर घर में गैस कनेक्शन, पानी, बिजली और शौचालय की सुविधा हो। स्वच्छता का दायरा व्यापक होना चाहिए। हर गली, हर मोहल्ले और हर परिवार को इसमें शामिल किया जाना चाहिए। हर किसी के पास एक बैंक खाता होना चाहिए और स्वरोजगार को आगे बढ़ाने का अवसर होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते 9 साल में हमारी कोशिश रही है कि वंचितों को तरजीह दी जाए। हर उस नागरिक को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है जो अब तक विकास की मुख्यधारा से दूर रहा है। हमारी कोशिश ये सुनिश्चित करना है लोगों को बिना किसी परेशानी के उनके घर पर ही योजनाओं का लाभ मिले। विकसित भारत संकल्प यात्रा इसी सोच का विस्तार है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में हमारी सरकार ने पारदर्शिता और पूरी ईमानदारी के साथ प्रयास किये हैं। सरकार गरीबों के लिए लगातार काम कर रही है. 4 करोड़ से ज्यादा परिवारों को पक्के घर मिले। इनमें से 70 फीसदी से ज्यादा घर महिला के नाम पर रजिस्टर्ड हैं। यह एक और उदाहरण है कि भारत में नारी शक्ति कैसे सशक्त हो रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद इतने दशकों तक ट्रांसजेंडर्स को किसी ने नहीं पूछा। ये हमारी सरकार है, जिसने पहली बार ट्रांसजेंडर समाज की मुश्किलों की चिंता की, उनका जीवन आसान बनाने को प्राथमिकता दी। हमारी सरकार ने 2019 में किन्नर समाज को संरक्षण देने वाला कानून बनाया। इससे किन्नर समाज को समाज में सम्मानजनक स्थान मिला और उनके साथ होने वाला भेदभाव कम हुआ।

सोमनाथ मंदिर पुनर्निर्माण का इतिहास दोहरा रहा अयोध्या श्री राम मंदिर : शान्ता कुमार

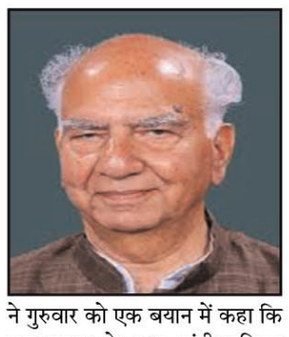

धर्मशाला, (हि. स.)। पूर्व केन्द्रीय मंत्री शान्ता कुमार ने कहा कि सौभाग्य से पूरा भारत राममय हो गया है और विपक्ष भी भगवानमय हो गया है। कोई सुन्दरकाण्ड करवा रहा है तो कोई अपने क्षेत्र के मन्दिर में जा रहा है। कुछ लोग चुपचाप बैठे हैं और कुछ लोग विरोध कर रहे हैं। देश के लिए यह व्यवहार कोई नया नहीं है। स्वतंत्रता के बाद जब देश ने सोमनाथ मन्दिर का पुनर्निर्माण करने का इसी प्रकार का बहुत बड़ा ऐतिहासिक काम किया था, तब भी इन लोगों ने इसी प्रकार का विरोध किया था। हालांकि उस समय के राष्ट्रपति डा. राजेन्द्र प्रसाद और गृहमंत्री पटेल के प्रयत्नों से वह काम पूरा हुआ। शान्ता कुमार ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि उस समय के प्रधानमंत्री पण्डित जवाहर लाल नेहरू के रोकने के बाद भी राष्ट्रपति सोमनाथ मन्दिर का उद्घाटन करने के लिए आये थे। इतिहास अपने आपको दोहरा रहा है। उन्होंने कहा जब आज विरोधी इतनी बौखलाहट में हैं तो 22 जनवरी को जब 500 सालों के कठोर संघर्ष के बाद अयोध्या में राम मन्दिर का निर्माण पूरा होगा, तब इन विरोधियों की हालत क्या होगी। इतना ही नहीं, कुछ ही महीनों के बाद जब इतिहास के सब रिकार्ड तोड़ कर राम भक्त मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनेंगे, तब यह विरोधी क्या करेंगे और कहां जाएंगे। शान्ता कुमार ने कहा कि भारत के इतिहास में यह पहला मौका है, जब देश के प्रधानमंत्री विश्व के 190 देशों के प्रधानमंत्रियों में सबसे अधिक लोकप्रिय हैं। यह पहला मौका है जब दूर दूर तक भाजपा और नरेन्द्र मोदी का कोई विकल्प नजर नहीं आता।

अदन की खाड़ी में विदेशी जहाज पर ड्रोन हमला, भारत ने दिया सटीक जवाब

- जहाज पर सवार 9 भारतीयों समेत चालक दल के सभी 22 सदस्य सुरक्षित बचाए गए
- नौसेना के विशेषज्ञों ने एमवी जेनको पिकार्डी के नुकसान का निरीक्षण किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। अदन की खाड़ी में मार्शल द्वीप के ध्वज वाले जहाज एमवी जेनको पिकार्डी पर ड्रोन से हमला हुआ है, जिससे जहाज में आग लग गई। समुद्री डकैती रोकने के लिए तैनात भारतीय नौसेना के जहाज ने तत्काल हमले का जवाब दिया। जहाज पर सवार चालक दल के सभी 22 सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया है। इनमें 9 भारतीय हैं। भारतीय नौसेना के मिशन में तैनात गाइडेड मिसाइल विध्वंसक आईएनएस विशाखापत्तनम को समुद्री डकैती रोधी अभियानों के लिए अदन की खाड़ी में तैनात किया गया है। बुधवार की रात 11.11 बजे मार्शल द्वीप के ध्वज लगे जहाज एमवी जेनको पिकार्डी पर ड्रोन हमला होने की जानकारी मिली। अदन की खाड़ी में समुद्री डकैती रोधी गश्त कर रहे भारतीय युद्धपोत विशाखापत्तनम ने संकट कॉल को स्वीकार करके तेजी से जवाब दिया। भारतीय जहाज ने एक घंटे के भीतर करीब 12.30 बजे ड्रोन हमले का जवाब देकर विदेशी जहाज को रोक दिया। ड्रोन हमले की वजह से एमवी जेनको पिकार्डी जहाज में आग लग गई लेकिन भारतीय नाविकों ने आग बुझाकर स्थिति सामान्य की। जहाज पर सवार 22 सदस्यीय चालक दल को सुरक्षित बचा लिया गया है, जिसमें 9 भारतीय भी हैं। इस हादसे में कोई भी हताहत नहीं हुआ है और आग को भी नियंत्रण में ले लिया गया है। आईएनएस विशाखापत्तनम से नौसेना विस्फोटक आयुध निपटान (ईओडी) विशेषज्ञ क्षतिग्रस्त एमवी जेनको पिकार्डी के नुकसान का निरीक्षण करने के लिए गुरुवार को सुबह जहाज पर चढ़े। ईओडी विशेषज्ञों ने गहन निरीक्षण के बाद जहाज को आगे जाने के लिहाज से सुरक्षित बना दिया है। इसके बाद जहाज कॉल के अगले बंदरगाह की ओर बढ़ रहा है।

सुप्रीम कोर्ट बिलकिस बानो गैंगरेप केस के तीन दोषियों की समर्पण याचिका पर सुनवाई को तैयार

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट बिलकिस बानो गैंगरेप केस के तीन दोषियों की ओर से समर्पण की अवधि बढ़ाने की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई करने के लिए तैयार है। आज तीन दोषियों की ओर से पेश वकील वी चिदंबरेश ने जस्टिस बीवी नागरत्ना की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष मेंशन करते हुए जल्द सुनवाई की मांग की। इस पर जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि इस मामले पर फैसला सुनाने वाले दूसरे जज जस्टिस उज्जवल भुईयां हैं।

ऐसे में रजिस्ट्री को आदेश दिया जाता है कि वे इस मामले को चीफ जस्टिस के पास लेकर जाएं और लिस्टिंग के लिए निर्देश प्राप्त करें। पहले तीन दोषियों ने सुप्रीम कोर्ट में सरेंडर करने की मोहलत मांगी, उसके बाद दो और दोषियों ने भी सरेंडर करने की मोहलत मांगी है। इनमें गोविंद नाई और प्रदीप मोढिया ने 4-4 सप्ताह, मितेश भट्ट, रमेश चांदना और बिपिन जोशी ने 6-6 सप्ताह में सरेंडर करने की मोहलत मांगी है। सुप्रीम कोर्ट ने 8 जनवरी को 11 दोषियों की रिहाई का फैसला रद्द कर सभी को 4 सप्ताह में समर्पण करने का आदेश दिया था। जस्टिस बीवी नागरत्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि गुजरात सरकार को नहीं बल्कि महाराष्ट्र सरकार को रिहाई के बारे में फैसला लेने का अधिकार है। अपराध भले ही गुजरात में हुआ हो लेकिन महाराष्ट्र में ट्रायल चलने के कारण फैसला लेने का अधिकार गुजरात सरकार के पास नहीं है।

स्वच्छ तीर्थ अभियान के तहत नड्डा ने दिल्ली के पशुपतिनाथ मंदिर में किया श्रमदान

नई दिल्ली, (हि.स.)। स्वच्छ तीर्थ अभियान के अंतर्गत गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने दिल्ली के विश्वास नगर में पशुपतिनाथ मंदिर में श्रमदान दिया। इस दौरान मंदिर में उन्होंने पूजा अर्चना भी की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 22 जनवरी को अयोध्या राम मंदिर 'प्राण प्रतिष्ठा' से पहले मंदिरों में स्वच्छता अभियान चलाने का आह्वान किया है। इस अभियान के अंतर्गत सभी भाजपा नेता और कार्यकर्ता देश भर के धार्मिक स्थलों में श्रमदान कर रहे हैं।

दिल्ली में न्यूनतम तापमान 5°C और अधिकतम 18°C रहेगा

नई दिल्ली, (हि.स.)। घने कोहरे के कारण देश के विभिन्न हिस्सों से दिल्ली आने वाली 18 ट्रेनें देरी से चल रही हैं। कोहरे के बीच कम दृश्यता के कारण आईजीआई हवाई अड्डे पर उड़ान संचालन में देरी हुई। यात्री अपनी निर्धारित उड़ानों का इंतजार कर रहे हैं। देश के कई हिस्सों में घने कोहरे के कारण उड़ानें देरी से चल रही हैं और कुछ उड़ानें रद्द की गई हैं। राष्ट्रीय राजधानी घने कोहरे की चपेट में है और शहर में शीतलहर जारी है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक आज (गुरुवार) दिल्ली में न्यूनतम तापमान 5°C और अधिकतम 18°C रहेगा। आईएमडी के मुताबिक तमिलनाडु के नीलगिरी में सैंडीनल्ला जलाशय क्षेत्र में तापमान 0 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। हिल स्टेशन ऊटी में तापमान 2.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। केदारनाथ धाम में भारी बर्फबारी हो रही है।

महेंद्र सिंह धोनी के खिलाफ मानहानि मामले की दिल्ली हाई कोर्ट में अब 29 जनवरी को सुनवाई

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी के खिलाफ दाखिल मानहानि याचिका पर सुनवाई की। जस्टिस प्रतिभा सिंह की बेंच ने याचिकाकर्ता को याचिका की प्रति महेंद्र सिंह धोनी को उपलब्ध कराने का आदेश दिया। अब इस मामले की अगली सुनवाई 29 जनवरी को होगी। हाई कोर्ट ने रजिस्ट्री और याचिकाकर्ता को निर्देश दिया कि वे महेंद्र सिंह धोनी को फोन, व्हाट्स ऐप या ई-मेल किसी भी माध्यम से याचिका के बारे में सूचित करें। धोनी के खिलाफ यह मामला उनके पूर्व बिजनेस पार्टनर मिहिर दिवाकर और दिवाकर की पत्नी सौम्या दास ने दायर की है। याचिका में कहा गया है कि धोनी याचिकाकताओं पर 2017 में उनके बीच हुए करार का उल्लंघन करने का आरोप लगा रहे हैं। याचिका में कहा गया है कि धोनी ने 6 जनवरी को एक प्रेस कांफ्रेंस में आरोप लगाया कि याचिकाकताओं ने उनके साथ 15 करोड़ रुपये की ठगी की। इस मामले में धोनी ने रांची में दिवाकर और दास के खिलाफ आपराधिक केस दायर किया है। याचिका में मांग की गई है कि धोनी और उनके लोगों को दिवाकर और दास के खिलाफ ऐसे आरोप लगाने वाले बयान देने से रोका जाए। याचिका में सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स, गूगल, यूट्यूब, मेटा और कुछ न्यूज प्लेटफार्म को ऐसी खबरें प्रसारित करने से रोकने की मांग की गई है। दिवाकर और दास आर्का स्पोर्ट्स मैनेजमेंट नामक कंपनी चलाते हैं। आर्का स्पोर्ट्स मैनेजमेंट और धोनी के बीच 2017 में करार हुआ था। इस करार में भारत और पूरी दुनिया में क्रिकेट एकेडमी की स्थापना करने की बात की गई थी। दिवाकर पूर्व में अंडर-19 वर्ल्ड कप 2000 में भारतीय टीम का हिस्सा रह चुके हैं।

लैंड फॉर जॉब मामले में ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान लेने का फैसला 20 जनवरी को

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने लैंड फॉर जॉब मामले में ईडी की ओर से दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लेने के मामले पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। स्पेशल जज विशाल गोगने ने संज्ञान लेने के मामले पर 20 जनवरी को फैसला सुनाने का आदेश दिया। ईडी ने इस मामले में 9 जनवरी को चार्जशीट दाखिल की थी। ईडी ने चार्जशीट में बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, मीसा भारती, हिमा यादव, ह्रदयानंद चौधरी और अमित कात्याल को आरोपित बनाया है। ईडी ने हाल ही में अमित कात्याल को गिरफ्तार किया था। लैंड फॉर जॉब मामले में ईडी के पहले सीबीआई ने केस दर्ज किया था। सीबीआई का मामला भी दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट में ही चल रहा है। सुनवाई के दौरान 16 जनवरी को ईडी की ओर से पेश वकील मनीष जैन ने कहा था कि अमित कात्याल ने 2006-07 में एके इन्फोसिस्टम नामक कंपनी का गठन किया। ये कंपनी आईटी से जुड़ी हुई थी। इस कंपनी ने वास्तविक रूप से कोई व्यापार नहीं किया, बल्कि कई भूखंड खरीदे। इनमें से एक भूखंड लैंड फॉर जॉब के अपराध से हासिल किया गया। इस कंपनी को 2014 में राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव के नाम पर एक लाख रुपये में ट्रांसफर कर दिया गया। मनीष जैन ने कहा कि इस मामले में ईडी ने केवल अमित कात्याल को गिरफ्तार किया है। मनीष जैन ने कहा था कि एबी एक्सपोर्ट नामक कंपनी 1996 में एक्सपोर्ट का व्यापार करने के लिए गठित की गई थी। 2007 में एबी एक्सपोर्ट कंपनी को पांच कंपनियों के पांच करोड़ रुपये मिले और न्यू फ्रेंड्स कालोनी में एक संपत्ति खरीदी गई। मनीष जैन ने कहा कि यह सात भूखंडों का मामला है। इनमें से राबड़ी देवी, हेमा यादव और मीसा भारती ने भूखंड हासिल किए। बाद में इन्होंने इन भूखंडों को बेच दिया। सीबीआई से जुड़े इसी मामले में कोर्ट ने 4 अक्टूबर, 2023 को बिहार के उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी को जमानत दी थी। कोर्ट ने 22 सितंबर, 2023 को सीबीआई की ओर से दाखिल दूसरी चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। 3 जुलाई, 2023 को सीबीआई ने पूरक चार्जशीट दाखिल की थी। कोर्ट ने 27 फरवरी, 2023 को इन तीनों आरोपियों समेत सभी आरोपियों के खिलाफ दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। 7 अक्टूबर 2022 को लैंड फॉर जॉब मामले में सीबीआई ने लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और मीसा भारती समेत 16 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी।

इस साल गणतंत्र दिवस पर कश्मीर में कोई प्रतिबंध नहीं, आम नागरिक शामिल हो सकेंगे

श्रीनगर, (हि.स.)। कश्मीर के डिविजनल कमिश्नर विजय कुमार बिधूड़ी ने गुरुवार को कहा कि इस साल गणतंत्र दिवस के मौके पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा। उन्होंने लोगों से पिछले वर्ष की तरह बड़ी संख्या में नागरिकों से समारोह में शामिल होने की अपील की है। प्रेस वार्ता के दौरान कश्मीर के डिविजनल कमिश्नर ने कहा कि वे दिन गए जब कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबंध अनिवार्य थे। उन्होंने कहा कि आज समग्र स्थिति में व्यापक सुधार हुआ है, इसलिए इस साल 26 जनवरी के अवसर पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि 26 जनवरी का अवसर हमारे लिए कई दृष्टियों से बहुत महत्वपूर्ण है। पिछली बार समारोह बख्शी स्टेडियम में हुआ था, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने जोश और उत्साह के साथ भाग लिया था। उपराज्यपाल ने पहले ही इस अवसर के लिए लोगों को आमंत्रित किया है। उन्होंने लोगों से समय पर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने की अपील की ताकि समारोह सफलतापूर्वक आयोजित किया जा सके।

ईडी के सामने पेश नहीं होंगे केजरीवाल

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल गुरुवार को भी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश नहीं हुए। केजरीवाल का कहना है कि उन्हें राजनीतिक कारणों से परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कोई भ्रष्टाचार नहीं किया है। भाजपा उन्हें लोकसभा चुनाव से पहले जेल भेजने की साजिश रच रही है। ईडी ने शराब घोटाला मामले में पूछताछ के लिए चौथी बार दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को आज पेश होने के लिए नोटिस भेजा था। सूत्रों का कहना है कि केजरीवाल ने ईडी के नोटिस का लिखित में जवाब दिया है। इसमें उन्होंने कहा है कि राजनीतिक कारणों से परेशान किया जा रहा है। यह नोटिस भाजपा के दबाव में भेजा गया है। उन्होंने कोई घोटाला नहीं किया है। इसलिए वह ईडी के सामने पेश नहीं होंगे। उल्लेखनीय है कि केजरीवाल को ईडी ने पेश होने के लिए पहले 02 नवंबर और 21 दिसंबर, 2023 और 03 जनवरी तथा आज (18 जनवरी) को पेश होने के लिए नोटिस दिया था। केजरीवाल का कहना है कि ये सभी नोटिस गैरकानूनी हैं।

हाई कोर्ट ने ममता बनर्जी की सद्भावना रैली पर रोक लगाने से इनकार किया, लगाई शर्तें

कोलकाता, (हि.स.)। आगामी 22 जनवरी को श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन कोलकाता समेत पूरे राज्य में होने वाली मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस की सद्भावना रैली पर रोक लगाने से कलकत्ता हाई कोर्ट ने इनकार कर दिया है। गुरुवार को मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम की खंडपीठ में मामले की सुनवाई हुई। नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने याचिका लगाकर इस रैली की तारीख टालने की मांग की थी और यह भी मांग की थी कि बंगाल में किसी भी हिंदू त्योहार के मौके पर दंगे होते हैं इसलिए केंद्रीय बलों की तैनाती होनी चाहिए। लेकिन मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने गुरुवार को स्पष्ट कर दिया इस तरह की रैली पश्चिम बंगाल में आम बात है। इस पर रोक नहीं लगाई जाएगी। खंडपीठ ने कहा कि रैली में किसी तरह के भड़काऊ बयान को स्वीकार नहीं किया जाएगा। किसी भी धर्म की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाया जाना चाहिए। उन्होंने इसके लिए चेतावनी देते हुए कहा कि अगर ऐसा कुछ हुआ या कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ी तो इसके लिए पूरी तरह से तृणमूल कांग्रेस जिम्मेदार होगी। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि रैली की वजह से ट्रैफिक की समस्या हो सकती है और बहुत हद तक संभव है कि कई एंबुलेंस फंस जाएं। इस पर भी खास तौर पर ख्याल रखना होगा कि आम लोगों को कोई परेशानी ना हो। राज्य सरकार की ओर से एडवोकेट जनरल ने बताया कि सद्भावना रैली करने के लिए 35 आवेदन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के पास आए थे इसलिए इसका आयोजन किया जा रहा है।

अराजकता के पर्याय हैं अरविंद केजरीवाल : भाजपा

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश नहीं होने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हमला बोलते हुए उन्हें अराजकता का पर्याय बताया है। भाजपा मुख्यालय में गुरुवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि ईडी ने अरविंद केजरीवाल को चौथा समन भेजा था और उनसे पूछताछ करना चाहती थी लेकिन ऐसा क्या हुआ कि वे इस कंपकपी ठंड में डर गए? उन्होंने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया और सांसद संजय सिंह शराब घोटाले के आरोप में सलाखों के पीछे है। यह कहना गलत नहीं होगा कि शराब घोटाले का सरगना ईडी से अपना समन वापस लेने के लिए कह रहा है।

अरविंद केजरीवाल ईडी से सवाल कर रहे हैं। साफ है अराजकता का कोई उदाहरण है तो वह अरविंद केजरीवाल हैं। गौरव भाटिया ने कहा कि ईडी ने अरविंद केजरीवाल को पहला समन 2 नवंबर, 2023 को जारी किया था। केजरीवाल उस समय विधान सभा चुनाव का हवाला दे कर पेश नहीं हुए। उसके बाद 21 दिसंबर को भेजे गए दूसरे समन में उन्होंने विपश्यना जाने का हवाला दिया था। 3 जनवरी, 2024 को तीसरे समन में भी वे नहीं पहुंचे और अब चौथे समन में वे जांच एजेंसी से ही सवाल पूछ रहे हैं। अगर उन्हें गिरफ्तारी से इतना ही डर लग रहा है तो वे कोर्ट क्यों नहीं जाते। उन्होंने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार को खत्म करने की बात करने वाले अरविंद केजरीवाल खुद भ्रष्टाचार के दलदल में हैं और अब गिरफ्तारी से डरे हुए हैं। राजनीति के गजनी की अब याददाश्त भी जाने लगी है।

सरकारी आवास खाली करने के ताजा नोटिस पर महुआ मोइत्रा पहुंचीं दिल्ली हाई कोर्ट

नई दिल्ली, (हि.स.)। तृणमूल कांग्रेस नेता महुआ मोइत्रा ने सरकारी आवास खाली करने के ताजा नोटिस के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। हाई कोर्ट महुआ की याचिका पर आज ही सुनवाई करेगा। महुआ मोइत्रा को 16 जनवरी को सरकारी बंगला तुरंत खाली करने का नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में कहा गया है कि अगर बंगला खाली नहीं किया गया तो बल प्रयोग भी किया जा सकता है। इसके पहले भी महुआ मोइत्रा को बंगला खाली करने का आदेश दिया गया था, जिसमें 7 जनवरी तक बंगला खाली करने का आदेश दिया गया था। उस नोटिस को महुआ मोइत्रा ने हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। बाद में महुआ ने दिल्ली हाई कोर्ट से याचिका वापस ले ली थी और कहा था कि वो संपदा निदेशालय से संपर्क कर 2024 के लोकसभा चुनाव तक बंगला खाली नहीं करने का आग्रह करेंगी।

अब महुआ को बंगला खाली करने का ताजा नोटिस जारी किया गया है, जिसमें बल प्रयोग की भी बात कही गई है। महुआ मोइत्रा ने संसद से अपने निष्कासन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई करते हुए लोकसभा सचिवालय को नोटिस जारी किया है। 8 दिसंबर, 2023 को लोकसभा ने महुआ मोइत्रा की लोकसभा सदस्यता खत्म कर दी थी। संसद की एथिक्स कमेटी ने महुआ मोइत्रा को पैसे लेकर सवाल पूछने के आरोप को सही मानते हुए संसद की सदस्यता खत्म करने की अनुशंसा की थी। महुआ मोइत्रा पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने पैसे लेकर सवाल पूछने का आरोप लगाया था। मोइत्रा पर आरोप था कि उन्होंने एक कारोबारी दर्शन हीरानंदानी से पैसे लेकर अडानी के बारे में सवाल पूछे थे और अपना लॉग-इन पासवर्ड भी हीरानंदानी से साझा किया था।

प्रधानमंत्री के सम्मान में एल.पी.जी.आई. साहित्या एसोसिएशन ने टैन न्यूज नेटवर्क पर किया अपने 102 वें अंतर्राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सम्मान में एल.पी.जी.आई. साहित्या एसोसिएशन (रजि.) द्वारा टैन न्यूज नेटवर्क पर अंतर्राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह एल.पी.जी.आई.एस.ए. का 102 वां जी.जी.एम. (ग्लोबल गैदरिंग मीट) था, जो कि एल.पी.जी.आई.एस.ए के कवियों का साँझा काव्य पुस्तक प्रधान सेवक नरेन्द्र मोदी काव्य प्रेरणा पर आधारित था। इस पुस्तक का लोकार्पण गत वर्ष हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय दूतावास जकारता इंडोनेशिया द्वारा आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय काव्य गोष्ठी में इंडोनेशिया एवं तिमोर लिस्ते में भारत के राजदूत संदीप चक्रवर्ती के कर कमलों से 17 सितंबर 2023 को हुआ। संयोग वश ये प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन भी है। इस कार्यक्रम में उस दिन डी.सी.एम बशीर अहमद और जे.एन.आई.सी.सी. जकारता के एक्टिंग डायरेक्टर राम कुमार ने भी शिरकत की थी। इस पुस्तक का संपादकीय नेतृत्व इंडोनेशिया से आशीष शर्मा ने किया है। इंडोनेशिया से योगिता शर्मा और यू.ए.ई से अवधेश राणा पुस्तक के उप संपादक हैं। इस पुस्तक में दुनिया के विभिन्न देशों में रह रहे एल.पी.जी.आई.एस.ए के कवियों की प्रधानमंत्री मोदी के सम्मान में लिखीं गईं कविताएँ सम्मिलित हैं। जे.एन.आई.सी.सी. भारतीय दूतावास जकारता के एक्टिंग डायरेक्टर राम कुमार मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने एल.पी.जी.आई. साहित्या एसोसिएशन, आशीष और योगिता के साहित्य और हिन्दी के प्रति प्रेम और योगदान की प्रशंसा की और सभी कवियों को प्रोत्साहित किया। वरिष्ठ एवं प्रसिद्ध कवि प्रेम विज गेस्ट ऑफ ऑनर रहे। उन्होंने सभी कवियों की सराहना की और एल.पी.जी.आई.एस.ए को दुनिया भर के कवियों को एक सूत्र में बांधने के लिए सराहा। जाने माने कवि विनोद शर्मा विशिष्ट अतिथि रहे। उन्होंने सभी को बधाई दी और सभी कवियों की हौसलाअफजाई की। एल.पी.जी.आई. साहित्या एसोसिएशन (रजि.) के संस्थापक और ग्लोबल चेयरमैन आशीष शर्मा और संस्थापिका और ग्लोबल प्रेसिडेंट योगिता शर्मा ने सभी का स्वागत किया और शुभकामनाएँ दीं। आशीष ने शानदार ढंग से इस अंतरराष्ट्रीय कवि सम्मेलन का संचालन भी किया।

जे.एन.आई.सी.सी. भारतीय दूतावास जकारता के एक्टिंग डायरेक्टर राम कुमार मुख्य अतिथि, प्रेम विज गेस्ट ऑफ ऑनर और डॉ. विनोद शर्मा विशिष्ट अतिथि रहे, एल.पी.जी.आई.एस.ए. के संस्थापक आशीष शर्मा और योगिता शर्मा ने सभी को बधाई दी

दुनिया भर से जाने-माने कवि इस सम्मेलन में शामिल हुए। इस गोष्ठी में राम कुमार ,प्रेम विज, डॉ.विनोद शर्मा, आशीष शर्मा, योगिता शर्मा, मीनू संयोग, मीनाक्षी गांधी गुप्ता, वैशाली रस्तौगी, निधि देश, लीना शारदा, स-रस्वती सुरेश, इंदु नांदल (इंडोनेशिया), आराधना सदाशिवम, डॉ.स्मिता सिंह (सिंगापुर), सुनीता महेंद्रू (थाईलैंड) वंदना खुराना, डॉ.कृष्ण कन्हैया (यू.के) ने अपने विचार रखे, शुभ कामनाएँ दीं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सम्मान में लिखीं बेहतरीन रचनाओं से काव्य-व्योम को सजा दिया।

प्रधानमंत्री ने अयोध्या के राम मंदिर पर स्मारक डाक टिकट किया जारी

नई दिल्ली,(हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को अयोध्या के राम मंदिर पर छह विशेष स्मारक डाक टिकट और दुनिया भर से भगवान राम को समर्पित टिकटों वाली एक बुकलेट का भी अनावरण किया। स्मारक डाक टिकटों में राम मंदिर, भगवान गणेश, भगवान हनुमान, जटायु, केवटराज और मां शबरी शामिल हैं। वहीं स्टाम्प बुकलेट विभिन्न समाजों पर भगवान राम की अंतरराष्ट्रीय अपील को प्रदर्शित करने का एक प्रयास है। 48 पृष्ठों की इस पुस्तक में अमेरिका, न्यूजीलैंड, सिंगापुर, कनाडा, कंबोडिया और संयुक्त राष्ट्र जैसे संगठनों सहित 20 से अधिक देशों द्वारा जारी किए गए डाक टिकट शामिल हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने एक वीडियो संदेश में कहा कि आज, मुझे राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से संबंधित एक और कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिला। आज, राम मंदिर को समर्पित छह डाक टिकट जारी किए गए। इसके अलावा, दुनिया भर में भगवान राम पर जारी टिकटों की एक पुस्तक भी जारी की गई। डाक टिकट विचारों, इतिहास और ऐतिहासिक अवसरों को अगली पीढ़ी तक

पहुचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि ये टिकट केवल कलात्मक कार्य नहीं है। ये इतिहास की किताबों और कलाकृतियों के रूपों और ऐतिहासिक स्थलों का सबसे छोटा रूप होते हैं। उन्होंने कहा कि इन टिकटों में राम मंदिर का भव्य चित्र है। कलात्मक अभिव्यक्ति के जरिये रामभक्ति की भावना है और मंगल भवन अमंगल हारी लोकप्रिय चौपाई के माध्यम से राष्ट्र के मंगल की कामना है। इनमें सूर्यवंशी राम के प्रतीक सूर्य की छवि है, जो देश में नये प्रकाश का संदेश भी देता है। इनमें पुण्य सरयू नदी का चित्र भी है। जो राम के आशीर्वाद से देश को सदैव गतिमान रहने का संदेश देती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 5 भौतिक तत्व यानी आकाश, वायु, अग्नि, पृथ्वी और जल, जिन्हें 'पंचभूत' के रूप में जाना जाता है, विभिन्न डिजाइन तत्वों के माध्यम से परिलक्षित होते हैं और पंचमहाभूतों का पूर्ण सामंजस्य स्थापित करते हैं।

उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम, देवी सीता और रामायण की कहानियां समय, समाज, जाति, धर्म और क्षेत्र की सीमाओं से परे प्रत्येक एक व्यक्ति से जुड़ी हैं। सबसे मुश्किल समय में भी त्याग, एकता और साहस के साथ दिखाने वाली रामायण तमाम चुनौतियों के बावजूद प्रेम की जीत के बारे में सिखाती है। रामायण पूरी मानवता को अपने साथ जोड़ती है। यही कारण है कि रामायण पूरे विश्व में आकर्षण का केंद्र रही है। दुनिया के विभिन्न देशों और संस्कृतियों में रामायण को लेकर एक उत्साह रहा है।

कुशीनगर में प्रधानमंत्री के दौरे के मद्देनजर पुरातात्विक धरोहरों को सजाने-संवारने में जुटा एएसआई

कुशीनगर, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दौरे के मद्देनजर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) इलाके में स्थित पुरातात्विक धरोहरों को सजाने-संवारने में जुट गया है। प्रधानमंत्री गौतमबुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का शिलान्यास करने कुशीनगर आएंगे। माना जा रहा है कि इस दौरान वह भगवान बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली जाकर दर्शन-पूजन भी करेंगे। एएस-ाआई वाराणसी मंडल के अधीक्षण पुरातत्वविद अविनाश मोहंती के नेतृत्व में अधिकारियों की टीम ने गुरुवार को दौरा कर इलाके में स्थित पुरातात्विक महत्व के स्थलों का निरीक्षण किया। टीम ने महापरिनिर्वाण बुद्ध मंदिर, माथाकुंवर बुद्ध मंदिर, रामाभार स्तूप, लाइट एंड साउंड, अनरुधवा माउंट, फाजिलनगर में चल रहे कार्यों का निर-ीक्षण किया। प्रधानमंत्री के दौरे के मद्देनजर इस दौरान यह तय किया गया कि महापरिनिर्वाण बुद्ध मंदिर स्थित बुद्ध की लेटी प्रतिमा, माथाकुंवर बुद्ध मंदिर की भू-स्पर्श मुद्रा एवं रामाभार स्तूप का एएसआई केमिकल ट्रीटमेंट कराया जाएगा। माथाकुंवर बुद्ध मंदिर परिसर में बगल की नहर से एकत्रित जल निकासी को लेकर भी विचार किया गया। इस मौके पर फाजिलनगर स्तूप के मुख्य प्रवेश द्वार से अतिक्रमण हटावाने का निर्देश दिया गया। प्रधानमंत्री मोदी के कुशीनगर आगमन को देखते हुए एएसआई पुरातात्विक धरोहरों को आकर्षक स्वरूप देने में जुट गया है। निरीक्षण करने वाली टीम में एएसआई कुशीनगर उप अंचल के संरक्षण सहायक शादाब खान, उप अधीक्षण पुरातत्वविद् प्रकाश, अभियंता पीके त्रिपाठी, उद्यान सहायक वीरेंद्र प्रकाश आदि रहे।

इग्नू के सत्र 2024-25 में प्रवेश 31 जनवरी तक : प्रो. एके सिंह

मुरादाबाद, (हि.स.)। हिन्दू कालेज मुरादाबाद स्थित इग्नू अध्ययन केंद्र के समन्वयक प्रो. एके सिंह ने बताया कि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने शैक्षिक सत्र 2024-25 के तहत जनवरी सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया संचालित है। प्रवेश को इच्छुक विद्यार्थी 300 से ज्यादा प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए 31 जनवरी तक अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। प्रवेश के लिए विद्यार्थी इग्नू की वेबसाइट www.ignou.ac.in पर जाकर सार्थक पोर्टल के माध्यम से अपना रजिस्ट्रेशन करें और प्रवेश की निर्धारित प्रक्रिया पूर्ण कर अपना प्रवेश सुनिश्चित कराएं। प्रो. एके सिंह ने बताया कि इसके अलावा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने सत्र जनवरी 2024 से इस कार्यक्रम की शुरूआत कर दी है। पढ़ाई के साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर चार साल के स्नातक कार्यक्रम की शुरूआत की

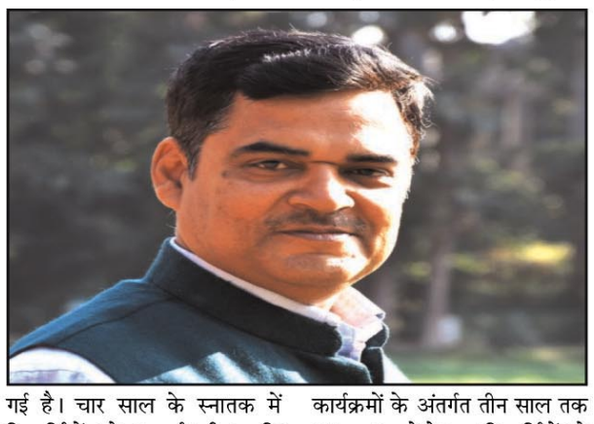

गई है। चार साल के स्नातक में विद्यार्थियों को आनर्स की उपाधि मिलेगी। चार वर्षीय स्नातक प्रोग्राम के अंतर्गत मल्टीडिसीप्लिनरी, मेजर और आनर्स कार्यक्रम चलाया जाएगा। मल्टी डिसीप्लिनरी कार्यक्रमों में बी.ए., बी.काम व बी.एस-सी. शामिल है। वहीं इग्नू क्षेत्रीय केंद्र नोएडा के वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अमित चतुर्वेदी ने बताया कि चार वर्षीय पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को कोई भी तीन डिसिप्लिन पढ़ने होंगे। तीन साल में 120 क्रेडिट मिलेंगे। इन कार्यक्रमों के अंतर्गत तीन साल तक अध्ययन करने के बाद विद्यार्थियों को उनके चुने हुए विषय में मेजर की डिग्री मिलेगी। चार साल में 160 क्रे-डिट के साथ कार्यक्रम पूरा करने पर स्नातक विद आनर्स की उपाधि दी जाएगी। इस चार वर्षीय कार्यक्रम में एक साल की पढ़ाई करने पर यदि विद्यार्थी छोड़ता है तो उसे यूजी सर्टिफिकेट कोर्स मिलेगा। दो साल में यूजी डिप्लोमा और तीन साल में डिग्री दी जाएगी। इग्नू के चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश शुरू हो गए हैं।

योगी सरकार के श्रम एवं सेवायोजन राज्यमंत्री ने मंदिर परिसर में लगाई झाड़ू

भीषण ठंड के बीच मंत्री और प्रशासन के अधिकारियों ने भी मंदिर परिसर में की साफ सफाई

हमीरपुर, (हि.सं.)। योगी सरकार के श्राम, सेवायोजन राज्यमंत्री एवं प्रभारी मंत्री मनोहर लाल पंथ ने गुरुवार को यहां भीषण सर्दी के बीच एतिहासिक पतालेश्वर मंदिर पहुंचकर प्रांगण में झाड़ू लगाई। उनके साथ प्रशासन के अधिकारियों ने झाड़ू लगाते हुए साफ-सफाई की। श्रम एवं सेवायोजन राज्यमंत्री मनोहरलाल पंथ श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पहले यहां आज चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान में झाड़ू लगाई। हमीरपुर शहर के यमुना नदी किनारे स्थित एतिहासिक पतालेश्वर मंदिर में मंत्री ने पहले भगवान भोले नाथ के दर्शन किए फिर प्रांगण में गंदगी को झाड़ू से साफ किया। मंत्री के साथ एडीएम न्यायिक नगेन्द्र नाथ यादव, एसडीएम सदर पवन प्रकाश पाठक, नगर पालिका अध्यक्ष कुलदीप निषाद, भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील पाठक, सभासद सुशीला सिंह प्रतिनिधि बउवा ठाकुर, भाजपा की नीलम बाजपेई, नगर अध्यक्ष भाजपा लक्ष्मीरतन साहू व तमाम कार्यकताओं ने भी मंदिर के परिसर की सफाई की।

सभासद ने मंत्री से की पतालेश्वर धाम के सुन्दरीकरण कराने की मांग

– हमीरपुर शहर के पठकाना मुहाल वार्ड-21 की सभासद सुशीला सिंह ने पतालेश्वर धाम मंदिर में सुन्दर-ीकरण कराने के लिए मंत्री को ज्ञापन दिया है। उन्होंने मंत्री को ज्ञापन देकर बताया कि यह मंदिर बहुत प्राचीन है जहां इन्टरलाकिंग न होने के कारण बारिश के मौसम में जलभराव होता है। मंदिर भी जीर्ण-शीर्ण हो गया है। उन्होंने बताया कि इस मंदिर में दूर-दूर से लोग दर्शन करने आते हैं। इन्टरलाकिंग के साथ ही मंदिर परिसर में सुन्दरीकरण कराने की भी मांग की गई है।

घने कोहरे की चादर में ढंकी रांची, विजिबिलिटी हुई कम

रांची, (हि.स.)। रांची में गुरुवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। सूर्य के बादलों की ओट में छुपे रहने के कारण धूप के दर्शन नहीं हुए। इसके कारण सर्द हवा और कोहरे के कारण कई इलाकों में कड़ाके की ठंड बढ़ी है है। बुधवार से ही राजधानी समेत पूरे राज्य में कोहरा का असर देखा जा रहा है, जिससे विजिबिलिटी कम हो गयी है। हालांकि, दोपहर तीन बजे कुछ देर के लिए हल्का धूप खिला लेकिन ठंड का प्रकोप कम नहीं हुआ। रांची मौसम विभाग के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने गुरुवार को बताया कि 19 जनवरी तक राज्य के अधिकांश हिस्से में कोहरा का असर देखा जायेगा। कुछ हिस्सों में बारिश की संभावना है, जिसमें दक्षिणी, मध्य और उत्तर पूर्वी भागों में बारिश होगी। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक इस दौरान हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश की संभावना है। बारिश पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला खरसावां, सिमडेगा में होने की प्रबल संभावना है।आने वाले दो दिनों तक तापमान में पांच डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि होगी। इसके बाद न्यूनतम तापमान में तीन डिग्री तक की गिरावट दर्ज की जायेगी, जिससे लोगों को अधिक ठंड का एहसास होगा। 19 जनवरी को उत्तर पश्चिमी हिस्से में मुख्य रूप से कोहरा का असर देखा जायेगा, जिसमें पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, लातेहार, लोहरदगा जिला शामिल हैं। मध्य हिस्से, जिसमें रांची, हजारीबाग, रामगढ़, बोकारो, गुमला में भी कोहरा का असर देखा जायेगा।

अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के दिन राज्य में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

रांची, (हि.स.)। अयोध्या में 22 जनवरी को भगवान श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर झा-रखंड में भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। इस दिन राज्य के भी मंदिरों में पूजा-पाठ और प्रसाद वितरण का आयोजन होगा। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस मुख्यालय ने राज्य के विभिन्न जिलों में 3500 अतिरिक्त बलों की तैनाती की है। साथ ही पुलिस मुख्यालय ने जिलों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में पुलिस मुख्यालय ने आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार 22 जनवरी को यूपी के अयोध्या में श्रीराम मंदिर के प्रस्तावित प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के मद्देनजर सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था संधारण के लिए 3500 अतिरिक्त बलों की प्रतिनियुक्ति हुई है। सभी एसपी और एसएसपी से कहा गया है कि तैनात अतिरिक्त बलों को पुलिस पदाधिकारी और दंडाधिकारी के साथ

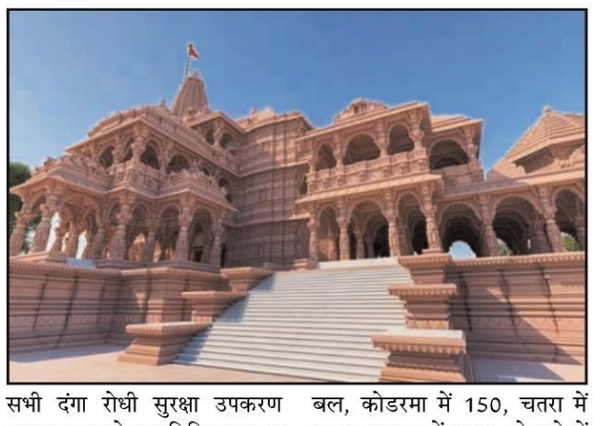

सभी दंगा रोधी सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराते हुए विधि-व्यवस्था ड्यूटी के लिए प्रतिनियुक्त करें। यह प्रतिनियुक्ति गुरुवार से 23 तक की गई है। पूर्वी पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) में 300, सरायकेला में 100, खूंटी में 100, सिमडेगा में 100, गुमला में 100, लोहरदगा में 200, हजारीबाग में 300, गिरिडीह में 100 लाठी बल और 50 सशस्त्र बल, कोडरमा में 150, चतरा में 150, रामगढ में 100, बोकारो में 200, पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) में 100, धनबाद में 200, पलामू में 200, लातेहार में 100,गढ़वा में 100, देवघर में 150, दुमका में 150, पाकुड में 100, साहेबगंज में 150, जामताड़ा में 150 और गोड्डा में 150 लाठी बल सहित अन्य बल तैनात रहेंगे।

अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण पर जिला खनन पदाधिकारी की कार्रवाई

अवैध 60 टन कोयला एवं 700 घनफीट बालू ले जा रहे दो ट्रक, ट्रेलर, एक हाइवा जब्त

रामगढ़, (हि.स.)। उपायुक्त के निर्देश के आलोक में अवैध खनन,भंडारण एवं परिवहन पर रोकथाम को लेकर जिला खनन पदाधिकारी पूरी तरह से एक्शन में है। जिला खनन पदाधिकारी के निर्देश के आलोक में खान निरीक्षक राहुल कुमार द्वारा रामगढ़ जिले के कुजू ओपी एवं बरकाकाना ओपी थाना क्षेत्र में छापेमारी कर अवैध कोयला की तस्करी करते ट्रक, टेलर एवं अवैध बालू ले जाते एक हाइवा को जप्त किया गया। साथ ही चालक को गिरफ्तार करते हुए कोयला एवं बालू के वाहन मालिक, चालक, बिक्रीकर्ता एवं संलिप्त व्यक्ति के खिलाफ कुजू एवं बरकाकाना ओपी प्राथमिकी दर्ज करवायी गयी। वहीं अवैध खनन का-रोबार में संलिप्त व्यक्तियों को अविलंब कार्रवाई को लेकर निर्देशित दिया। जिला खनन पदाधिकारी नितेश कुमार गुप्ता को गुप्ता को सूचना मिल रही थी कि अवैध कारोबार किया जा

रहा है। जिस पर अविलंब कार्रवाई करते हुए खान निरीक्षक को निर्देशित किया जिसके बाद खान निरीक्षक के द्वारा कुजू ओपी अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग बोगाबार के पास एक ट्रक एवं एक ट्रेलर को कोयला ले जाते देखा गया। जिसके बाद ट्रक चालक से कागजात की मांग की गयी।

चालक द्वारा उपलंध करावाए गए कागजात की जांच की गयी तो बिना ई परिवहन चालान के कोयला ले जाया जा रहा था। वहीं एक ही ई-वे नंबर पर दोना वाहनों पर कोयले की तस्करी की जा रही है। जिस पर कार्रवाई करते हुए लगभग 60 टन कोयला समेत ट्रक को जप्त कर लिया गया । वहीं चालक मिथलेश कुमार यादव एवं टेलर चालक मेघन प्रसाद दांगी को गिरफ्तार किया गया। बिक्री कर्ता रामकुमार सिंह पर भी प्राथमिकी दर्ज की गई है। इधर रामगढ़ में छापेमारी के दौरान हाइवा बालू लदा पाया। वाहन चालक के द्वारा ई-परिवहन चालान नहीं दिखाया गया। जिसके बाद लगभग 700 सीएफटी बालू समेत वाहन को जप्त करते हुए चालक लालमोहन बेदिया को गिरफ्तार कर लिया गया । साथ ही इसके पश्चात वाहन, मालिक, चालक एवं संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ थाने में प्राथमिकी दर्ज करवायी गई।

भाजपा में गए नीतिश तो उनका होगा राजनीतिक पतन : गोपाल मंडल

भागलपुर, (हि.स.)। अपने बड़बोलापन के कारण हमेशा सुर्खियों में रहने वाले जदयू के विधायक गोपाल मंडल ने एक बार फिर से बड़ा बयान दिया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भाजपा में शामिल होने के बयान पर उन्होंने कहा कि नीतिश कुमार मर जायेंगे मिट जाएंगे लेकिन अब भाजपा के साथ नहीं जाएंगे। अगर नीतीश कुमार भाजपा के साथ चले गए तो उनका राजनीतिक पतन हो जाएगा। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी को लेकर कहा कि जीतनराम मांझी बूढ़ा और सठिया गए हैं। नीतिश कुमार ने उनको मुख्यमंत्री बनाकर गलती किया। नीतिश कुमार पाला बदलने वाले नहीं है। अगर वो जाएंगे तो उनका वजूद खत्म हो जाएगा। उधर भागलपुर आईएनड-ीआईए एलाइंस के नेताओं द्वारा भगवान और हिंदू देवी देवताओं के खिलाफ विवादित टिप्पणी करने पर गोपाल मण्डल ने कहा कि इस तरह का बयान नहीं देना चाहिए। राम सबके हैं। राम जी नहीं थे तो किताब और रामायण सब कैसे लिखा गया।

उनका इतिहास है। राम जी मनुष्य थे वो कुछ अच्छा काम किये जिससे भगवान कहलाये। श्री कृष्ण क्या करते थे कि गोपियाँ सब नहा रही होती थी तो उनका साड़ी लेकर भाग जाते थे। वो नटखट थे। उन्होंने कंश का बध किया। इसलिए वह भी भगवान कहलाये। मान लीजिए हम भी अच्छा काम करते है। लोगों का सुनते हैं। उनका काम करते हैं। राम सबके भगवान हैं। भाजपा वाला लॉलीपॉप दिखाना चाहता है कि मैंने यह किया। यह तो सुप्रीम कोर्ट का आदेश था। इसके बाद संतों ने चंदा कर मन्दिर बनवाया। प्रधानमंत्री थोड़े मन्दिर बनवा दिए हैं।

पीएम के आह्वान पर समाजसेवी दिनेश अग्रवाल ने मंदिर स्वच्छता अभियान चलाया

पश्चिमी चंपारण (बगहा), (हि.स.)। भाजपा नेता सह बाल्मीकि नगर लोकसभा के भावी उम्मीदवार दिनेश अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर मंदिर स्वच्छता अभियान कार्यक्रम के तहत गंडक पार ठकराहा पंचायत में श्री राम जानकी मंदिर का अपने कार्यकताओं के साथ सफाई अभियान चलाया। सफाई अभियान के बाद अग्रवाल ने सात दिवसीय श्री राम खिचड़ी महाप्रसाद आयोजन के तहत दलित बस्तियों में क्रमशः पकड़ी (मुसहर टोली) बेलवारी पट्टी तथा जनेउआ में अपने कार्यकताओं के साथ एक मुट्ठी दाल तथा एक मुट्ठी चावल का श्री राम का नारा देकर मांगा। साथ ही श्री राम जन्मभूमि अयोध्या धाम का निमंत्रण घर घर जाकर दिया। दिनेश अग्रवाल ने लोगों से 22 जनवरी को श्री राम मंदिर के भव्य उद्घाटन के दिन दीपावली जैसा त्योहार मनाने का आह्वान किया। उस-ाके बाद उन्होंने घर घर से मांगे एक मुट्ठी दाल और एक मुट्ठी चावल का

सम्मिश्रण करके श्रीराम खिचड़ी महाप्रसाद बनाया। श्री राम खिचड़ी महाप्रसाद बना करके दलित समाज के लोगों के साथ बैठकर महाप्रसाद का भोग लगाया तथा लोगो से आशीर्वाद लिया। दिनेश अग्रवाल ने ग्रामवासियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के योजनाओं के बारे में बताते हुए बिंदूवार सभी योजनाओं तथा संजीवनी कार्ड से होने वाले लाभ पर पर प्रकाश डाला। उन्होंने श्री राम जन्मभूमि पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 500 वर्षों बाद हम सभी के आराध्य भगवान श्री राम एवं माता सीता रानी का प्राण प्रतिष्ठा अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाला है। राम और सीता के प्राण प्रतिष्ठा से देश में अपार हर्ष व्याप्त है। देश के विभिन्न कोनों में भगवान श्री राम एवं माता सीता रानी के लिए पूजा अर्चना भी किया जा रहा है। चंपारण में भी 22 जनवरी को दीपावली मनाकर श्री राम भगवान के प्राण प्रतिष्ठा से खुशी मनायी जायेगी। उन्होंने भितहा स्थित मां जानकी तथा शिव मंदिरों में भी दीपक जलाया तथा जय श्रीराम का नारा लगाते हुए मुड़ाडीह बाजार में झंडा पताका तथा जय घोष के साथ निमंत्रण पत्र बांटा और अयोध्या धाम चलने के लिए ग्रामीणों को आह्वान किया। इस दौरान मेरा स्वाभिमान संस्था के संयोजक जितेंद्र कुमार, पंचायत प्रमुख प्रेम शंकर सिंह, अशोक राव, प्रेम किशोर, नरेश यादव, सनी कश्यप, दीपक गुर्जर, मंजर आलम, स्थानीय ग्रामीण पिंटू सिंह,दीपू तिवारी, नारो देवी, राजाराम, रामा ठाकुर, नगीना राम इत्यादि तमाम लोग उपस्थित रहें।

रोहतास में स्कार्पियो नहर में गिरी, मुखिया समेत 3 लोगों की मौत

पटना, (हि.स.)। रोहतास जिले में बुधवार रात एक स्कॉर्पियो पुल पर चढ़ने के दौरान नदी में जा गिरी जिससे गाड़ी में सवार मुखिया समेत तीन लोगों की मौत हो गई। हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों का दिनारा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक घटना दिनारा थानाक्षेत्र के भामपुर सेमरी पुल के पास की है। मृतकों की पहचान दिनारा

थाना क्षेत्र के बीसी कला पंचायत के वर्तमान मुखिया सह लोजपा नेता उमेश पासवान, उप सरपंच बिपिन बिहारी गोस्वामी और वार्ड सदस्य महेंद्र पाल के रूप में की गई है। पुलिस का कहना है कि घटना में स्कॉर्पियो सवार चार अन्य लोग घायल हो गये हैं, जिन्हें सासाराम सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी। पुलिसकर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से हादसे में घायलों को बड़ी मशक्कत के बाद गाड़ी से निकाला। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया।

गिरफ्तारी के भय से खेत में सो रहे वृद्ध की ठंढ से हुई मौत

पूर्वी चंपारण, (हि.स.)। सिकरहना अनुमंडल के ढाका थाना क्षेत्र में गिरफ्तारी के भय से खेत में सो रहे एक व्यक्ति की मौत ठंड लगने से हो गई। घटना बीती रात विक्रमपुर गांव की है। मृतक उक्त गांव निवासी 62वर्षीय रामपुकार सिंह है। बताया गया कि वह गिरफ्तारी की भय से प्याज के खेत में पुआल बिछा कर सोये थे। जहां कंपकंपाती ठंढ के शि-काार होने से उनकी मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि उक्त गांव में

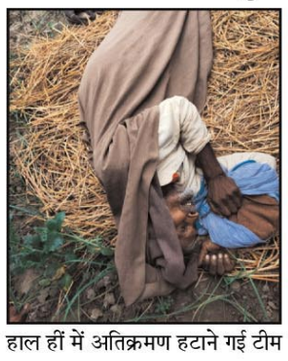

हाल हीं में अतिक्रमण हटाने गई टीम पर हमला हुआ था। जिसमे ढाका सीओ के आवेदन पर 63 नामजद सहित करीब दो सौ अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जिनके लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। ऐसे में गिरफ्तारी के भय से ग्रामीण ठण्ड की परवाह किये बगैर अपना घर, गांव छोड़ रात्रि में सरेह और खेत में सोने को सुरक्षित मान रहे है। इसी कड़ी में रामपुकार सिंह की मौत हो गयी है। वही घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस छानबीन में जुटी है।

संपादकीया

क्या 'राम मंदिर' सियासत है?

अयोध्या में प्रभु राम का प्राण-प्रतिष्ठा समारोह विशुद्ध रूप से 'धार्मिक' है। राम मंदिर से करोड़ों लोगों की आस्था जुड़ी है, लेकिन इस समारोह से भाजपा को 'राजनीतिक लाभ' होना निश्चित है। धार्मिक और राजनीतिक के अंतर को समझना अनिवार्य है। एक सांस्कृतिक, आध्यात्मिक आयोजन को 'राजनीतिक' करार देना अपरिपक्वता है। महज कोसते रहने से कांग्रेस को कुछ भी हासिल नहीं होगा। महात्मा गांधी ने 'राम राज्य', 'हिंद स्वराज' को व्यापक स्तर पर परिभाषित किया था, लेकिन वह भारत को 'हिंदू राष्ट्र' बनाने के खिलाफ थे। उनके दर्शन, उनकी आस्था और उनके राष्ट्रवाद को भारत ने गहराई से समझा और स्वीकार किया, नतीजतन वह 'महात्मा' बन पाए। कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद राहुल गांधी को यह आत्मसात करते हुए अयोध्या पर अपने विचार देने चाहिए। कांग्रेस की राजनीति और धार्मिकता को पुनः परिभाषित करना चाहिए। भाजपा की तरह बनना अथवा भाजपा के राष्ट्रीय, आस्थामयी मुद्दे की सपाट आलोचना करना भाजपा को ही सशक्त करना होगा। राहुल गांधी ने इस बार धर्म को जिस तरह परिभाषित किया है और राम मंदिर को आरएसएस-भाजपा का 'राजनीतिक कार्यक्रम' करार दिया है, उसने कांग्रेस को ही उघाड़ कर रख दिया है। शायद राहुल को जानकारी नहीं होगी अथवा उनके सलाहकार भी अनाड़ी होंगे कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने अपनी हत्या से कुछ दिन पहले कहा था कि यदि कोई बाबरी मस्जिद को छूने की कोशिश करेगा, तो पहले उसे उन्हें मारना होगा। यह भी महत्त्वपूर्ण प्रसंग है कि राजीव गांधी ने 1989 में कांग्रेस का चुनाव-प्रचार फैजाबाद (तब अयोध्या का नाम) से शुरू किया था। कांग्रेस अध्यक्ष रहीं सोनिया गांधी ने 1998 से 2004 के बीच कई बार बयान दिए थे कि बाबरी मस्जिद का विध्वंस नहीं होना चाहिए था। यदि गांधी परिवार का कोई सदस्य सक्रिय राजनीति में होता, तो मस्जिद को ढहाने नहीं देता। सोनिया गांधी ने यह भी कहा कि जब भी बाबरी मस्जिद की याद आती है, तो आंखों में आंसू आ जाते हैं। बहरहाल अब मस्जिद बनाम मंदिर के ऐसे बयान बेमानी हैं, क्योंकि संविधान पीठ के निर्णय के बाद भव्य राम मंदिर बन रहा है, लेकिन राहुल गांधी ने जिस तरह धर्म की व्याख्या की है और प्रभु राम की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा को महज एक राजनीतिक कार्यक्रम करार दिया है, वह उनका दोगलापन है। इसका भी एक तार्किक आधार है। राहुल गांधी बीते दिनों जब केदारनाथ धाम की यात्रा पर गए थे, तो उन्होंने ऐसा वस्त्र धारण किया था, जिस पर ओउम लिखा हुआ था। राहुल गांधी गुजरात चुनाव के दौरान 27 मंदिरों में गए, पूजा-पाठ किए, रुद्राक्ष धारण किए, मस्तक पर चंदन और अन्य लेप लगाए, तो उसे क्या कहेंगे? वह धर्म था अथवा धर्म के जरिए राजनीति करने का व्यवहार था! मध्यप्रदेश चुनाव के दौरान वह कमलनाथ के साथ एक मंदिर से बाहर आए थे, तो पूरी तरह धार्मिक लिबास और श्रृंगार में थे। ऐसे अवसरों पर उनका धर्म राजनीति से अलग क्यों नहीं रह पाता? राहुल गांधी को अपने कथन और व्यवहार में फर्क नहीं करना चाहिए, क्योंकि जनता उसी के आधार पर नेता और पार्टी की राजनीति को आंकती है। राम मंदिर को लेकर बहुत लंबा आंदोलन चला है और संघर्ष किया गया है। उसमें आरएसएस, विहिप और भाजपा के नेता और कार्यकर्ता ही शामिल थे। असंख्य लोगों ने बलिदान भी दिए। चूंकि अब संविधान पीठ के निर्णय से राम मंदिर बनाया जा रहा है, तो इस पर राजनीति करने से राहुल क्या हासिल करेंगे? उनके माता-पिता भी मस्जिद की चिंता करते रहे हैं, लेकिन जिन लुटेरों ने सनातन संस्कृति को नुकसान पहुंचाया और हजारों मंदिर, पूजास्थल ध्वस्त किए गए, उनकी चिंता कौन करेगा? यदि कांग्रेस राम मंदिर का सम्मान नहीं करना चाहती, तो फिर संघ परिवार को कोसने के मायने क्या हैं? क्या उससे मुस्लिम वोट बैंक पुख्ता होगा? महात्मा गांधी जैसे कांग्रेस के आदिपुरुष की राजनीति भी ऐसी नहीं थी। यह ऐसा समारोह है, जिसमें 50 से अधिक देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे, हालांकि वे हिंदू राष्ट्र नहीं हैं।

राम मंदिर से करोड़ों लोगों की आस्था जुड़ी है, लेकिन इस समारोह से भाजपा को 'राजनीतिक लाभ' होना निश्चित है। धार्मिक और राजनीतिक के अंतर को समझना अनिवार्य है। एक सांस्कृतिक, आध्यात्मिक आयोजन को 'राजनीतिक' करार देना अपरिपक्वता है। महज कोसते रहने से कांग्रेस को कुछ भी हासिल नहीं होगा। महात्मा गांधी ने 'राम राज्य', 'हिंद स्वराज' को व्यापक स्तर पर परिभाषित किया था, लेकिन वह भारत को 'हिंदू राष्ट्र' बनाने के खिलाफ थे। उनके दर्शन, उनकी आस्था और उनके राष्ट्रवाद को भारत ने गहराई से समझा और स्वीकार किया, नतीजतन वह 'महात्मा' बन पाए। कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद राहुल गांधी को यह आत्मसात करते हुए अयोध्या पर अपने विचार देने चाहिए। कांग्रेस की राजनीति और धार्मिकता को पुन: परिभाषित करना चाहिए। भाजपा की तरह बनना अथवा भाजपा के राष्ट्रीय, आस्थामयी मुद्दे की सपाट आलोचना करना भाजपा को ही सशक्त करना होगा। राहुल गांधी ने इस बार धर्म को जिस तरह परिभाषित किया है और राम मंदिर को आरएसएस-भाजपा का 'राजनीतिक कार्यक्रम' करार दिया है, उसने कांग्रेस को ही उघाड़ कर रख दिया है। शायद राहुल को जानकारी नहीं होगी अथवा उनके सलाहकार भी अनाड़ी होंगे कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने अपनी हत्या से कुछ दिन पहले कहा था कि यदि कोई बाबरी मस्जिद को छूने की कोशिश करेगा, तो पहले उसे उन्हें मारना होगा।

राहुल की यात्रा संकीर्ण एवं स्वार्थी उद्देश्यों से लिपटी है, जिसके दूरगामी परिणाम मिलना मुश्किल प्रतीत होता है

राहुल गांधी की पिछली यात्रा से भी कांग्रेस को कोई फायदा नहीं हुआ था

ललित गर्ग

न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी 14 राज्यों के 85 ज़िलों से गुजरेंगे, यात्रा मणिपुर से शुरू होकर नगालैंड, असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात से गुजरते महाराष्ट्र में मुंबई पर समाप्त होगी। कांग्रेस को जीवंतता देने एवं उसके पुनरुत्थान के लिए की जाने वाली इस यात्रा में इंडिया गठबंधन दलों एवं खुद कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से भीड़ जुटाने और नारे लगाने भर के लिए भागीदारी की अपेक्षा राजनीतिक संवेदनशीलता और परिपक्वता की परिचायक नहीं है।

कांग्रेस के नेता एवं सांसद राहुल गांधी अपने एवं कांग्रेस के राजनीतिक धरातल को मजबूती देने के लिये एक बार फिर यात्रा का सहारा ले रहे हैं। 4000 किलोमीटर की 'भारत जोड़ो यात्रा' के बाद अब वे 6700 किलोमीटर की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' पर निकल चुके हैं। न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी 14 राज्यों के 85 ज़िलों से गुजरेंगे, यात्रा मणिपुर से शुरू होकर नगालैंड, असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात से गुजरते महाराष्ट्र में मुंबई पर समाप्त होगी। कांग्रेस को जीवंतता देने एवं उसके पुनरुत्थान के लिए की जाने वाली इस यात्रा में इंडिया गठबंधन दलों एवं खुद कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से भीड़ जुटाने और नारे लगाने भर के लिए भागीदारी की अपेक्षा राजनीतिक संवेदनशीलता और परिपक्वता की परिचायक नहीं है। मात्र 2024 के आम चुनाव के लिये निकाली गयी यह यात्रा संकीर्ण एवं स्वार्थी उद्देश्यों से लिपटी है, जिसके दूरगामी परिणाम मिलना मुश्किल प्रतीत होता है। वैसे ऐसी यात्राओं से बहुत कुछ हासिल हो सकता है, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि पिछली यात्रा से न तो राहुल गांधी का कोई भला हुआ और न ही कांग्रेस का। यह किसी से छिपा नहीं कि कांग्रेस हिंदी पट्टी के तीन राज्यों- मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में चुनाव जीतने में नाकाम रही। प्रश्न है कि इस बार ऐसा क्या अनोखा होने की आशा की जा सकती है? भारत की माटी में पदयात्राओं का अनूठा इतिहास रहा है। असत्य पर सत्य की विजय हेतु मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम द्वारा की हुई लंका की ऐतिहासिक यात्रा हो अथवा एक मुट्ठी भर नमक से पूरा ब्रिटिश साम्राज्य हिला देने वाला 1930 का डाण्डी कूच, बाबा आमटे की भारत जोड़ो यात्रा हो अथवा राष्ट्रीय अखण्डता, साम्प्रदायिक सद्भाव और अन्तर्राष्ट्रीय भ्रातृत्व भाव से समर्पित एकता यात्रा, यात्रा के महत्व को अस्वीकार नहीं किया जा सकता। भारतीय जीवन में पैदल यात्रा को जन-सम्पर्क एवं सशक्त जनाधार जुटाने का प्रभावी माध्यम स्वीकारा गया है। ये पैदल यात्राएं सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनैतिक यथार्थ से सीधा साक्षात्कार करती हैं। लोक चेतना को उद्बुद्ध कर उसे युगानुकूल मोड़ देती हैं। भगवान्‌महावीर ने अपने जीवनकाल में

अनेक प्रदेशों में विहार कर वहां के जनमानस में अध्यात्म के बीज बोये थे। लेकिन इन यात्राओं की श्रृंखला में राहुल गांधी की यह राजनीतिक यात्रा नये राजनीतिक स्तस्तिक उकेरने में कितनी सफल होगी, यह भविष्य के गर्भ में हैं। मणिपुर से शुरू हुई भारत जोड़ो न्याय यात्रा राहुल गांधी की पिछली यात्रा का विस्तार ही है। अपने राजनीतिक कद को बढ़ाने के संकीर्ण एवं सीमित दायरों के कारण यात्रा का कोई चमत्कारी परिणाम मिलने में संदेह ही है। यात्राओं के जरिये राजनीतिक लाभ हासिल करने में कोई हर्ज नहीं लेकिन यदि भारत जोड़ो न्याय यात्रा कांग्रेस की है तो फिर उसका नेतृत्व सांसद राहुल गांधी के स्थान पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे क्यों नहीं कर रहे हैं? क्या यह एक तरह से परिवारवाद को नए सिरे से पोषण प्रदान करने के साथ इस बात को रेखांकित करने का प्रयास नहीं कि मल्लिकार्जुन खरगे बस नाम के अध्यक्ष हैं? कांग्रेस की दिक्क़त यह है कि उसके पास ऐसा कोई चमत्कारिक नेतृत्व नहीं रह गया है जिसके पीछे तमाम पार्टियाँ चुनावी वैतरणी पार कर जाएँ, या जिसकी एक आवाज़ पर सभी राजनीतिक दल साथ आ जाएँ। बिना राजनीतिक लाभ के विपक्षी दल कितना इस यात्रा में सहभागिता करेंगे, यह भी एक प्रश्न है। 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' निकलने से पूर्व एवं निकलते ही कांग्रेस को बड़े झटके लग गये हैं। पहले महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता मिलिंद देवड़ा ने इस्तीफा दे दिया और अब असम में अपूर्व भट्टाचार्य ने कांग्रेस के सचिव पद से इस्तीफा दे दिया है। इसके साथ ही इंडिया गठबंधन में बिखराव एवं टूटन की स्थितियां सीटों के प्रश्न पर बनी हुई हैं। संयोजक पद की पेशकश नीतीश कुमार ने ठुकरा दी, जेडीयू का यह कदम भी एक टूटन का ही प्रतीक है। भले ही मल्लिकार्जुन खरगे को इंडिया का अध्यक्ष बनाकर इस टूटन को ढंकने की कोशिश हुई है। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में बने मतभेद छुप नहीं पा रहे। समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव ने सार्वजनिक तौर पर कहा था कि यात्रा से पहले सीटों का बंटवारा हो जाना चाहिए। जाहिर है, सहयोगी दलों के मन में कही न कहीं यह भाव भी है कि यात्रा के जरिए अगर देश का माहौल कांग्रेस या राहुल गांधी के पक्ष में बना तो उसका लाभ विपक्षी दलों को कैसे मिलेगा? जाहिर है इंडिया गठबंधन के दल कांग्रेस की चालाकी एवं चतुरता को महसूस कर रहे हैं। सत्ता पक्ष एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कोई कमजोरी फ़िलहाल तो विपक्ष एवं कांग्रेस के पास नहीं है जिसे पकड़ कर इस यात्रा में हल्ला मचाया जाए, जनाधार बटोरा जाये। उल्टे अयोध्या और श्रीराम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के कारण सत्ता पक्ष मज़बूत होता जा रहा है और इसके निमंत्रण को ठुकरा कर कांग्रेस एवं विपक्षी दलों ने अपने पांवों पर खुद कुल्हाड़ी चला दी है। यदि कांग्रेस या विपक्षी दल इस समारोह में भाग लेते तो उन पर लगा श्रीराम-विरोध एवं हिन्दू-विरोध का तगमा नहीं लगता, भाजपा का जनाधार का विस्तार भी निश्चित ही कुछ कम होता। राजनीति तो ऐसे अवसरों को पकड़ लेने का ही खेल है। परिवार एवं व्यक्तिवादी सोच कांग्रेस की विडम्बना एवं विसंगति है। वास्तव में कांग्रेस में वही होना है, जो राहुल गांधी चाहेंगे। यह स्वाभाविक है कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा के माध्यम से राहुल गांधी कांग्रेस के पक्ष में चुनावी माहौल बनाने की कोशिश करेंगे। इसमें वह कितना कामयाब होते हैं, यह बहुत कुछ इस पर निर्भर करेगा कि उनकी ओर से किन मुद्दों को उभारा जाता है और उन पर क्या कहा जाता है? यह तो तय है कि राहुल गांधी भाजपा और विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को निशाने पर रखेंगे, लेकिन ऐसा करते हुए वह यदि जनता का ध्यान आकर्षित करने के साथ कोई नया विमर्श खड़ा नहीं कर पाते तो बात बनने की बजाय बिगड सकती है। राहुल गांधी की समस्या यह है कि वह मोदी सरकार की आलोचना तो खूब करते हैं, लेकिन देश के समक्ष उपस्थित समस्याओं के समाधान का कोई प्रभावी तरीका नहीं बता पाते। राहुल गांधी देश को क्या जोड़ेंगे जब उनका इंडिया गठबंधन ही एकजुट नहीं हो पा रहा है।

दृष्टि कोण

इंटरनेट अर्थव्यवस्थाः उत्साहित करने के साथ डराती भी है तीन दशक की यह यात्रा

तीस साल पहले की बात है। जनवरी का ग्यारहवां दिन था। जब सरकार, शिक्षा और संचार क्षेत्र की दो दर्जन से ज्यादा हस्तियां कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी में आयोजित एक भविष्य-उन्मुखी सम्मेलन में शामिल हुई थीं, जिसका नाम था-'सुपर हाईवे समिट'। इससे जुड़ा एक दिलचस्प वाकया है। सम्मेलन का आयोजन दरअसल टेलीविजन, आर्ट्स व साइंसेज अकादमी के रिचर्ड फ्रैंक कर रहे थे, जिन पर चुटकी लेते हुए तत्कालीन अमेरिकी उपराष्ट्रपति अल गोर ने कहा, 'जो टेलीविजन पर नहीं आया, समझो हुआ ही नहीं।' ठीक ऐसा ही कुछ आप आज 2024 के लिए भी कह सकते हैं कि, जो इंटरनेट व सोशल मीडिया पर नहीं है, उसका अस्तित्व ही नहीं है। दुनिया में इंटरनेट के विकास का अलबत्ता एक लंबा इतिहास रहा है। एक तरह से देखें, तो सुपर हाईवे समिट के साथ ही इंटरनेट के सुपरहाईवे और इंटरनेट आधारित इकनॉमी की शुरुआत देखी जा सकती है। 1994 में एनसीएसए मोजैक और नेटस्केप के वेब ब्राउजर शुरू होने के बाद माइक्रोसॉफ्ट विंडोज एक्सप्लोरर यूजर्स के लिए डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू यानी वर्ल्ड वाइड वेब लाया। इस तरह एक छोटी-सी शुरुआत थोड़ा झिझकते हुए वैश्विक इंटरनेट इकनॉमी की तरफ बढ़ी। 2024 में विश्व की औसत आयु करीब साढ़े 30 वर्ष

अनुमानित है। इससे जाहिर होता है कि दुनिया की आठ अरब से ज्यादा आबादी का करीब आधा हिस्सा इंटरनेट के युग में ही पैदा हुआ है। पूरी दुनिया में इंटरनेट का उपयोग करने वालों की संख्या 5.3 अरब से ज्यादा है और यह लगातार बढ़ भी रही है। गूगल जो एक संज्ञा है, जवाब खोजने की क्रिया बन गई है। वेब (जाल) केवल वही नहीं रह गया, जो मकड़ियां बुनती हों। फिल्में व संगीत स्ट्रीम होने लगे हैं। सामाजिकता निभाने के लिए सोफे से उठने तक की जरूरत नहीं पड़ रही है। अभिव्यक्तियां संक्षिप्त होती जा रही हैं। अमेरिकी विज्ञान गल्प कथाकार इसाक असिमोव की सभी भविष्यवाणियां अब मोबाइल की स्क्रीन पर साफ दिख रही हैं। हालांकि बदलाव का चक्र काफी छोटा रहा है। सबसे ज्यादा उपयोग में लाए गए एप्लीकेशन और सबसे बड़ी इंटरनेट आधारित कंपनियां हालिया इतिहास का अंग हैं। 1994 तक अमेजॅन की पहचान दक्षिण अमेरिका की केवल एक शांत नदी होने तक सीमित थी। उबर कोई सवारी नहीं, बल्कि एक विशेषण था। मेटा (पूर्व नाम फेसबुक), एक्स (पूर्व नाम ट्विटर), सर्वव्यापी व्हाट्सऐप, स्पॉटिफाई, शॉपिफाई, बुकिंग डॉट कॉम, एयरबीएनबी, नेटफ्लिक्स इत्यादि कॉरपोरेट की दुनिया की जेनरेशन जेड में शुमार होते हैं। तकनीकी पहुंच को भारतीय परिप्रेक्ष्य में देखें, तो अलग ही कहानी दिखेगी। अलेक्जेंडर ग्राहम बेल को 1876 में टेलीफोन के लिए पेटेंट मिला। लेकिन, दो-तिहाई भारतीयों को 1990 के दशक तक फोन नहीं मिल सका था। इंटरनेट भी भारतीयों के नसीब में तब आया, जब 1995 में वीएसएनएल द्वारा मुहैया कराया गया। पर आज करीब 1.2 अरब भारतीय मोबाइल फोन और 80 करोड़ भारतीय इंटरनेट का उपयोग कर रहे हैं। 53 करोड़ से ज्यादा लोग व्हाट्सऐप पर हैं और यू-ट्यूब के कुल 2.7 अरब यूजर्स का पांचवां हिस्सा भारत में है। इंटरनेट का सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव ऑनलाइन भुगतानों में इसके बढ़ते उपयोग के रूप में दिखता है। भारत का डिजिटल सार्वजनिक मॉडल, आधार द्वारा प्रदत्त पहचान की बदौलत अब विकासशील दुनिया के लिए आदर्श बन चुका है। भारतीय राष्ट्रीय पेमेंट कॉरपोरेशन द्वारा दर्ज किए गए आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर, 2023 में करीब 50 करोड़ आईएमपीएस भुगतान हुए। वहीं सर्वव्यापी यूपीआई प्लेटफॉर्म पर साढ़े 11 अरब भुगतान हुए। हालांकि वैश्विक आर्थिक विकास में इंटरनेट के योगदान पर निरंतर बहस चल रही है। मैकिंसे के अध्ययन के अनुसार, 2011 में इंटरनेट उपयोगकर्ता दो अरब थे, जबकि इंटरनेट आधारित इकनॉमी ने करीब 80 खरब डॉलर का योगदान दिया। विश्व बैंक की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, डिजिटल इकनॉमी वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (वैश्विक जीडीपी) में 15 फीसदी से ज्यादा योगदान देती है और यह दुनिया की वास्तविक जीडीपी से ढाई गुना ज्यादा तेजी से बढ़ रही है। ऑनलाइन भुगतानों से ग्राहक व कंपनियां, दोनों को फायदा पहुंचा है। बैंकों को बगैर ज्यादा शाखाएं खोले, बाजार में अपनी मौजूदगी बढ़ाने का मौका मिला है। म्यूचुअल फंड ने ऑनलाइन पहुंच बनाकर बचतकर्ताओं को फंड व निवेश के नए अवसर देकर अपनी पहुंच बढ़ाई है। लेकिन इसमें जोखिम भी हैं। जैसा अमेरिका में देखा गया, जहां जमाकर्ताओं ने कुछ ही घंटों में अपने खाते खाली कर दिए। हालांकि अब कंपनियां और नियामक भी इन जोखिमों से वाकिफ हैं। यूक्रेन और पश्चिम एशिया के युद्धों में इंटरनेट आधारित आक्रामक और रक्षात्मक क्षमताएं बढ़ती दिखी हैं।

कुछ अलग

अपने जन्मदिन की तलाश

भई जन्म दिवस तो बड़े आदमियों का मनाया जाता है। यह आपने क्या रोग पाल लिया? भला हो उन फेसबुक और इंटरनेट वालों का, यह किस भलेमानस को सूझी कि उसने फेसबुक पर हमारे पैदा होने की तारीख डाल दी। इस भीड़ भरे देश में जहां कि अनाज से अधिक बच्चों की पैदावार हो जाती है। पिछली सदी में लगाए गए परिवार नियोजन के नारों की तरक्की के बावजूद आज भी इस नई सदी में इसकी संख्या देश के लिए उतना ही बड़ा संकट है। अर्थशास्त्री जनाब मालथस साहिब कितना कहते रहे कि भई परिवार नियोजन कर लो, नहीं तो अगर यूं ही जनसंख्या वृद्धि करने से बाज न आए तो जहां तुम्हारा अन्न उत्पादन दो से चार से छह की गति से बढ़ेगा वहां तुम्हारे यहां बच्चों की पैदाइश दो से चार, चार से सोलह की गति से बढ़ती नजर आएगी। परिवार नियोजन नहीं किया तो कुदरती प्रतिबंध, अकाल, सूखा, भूकम्प, महामारी के लिए तैयार हो जाओ, क्योंकि कुदरत को तो रोटी और खाने वालों की संख्या में कोई न कोई संतुलन पैदा करके रखना ही है। पिछली सदी के मध्य में जब देश आजाद हुआ था, तो पहला काम नेताओं ने किया, वह यही था कि देश जैसे चलता है, चलता रहे लेकिन अकादमिक रूप से देश की बेहतरी के लिए बने सिद्धांतों को लागू करने में कोई कमी न रखो। कमी हुई भी नहीं। इस देश में दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र बना देने की घोषणा के साथ पहला लक्ष्य रखो 'प्रजातान्त्रिक समाजवाद की स्थापना का।' यह दीगर बात है कि प्रजातन्त्र में मुखर अभिव्यक्ति के नाम पर कुछ ऐसे वाचाल लोग नेताओं का वेष धारण करके उभर आए जो हमारे जैसे लोगों से दावों, नारों और घोषणाओं के जरिये संवाद करते हैं। दावे जो वायवीय होते हैं, नारे जो दो हिस्सों में बंट कर पक्ष और विपक्ष का कोहराम मचा जलूसों, शोभायात्रओं या धरनों में तबदील हो जाते हैं और घोषणाएं जो ऊंचे स्वर में जनकल्याण से प्रतिबद्धता जताती हैं, लेकिन 'मारूं घुटना फूटे आंख' की तरह भला ऊंची अट्टालिकाओं या भव्य अटारियों का ही करती हुई नजर आती हैं। फुटपाथी लोग तो पौन सदी पहले जहां बैठे थे, वहां के वहां ही अपना तकिया जमाए हैं। हां, इस बीच भारत विभाजन का सन् सैंतालीस का नजारा एक बार फिर से नजर आ गया। लोग तब जहां थे, वहां से उखड़ कर अजनबी धरती पर ठौर ठिकाना तलाश करने निकले थे, आज फिर वैसा हो गया। कहते हैं इतिहास अपने आपको दुहराता है। दुर्घटनाएं किसी घिसे हुए रिकार्ड की तरह बार-बार बजने की प्रवृत्ति रखने लगती हैं, अरे साहिब नहीं हुआ न। स्वर्णिम घटनाएं तो सोन चिड़ी की तरह हमारे आकाश से गायब रही, और कोविड या कोरोना के नाम से आयातित महामारी रोजी रोजगार तलाशते लोगों को उनकी जड़ों से उखाडने के लिए चली आई। जो लोग इस किसान देश में खेतीबाड़ी को जीने का ढंग न मान कर एक हानिकारक धंधा मान महानगरों और परदेस में रोटी रोजी की तलाश में चले आए थे, और इस नई जिंदगी में दोयम दर्जे के नागरिक की पहचान को अहोभाग्य मान कर जीने का मंसूबा बना रहे थे, उन्हें कोरोना के प्रकोप के साथ-साथ पधारे पूर्णबंदी के तालों ने अपनी जड़ों से उखाड़ दिया। वह पेट की रोटी और जीने की सांस तलाश करने के लिए गांव घरों की ओर लौटने लगे। उन्हीं गांव घरों की ओर जहां पहले ही छोटा किसान भूख, बीमारी और नाउम्मीदी के अंधकूप में जी रहा था और इस सर्व-ग्रासी अंधेरे से पलायन की सोच रहा था। उधर मालथस साहिब का कहा मान कर देश ने इजरायल के साथ दुनिया के उस पहले देश का दर्जा हासिल कर लिया था, जहां परिवार नियोजन एक सरकारी नीति के रूप में घोषित हो गया था। लीजिए जनाब पहले 'हम दो और हमारे दो' का नारा उठा, फिर उसे तरक्की देकर 'हम एक और हमारा एक' का नाम दे दिया गया।

देश दुनीया से

स्वास्थ्य प्रणाली में सुधार की जरूरत

सुप्रीम कोर्ट का आदेश है कि अगर मरीज के पास पैसे नहीं हैं तो भी डॉक्टर या अस्पताल उसका इलाज करने में न तो किसी तरह की देरी करेंगे और न ही इलाज करने से इनकार करेंगे, वहीं इंडियन मेडिकल काउंसिल के प्रोफेशनल कंडक्ट रेगुलेशन के तहत भी डॉक्टर किसी मरीज का इलाज करने से इनकार नहीं कर सकता है। लेकिन इसके बावजूद कई बार देखने में आता है कि प्राइवेट अस्पताल सीना ठोक कर मरीज को देखने से इंकार कर देते हैं तो सरकारी अस्पतालों के डॉक्टर अपनी अकर्मण्यता एवं पीछा छुड़ाने की गर्ज के चलते मरीजों को बड़े अस्पतालों को रेफर कर देते हैं जिससे मरीजों की जान पर बन आती है।

संभवतः सारी दुनिया में डॉक्टरों को भगवान का दर्जा दिया जाता है और अस्पताल एक ऐसी जगह है जहां बीमार और घायलों को इलाज के लिए लाया जाता है, तथापि अधिकतर सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में स्तरहीन उपचार एवं मरीजों को होने वाली परेशानियों के चर्चे खूब देखने-सुनने को मिलते रहते हैं। संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मिले मौलिक अधिकार में इलाज पाने का अधिकार भी शामिल है। सुप्रीम कोर्ट का आदेश है कि अगर मरीज के पास पैसे नहीं हैं तो भी डॉक्टर या अस्पताल उसका इलाज करने में न तो किसी तरह की देरी करेंगे और न ही इलाज करने से इनकार करेंगे, वहीं इंडियन मेडिकल काउंसिल के प्रोफेशनल कंडक्ट रेगुलेशन के तहत भी डॉक्टर किसी मरीज का इलाज करने से इनकार नहीं कर सकता है। लेकिन इसके बावजूद कई बार देखने में आता है कि प्राइवेट अस्पताल सीना ठोक कर मरीज को देखने से इंकार कर देते हैं तो सरकारी अस्पतालों के डॉक्टर अपनी अकर्मण्यता एवं पीछा छुड़ाने की गर्ज के चलते मरीजों को बड़े अस्पतालों को रेफर कर देते हैं जिससे मरीजों की जान पर बन आती है। सरकार और स्वास्थ्य मंत्रालय को चाहिए कि वह इसे जांच का विषय बनाए कि डॉक्टरों ने बिना मरीज की स्वास्थ्य जांच किए और उसको बिना फस्ट एड दिए रेफर क्यों किया? ऐसी शिकायतें भी बहुधा समाचार पत्रों अथवा सोशल मीडिया में देखने-पढने-सुनने को मिलती हैं जिसमें मरीज की मौत होने के बावजूद उसे वेंटिलेटर पर दिखाकर मुंहमांगी कीमत वसूली जाती है। इस प्रकार के सैंकड़ों किस्से भारत के हर कोने से सुनने-पढने को मिल जाएंगे। आम तौर पर सरकारी अस्पतालों के चिकित्सक मरीजों की पर्ची पर महंगी दवाइयां लिख देते हैं, जिससे गरीब लोगों की मुश्किलें बढ़ जाती हैं। अभी हाल ही में हिमाचल प्रदेश के एक बड़े स्वास्थ्य संस्थान टांडा मेडिकल कॉलेज में साफ-सफाई, बिजली, पानी, सोलर वाटर हीटिंग सिस्टम और अग्निशामक व्यवस्था जैसी मूलभूत व्यवस्थाओं की बिगड़ी तस्वीरें सोशल मीडिया में देखने को मिली हैं। वर्ष 2021 तक की स्थिति के अनुसार भारतीय स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र भारत के सबसे बड़े नियोक्ताओं में से एक है जो कुल 4.7 मिलियन लोगों को रोजगार प्रदान करता है। सन् 1950 में भारत में केवल 2717 अस्पताल थे, जबकि सरकार के आंकड़ों के मुताबिक इस समय देश में कुल 19817 सरकारी अस्पताल हैं तो वहीं प्राइवेट अस्पतालों की संख्या तकरीबन 80671 है। भारत का सबसे पुराना उत्कृष्ट स्वास्थ्य संस्थान एम्स दिल्ली है। इसकी आधारशिला 4 अप्रैल 1952 में रखी गई थी। इस समय भारत में लगभग 14 लाख चिकित्सक हैं, लेकिन डॉक्टर-पेशेंट रेशो में भारी अंतर है। भारत में प्रति 1700 मरीज पर एक डॉक्टर उपलब्ध है, जबकि डब्ल्यूएचओ के अनुसार इसका अनुपात 1 : 1000 होना चाहिए। वर्तमान समय में केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा स्वास्थ्य कवर संबंधी मुफ्त की योजनाएं भी प्रचलन में हैं ताकि गरीबों को भी उत्तम स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। हालांकि यह भी एक तथ्य है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत में मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पतालों की लगातार बढ़ती संख्या और तकनीकी रूप से विकसित हो रही चिकित्सा सहायता ने आज भारत को स्वास्थ्य और चिकित्सा पर्यटन के लिए विश्व में सबसे पसंदीदा स्थलों की सूची में ला दिया है। किसी भी देश की तरक्की में शिक्षा के साथ-साथ वहां के लोगों के उत्तम स्वास्थ्य को एक महत्वपूर्ण कारक माना जाता है। राष्ट्र के अच्छे स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने में स्वास्थ्य देखभाल एक प्रमुख भूमिका निभाती है। यूं तो गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में मरीज को भर्ती कराने के लिए तीमारदार की मंजूरी जरूरी है। रोगी खुद या उसका नजदीकी रिश्तेदार सहमति नहीं देता है तो मरीज आईसीयू में दाखिल नहीं होगा। लेकिन देखने में आता है कि प्राइवेट अस्पताल मरीज के परिजनों पर दबाव बनाकर कई तरह के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवाकर उसे जबरदस्ती आईसीयू में भर्ती कर लेते हैं ताकि बाद में मरीज से मोटी फीस वसूली जा सके। भारत अभी भी अस्पतालों में मुख्य रूप से बिस्तरों की कमी से जूझ रहा है। यहां पर कोरोना की दूसरी लहर के समय लोगों को अस्पतालों में बिस्तर मिलने में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ा था। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक प्रति 1000 लोगों पर 5 बिस्तर होने चाहिएं। इस मामले में अस्पताल में बेड का सबसे ज्यादा औसत पुडुचेरी में है, जबकि बिहार में यह औसत सबसे कम है। इसी प्रकार सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार रेप पीड़िता और एसिड हमले के पीड़ित का डॉक्टर को फ्री इलाज करना होगा और दुष्कर्म पीड़िता की गोपनीयता को भी बरकरार रखना होगा। लेकिन हाल ही में हिमाचल प्रदेश में एक दुष्कर्म पीड़िता की चिकित्सा जांच कानून के विपरीत किए जाने पर प्रदेश हाई कोर्ट ने सिविल हॉस्पिटल पालमपुर के डाक्टरों पर पांच लाख रुपए का हर्जाना लगाया है।

आप का नजरीया

वन संरक्षण नहीं, सियासत है

ये केवल एक मंदिर के पथ की सोलर लाइटें होतीं, तो भी वन विभाग की आक्रामकता कबूल की जाती, मगर यहां तो आस्था और मानवता की किश्तियां जलाई गईं। बिना किसी नीति और परंपरा के वन विभाग हिमाचल का ऐसा मालिक है जो राजनेताओं, नौकरशाहों, अधिकारियों और नागरिक समाज पर भारी है। हिमानी चामुंडा में धड़ाधड़ हिमानी चामुंडा को रोशन करतीं दर्जनों सोलर लाइटें उखाड़ देना साबित करता है कि हम किसी बड़े भ्रम में हैं कि अगर राज्य जंगल उगाने को नेक मानता है, तो उसके हर्जाने में हमारे भविष्य के लिए असफल, अन्यायपूर्ण तथा असंवेदनशील कसरतें लिख दी गई हैं। इस पर भी हिमाचल के कुछ स्वयंभू पर्यावरणविद सोचते हैं कि वे सृष्टि को यहीं से संवारेंगे। उनकी दलीलों का अर्थ अवैज्ञानिक, विकास के खिलाफ तथा मानव विरोधी है। उन्हें उजड़ती खेती, घटती जड़ी-बूटियों, जंगल के मनमाने कानून या अर्थपूर्ण वन नीति से कोई लेना-देना नहीं, बल्कि ये लोग इश्तिहार पर पर्यावरण बनाते हैं। अगर पर्यावरण या वन्य प्राणी संरक्षण में कोई स्थापित हिमाचली ग्रुप है, तो कितने अध्ययन या सर्वेक्षण रिपोर्ट सामने आई हैं। क्या किसी ने यह कभी सोचा कि अब पालतू या दुधारू पशु ऊंची धार की तरफ क्यों नहीं चढ़ते। किसी ने सोचा कि गांव की विरासत में जंगल की तस्वीर क्यों खूंखार हो गई। क्यों घर के आंगन तक जंगल का पहरा लग गया। हमारी विद्युत-जलापूर्ति परियोजनाओं के साथ जंगल का टकराव देखना है, तो प्रशासन की निहत्थी फाइलों पर वन विभाग खून चढ़ा देखना, कितनी शिद्दत से यह विभाग हिमाचल को कमजोर कर रहा है। कितने दशक गुजर जाते हैं धर्मशाला के बस स्टैंड के विस्तार की फाइल को वन विभाग के जबड़ों से निकालने में और न जाने कितनी सदियां लगेंगी हमीरपुर की धूप-छांव में नया बस स्टैंड बनाने में। दरअसल वन विभाग की कार्यपद्धति में नेता और सत्ता लाभान्वित होने का मसाला ढूंढते हैं। पर्यावरणविद और न्याय के एक्टिविस्ट बन कर लोग हिमाचल के विकास की आंख में धूल झोंकना चाहते हैं। कमाल देखिए हर साल जंगल से निकल कर सूअर किसान की आलू, जिमीकंद और अरबी जैसी फसलों को चौपट करते हैं। वहां शिकायत केवल एक कृषि उत्पादक को करनी है, जबकि इस दर्द का हिसाब न महकमा करता है और न ही कोई पर्यावरणविद खड़ा होता है। हिमाचल की शहरी कालोनियों में सूख चुके पेड़ों से हर साल करोड़ों की संपत्तियां-गाडियां तबाह होती या उनके नीचे अपने जीवन को बर्बाद कर देने वाले नागरिकों के लिए कोई राहत नहीं। आम हिमाचली सोच सकता है कि उसके घर की छत पर जंगल की विरासत काम नहीं आती। वह तो टिंबर मार्किट से अंतरराष्ट्रीय लकड़ी के बाजार का एक छोटा सा खरीददार बन चुका है। जंगल में पेड़ टूट कर गल-सड़ रहे हैं, लेकिन महकमें के पास इससे आर्थिकी पैदा करने की फुर्सत नहीं। इसके बरअक्स नेताओं की खुशियों को देखो जो अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में इमारती लकड़ी से जंगलात के डाक बंगले को अवतार बनाते हैं। वन विभाग की कालोनियां या कार्यालय आखिर शहरों के पॉश एरिया में कर क्या रहे हैं।

भारतवंशी विवेक रामास्वामी को समर्थकों ने माना उपराष्ट्रपति ट्रंप के सामने नारेबाजी; मिला यह जवाब

वाशिंगटन ।
अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव 2024 के लिए रेस शुरू हो चुकी है। रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से भारतवंशी विवेक रामास्वामी भी ताल ठोक रहे थे। हालांकि, आयोवा कॉकस चुनाव में पिछड़ने के बाद उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को समर्थन दिया। खास बात ये कि ट्रंप के सामने रामास्वामी के समर्थकों ने उन्हें अमेरिका का भावी उपराष्ट्रपति करार दिया। इस पर कद्दावर रिपब्लिकन नेता ट्रंप ने जवाब भी दिया। इससे पहले आयोवा कॉकस के परिणाम आने के बाद ट्रंप ने कहा था कि भारतवंशी नेता रामास्वामी लंबे समय तक उनके साथ काम करेंगे। इसे भी बड़े फैसले का संकेत माना गया।

ट्रंप के सामने भारतवंशी नेता का समर्थन, सुनिए पूर्व राष्ट्रपति का जवाब – दरअसल, सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि रामास्वामी के समर्थक उनके समर्थन में नारेबाजी कर रहे हैं। ट्रंप की मौजूदगी में हुई नारेबाजी में रामास्वामी के समर्थक वीपी-वीपी (उपराष्ट्रपति) कहते सुने जा सकते हैं। इस पर पूर्व राष्ट्रपति ने जवाब दिया। 38 साल के भारतवंशी-अमेरिकी रामास्वामी ने अपने समर्थकों के साथ-साथ आयोवा की जनता से ट्रंप का साथ देने की अपील भी की। उन्होंने ट्रंप को अमेरिकी देशभक्त बताया और कहा कि 2024 के चुनाव में उनका राष्ट्रपति बनना बेहद जरूरी है।

रामास्वामी को सच्चा दोस्त और नेता बताते हुए ट्रंप ने समर्थकों के नारे के बाद कहा, बहुत अच्छा, है ना वह एक शानदार लड़का है। इनमें कुछ ऐसा है जो बेहद खास है। वह हमारे साथ काम करने जा रहा है। इतना कहने के साथ ट्रंप ने यह भी कहा कि रामास्वामी लंबे समय तक उनके साथ काम करेंगे। यह भी दिलचस्प है कि रामास्वामी के समर्थकों से इतर अमेरिकी सियासत के जानकार उनके उपराष्ट्रपति बनने की संभावनाओं को प्रबल नहीं मानते।

रिपोर्ट में ट्रंप के सलाहकार जेसन मिलर ने कहा, रामास्वामी को पूर्व राष्ट्रपति का संभावित साथी मानना जल्दबाजी होगी। इसकी संभावनाएं बहुत कम है। मतदाता उन्हें खारिज कर सकते हैं। यह कहना सुरक्षित है कि विवेक रामास्वामी उपराष्ट्रपति नहीं होंगे।

विवेक और ट्रंप के रिश्तों का एक पहलू यह भी है कि कुछ दिनों पहले चुनावी अभियान के दौरान ही उन्होंने रामास्वामी के अभियान को अमेरिका के साथ धोखा करार दिया था। इसकी पृष्ठभूमि में विवेक के अभियान के दौरान पहनी गई टीशर्ट को माना गया, जिस पर लिखा था, ट्रंप को बचाएं, विवेक को वोट दें। विवेक पर तीखा हमला करते हुए ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा था, बहुत चालाक, लेकिन विवेक को वोट देना दूसरे पक्ष को समर्थन जैसा है। इससे धोखा मत खाइए। अपने वोट बर्बाद न करें। ट्रंप को वोट करें। वे अमेरिका को दोबारा महान (एमएजीए) नहीं बनाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

मैं बहुत डरी हुई हूं, डोनाल्ड ट्रंप को आयोवा कॉकस में मिली जीत से परेशान हुईं कमला हैरिस

वॉशिंगटन । अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का कहना है कि वह इस बात से बेहद डरी हुई हैं कि डोनाल्ड ट्रंप की व्हाइट हाउस में वापसी हो सकती है। कमला हैरिस ने डेमोक्रेट पार्टी के समर्थकों से अपील की कि सभी को एकजुट होने की जरूरत है। कमला हैरिस का यह बयान आयोवा कॉकस के नतीजे घोषित होने के बाद आया है, जिनमें डोनाल्ड ट्रंप को जीत मिली है। एक मीडिया चैनल के साथ बातचीत में कमला हैरिस ने कहा कि मैं बहुत डरी हुई हूं और हम सभी को डरना चाहिए। इस वजह से मैं देशभर में घूम-घूमकर पार्टी के लिए प्रचार कर रही हूं। राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी डोनाल्ड ट्रंप की राष्ट्रपति चुनाव में लगातार मजबूत होती स्थिति पर चिंता जाहिर की। हाल ही में उन्होंने कहा था कि एक पूर्व राष्ट्रपति जिन्हें दो बार महाभियोग का सामना करना पड़ा, जिनके खिलाफ 91 आपराधिक मामले चल रहे हैं, वह अमेरिका में लोकतंत्र के लिए खतरा हैं। गौरतलब है कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पूर्व प्रथम महिला मिशेल ओबामा ने भी डोनाल्ड ट्रंप के दोबारा अमेरिका राष्ट्रपति चुने जाने की संभावनाओं को डरावना बताया था। जब डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडन के बीच फिर से टकराव के आसार बन रहे हैं तो ऐसे में डेमोक्रेट पार्टी की कमला हैरिस से उम्मीदें काफी ज्यादा हैं।

अबु धाबी में जल्द पूरा होने वाला है हिंदू मंदिर का निर्माण, अयोध्या के बाद इसका उद्घाटन करेंगे पीएम मोदी

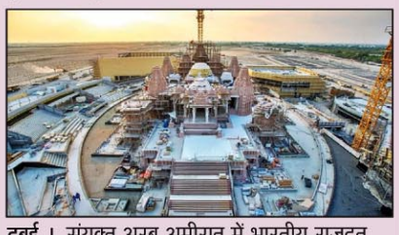

दुबई । संयुक्त अरब अमीरात में भारतीय राजदूत संजय सुधीर ने अबु धाबी में बन रहे बीएपीएस हिंदू मंदिर का दौरा किया। इस दौरान राजदूत ने मंदिर के निर्माण कार्य की प्रगति देखी। साल 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मंदिर के निर्माण का एलान किया था। अब इसका निर्माण कार्य पूरा होने के करीब है। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि एक महीने से भी कम समय बचा है। अबु धाबी में बन रहे हिंदू मंदिर का निर्माण कार्य अब पूरा होने वाला है, जिसका एलान पीएम मोदी ने साल 2015 में किया था। भारतीय राजदूत ने इसकी प्रगति देखी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 जनवरी को अयोध्या में भव्य राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद 14 फरवरी को प्रधानमंत्री अबु धाबी में बन रहे इस हिंदू मंदिर की उद्घाटन करेंगे। बीएपीएस हिंदू मंदिर संस्था ने प्रधानमंत्री मोदी को अबु धाबी में स्वामीनारायण मंदिर का उद्घाटन करने के लिए बीते साल दिसंबर में निमंत्रण दिया था, जिसे प्रधानमंत्री ने स्वीकार कर लिया है।

टेक्सास में युवक ने 8 वर्षीय भतीजी सहित चार को गोलियों से भूना, फिर खुद को भी ली जान

टेक्सास । उपनगर ह्यूस्टन से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। अधिकारियों ने बताया कि एक व्यक्ति ने अपनी अलग रह रही पत्नी और आठ वर्षीय भतीजी सहित तीन अन्य रिश्तेदारों को गोली मार दी। इसके बाद खुद को भी शूट कर मार डाला। फोर्ट बेंड काउंटी के शेरिफ एरिक फगन ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि 46 वर्षीय एलरिक शॉन बैरेट ने घर पर गोलीबारी की। फगन ने कहा कि घर पहुंचने के बाद, बैरेट ने अपनी अलग हो चुकी पत्नी से कहा कि वह फिर से मिलना चाहता है, लेकिन उसने इनकार कर दिया। फगन ने कहा कि घर के एक 13 वर्षीय लड़के का फोन आने के बाद प्रतिनिधियों ने घर पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। शेरिफ कार्यालय ने कहा कि किशोर बैरेट का भतीजा है। शेरिफ कार्यालय ने कहा कि 13 वर्षीय और बैरेट का 7 वर्षीय बच्चा फायरिंग के दौरान छिप गए थे, इसलिए उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचा। बैरेट की अलग रह रही पत्नी की मां भी घर में थीं और उन्हें कोई नुकसान नहीं हुआ। शेरिफ कार्यालय के अनुसार, अपनी भतीजी और 44 वर्षीय पत्नी को मारने के अलावा, बैरेट ने अपने 43 वर्षीय भाई और 46 वर्षीय बहन को भी मार डाला। उन्होंने कहा कि वह मारे गए लोगों के नाम तुरंत जारी नहीं कर रहे हैं। फगन ने कहा कि परिवार के कुछ सदस्य घर में रहते थे और अन्य लोग आते रहते थे। उन्होंने कहा कि पिछले जनवरी में, अधिकारियों ने बैरेट और उनकी अलग रह रही पत्नी के बीच मौखिक बहस के कारण गड़बड़ी की कॉल का जवाब दिया था। फगन ने कहा कि वे अभी भी बैरेट की पृष्ठभूमि की जांच कर रहे हैं, लेकिन अभी तक उनके कार्यालय और बैरेट के बीच कोई और बातचीत नहीं हुई है।

बौखलाए पाकिस्तान ने किया पलटवार

ईरान में आतंकी ठिकानों पर की एयर स्ट्राइक, सात की मौत

इस्लामाबाद ।
बौखलाए पाकिस्तान ने ईरान पर पलटवार किया है। पाकिस्तानी वायुसेना ने ईरान की सीमा में घुसकर कथित आतंकी ठिकानों पर हमला किया। ये आतंकी ठिकाने बलोच विद्रोहियों के थे, जो पाकिस्तान में वांछित थे। इस हमले में सात लोगों की मौत की खबर है। पाकिस्तान का यह कदम ईरान द्वारा ब्लूचिस्तान में एयर स्ट्राइक के बाद आया है, जिसमें ईरान की वायुसेना ने पाकिस्तान की सीमा में आतंकी संगठन जैश अल अदल के दो ठिकानों पर हमला किया था। इसे लेकर पाकिस्तान ने कड़ी नाराजगी जताई थी और जवाबी कार्रवाई की चेतावनी भी दी थी। पाकिस्तान के एक पत्रकार ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर ईरान में पाकिस्तानी एयर स्ट्राइक की जानकारी दी है।

ऑपरेशन मार्ग बर समाचार

पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया कि इस सुबह पाकिस्तान ने ईरान के सिस्तान-ओ-ब्लूचिस्तान प्रांत में आतंकियों के ठिकानों पर मिलिट्री स्ट्राइक की। इस कार्रवाई में कई आतंकी मारे गए हैं। खुफिया सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। इस ऑपरेशन को मार्ग बर समाचार नाम दिया गया। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के अनुसार, बीते कई सालों से हम इसे लेकर ईरान से बात कर रहे थे। लगातार ईरान के सामने अपनी चिंताएं जाहिर की कि कैसे ईरान का गैर प्रशासित इलाका आतंकियों की पनाहगाह बन गया था। पाकिस्तान ने इसे लेकर ईरान को कई बार डॉजियर भी सौंपा था। साथ ही आतंकी गतिविधियों के कई सबूत भी दिए गए थे।

ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार हमले में सात लोग मारे गए हैं। मरने वाले सात लोगों में तीन महिलाएं और चार बच्चे शामिल हैं। ये लोग पाकिस्तान के मिसाइल हमले में मारे गए हैं। पाकिस्तान ने ईरान में एयरस्ट्राइक की। पाकिस्तानी एयर स्ट्राइक के बाद ईरान के सीमाई गांवों में धमाकों की कई आवाज सुनाई दी थी। पाकिस्तान विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह एक कठिन ऑपरेशन था, जिसे पाकिस्तानी वायुसेना ने शानदार तरीके से अंजाम दिया और यह ऑपरेशन पाकिस्तानी सैन्य बलों के प्रोफेशनलिज्म का सबूत है। पाकिस्तान के जॉइंट स्टाफ मुख्यालय से इस एयरस्ट्राइक का आदेश दिया गया। जिसकी पाकिस्तान की सरकार ने मंजूरी दी थी। पाकिस्तानी वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने पाकिस्तानी वायु सीमा से ही ईरान की सीमा में मौजूद आतंकी ठिकानों पर हमला किया। यह हमला ईरान की सीमा से 80 किलोमीटर अंदर हुआ।

पाकिस्तान ने दी थी चेतावनी

ईरान की एयर स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान के विदेश मंत्री जलील अब्बास जिलानी ने कहा था कि पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने ईरान के विदेश मंत्री से फोन पर बातचीत की और उनसे कहा कि पाकिस्तान की सीमा में 16 जनवरी को किया गया हमला ना सिर्फ पाकिस्तान की संप्रभुता पर हमला है बल्कि यह अंतराष्ट्रीय कानूनों का भी उल्लंघन है और साथ ही पाकिस्तान और ईरान के द्विपक्षीय संबंधों के भी खिलाफ है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया कि विदेश मंत्री ने ईरानी विदेश मंत्री से कहा कि एयर स्ट्राइक से दोनों देशों के रिश्तों को गंभीर नुकसान हुआ है। पाकिस्तान के पास इस उकसावे वाली कार्रवाई का जवाब देने का अधिकार है। बयान में कहा गया कि आतंकवाद से इस क्षेत्र के सभी देश जूझ रहे हैं और इससे निपटने के लिए साथ मिलकर समन्वित तरीके से कार्रवाई करने की जरूरत है।

पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने चेतावनी दी कि एकतरफा कार्रवाई से क्षेत्रीय शांति खतरे में पड़ सकती है। किसी भी देश को इस खतरनाक रास्ते पर नहीं चलना चाहिए। इससे दोनों देशों के संबंधों में तनाव आ गया है और पाकिस्तान ने ईरान के राजदूत को निष्कासित कर दिया है और साथ ही ईरान से अपने राजदूत को वापस बुला लिया है। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान ने भी ईरान पर जवाबी कार्रवाई की है।

ईरान-पाकिस्तान को संयम बरतने की चीन की नसीहत, कहा- दूसरे देशों की संप्रभुता का करें सम्मान

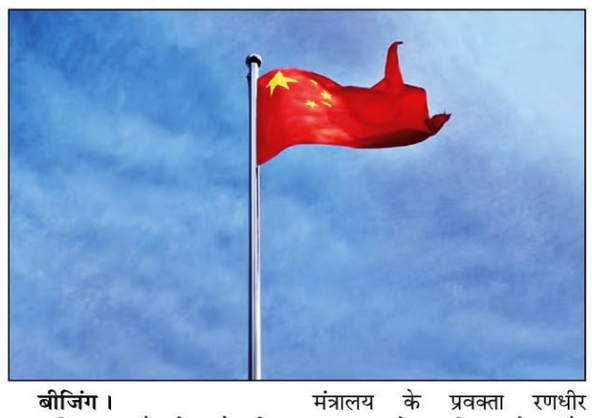

बीजिंग ।
पाकिस्तान और ईरान के बीच गतिरोध जारी है। बढ़ते तनाव के बीच चीन ने दोनों देशों से संयम बरतने के लिए कहा है। चीन ने आह्वान किया कि वे तनाव को बढ़ाने वाली कार्रवाइयों पर लगाम लगाएं। दरअसल, ईरान ने पाकिस्तान की सीमा में घुसकर उग्रवादी ठिकानों को निशाना बनाया था। इसके बाद, पाकिस्तान ने ईरान में पदस्थ अपने राजदूत को वापस बुला लिया और ईरान के राजदूत को वापस तेहरान भेज दिया। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बीजिंग का मानना है कि दोनों देशों को संयुक्त राष्ट्र के सिद्धांतों का पालन करना चाहिए। हर देश को दूसरे देशों की संप्रभुता, स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता का ईमानदारी से सम्मान करना चाहिए। ईरान और पाकिस्तान पड़ोसी और इस्लामिक राष्ट्र हैं। इसलिए दोनों को संयम बरतना चाहिए। हम दोनों देशों से तनाव बढ़ाने वाली कार्रवाइयों से बचने का आह्वान करते हैं।

इससे पहले, भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि यह ईरान और पाकिस्तान के बीच का मामला है। जहां तक भारत का सवाल है, हम आतंकवाद के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति पर चल रहे हैं। हम आत्मरक्षा में दूसरे देशों की ओर से उठाए जाने वाले ऐसे कदमों समझ सकते हैं।

यह है पूरा मामला

ईरान ने बलूचिस्तान के पंजगुर शहर पर मिसाइलें दागी थी। पाकिस्तान का दावा है कि इस हमले में दो बच्चों की मौत हुई है जबकि 3 लोग घायल हैं। बौखलाए पाकिस्तान ने ईरान के राजदूत को देश से निकाल दिया जबकि तेहरान में मौजूद अपने राजदूत को वापस बुला लिया है। उसने सभी उच्च स्तरीय द्विपक्षीय दौरों को रद्द करते हुए ईरान को गंभीर नतीजे भुगतने की चेतावनी भी दी है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने राजनयिकों पर हुई कार्रवाई की पुष्टि की। बलोच ने ईरान के हमलों को अवैध-अस्वीकार्य बताते हुए संप्रभुता व संयुक्त राष्ट्र चार्टर के विरुद्ध बताया।

स्विट्जरलैंड रेलवे के साथ मिलकर काम करेगा भारतीय रेलवे, रेल मंत्री बोले- बहुत कुछ सीख सकते हैं

दावोस ।
भारतीय रेलवे, स्विट्जरलैंड रेलवे भविष्य में साथ मिलकर काम कर सकते हैं। दरअसल भारतीय रेलवे, स्विट्जरलैंड के रेलवे के साथ एमओयू करने की योजना पर काम कर रहा है। भारतीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह जानकारी दी। दावोस में वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम की वार्षिक बैठक से इतर अश्विनी वैष्णव ने बताया कि स्विट्जरलैंड रेलवे की कई चीजें ऐसी हैं, जिनसे हम सीख सकते हैं।

स्विस रेलवे की इन चीजों से प्रभावित हुए रेल मंत्री

रेल मंत्री ने कहा कि मेरी स्विस रेलवे के अधिकारियों और नीति निर्माताओं के साथ बैठक हुई। साथ ही मैं उनके केंट्रोल सेंटर भी गया। उन्हें सुरंग बनाने की तकनीक का अच्छा अनुभव है। दुनिया की सबसे लंबी रेल सुरंग भी स्विट्जरलैंड में ही है। साथ ही वहां ट्रैक तकनीक, ट्रैक की बनावट भी बहुत अच्छी है। सबसे अच्छी बात मैंने वहां ये देखी कि उनका पूरा नेटवर्क हब और स्पोक डिजाइन पर आधारित है।

स्विस तकनीक के मुरीद हुए वैष्णव

रेल मंत्री ने स्विट्जरलैंड रेलवे की हब और स्पोक ने नेटवर्क की तारीफ की। उन्होंने बताया कि राजधानी ज्यूरिख में स्विस रेलवे का हब है, तो वहां एक ही समय पर कई ट्रेनें आती हैं और कई ट्रेनें एक ही समय पर रवाना होती हैं। इससे फायदा ये होता है कि अगर किसी को ट्रेन बदलनी है तो वह आराम से हब स्टेशन से दूसरी ट्रेन बदल सकता है। स्विट्जरलैंड में ऐसे ही छह हब स्टेशन हैं, जिन्हें कई स्पोक नेटवर्क से कनेक्ट किया गया है। भारत में जो रेलवे का स्ट्रक्चर है, उसमें रेल यात्रा की शुरुआत से लेकर गंतव्य स्टेशन तक ट्रेनें संचालित होती हैं। जबकि स्विट्जरलैंड में हब स्टेशन से किसी भी गंतव्य के लिए ट्रेन बदली जा सकती है। रेल मंत्री ने ये भी बताया कि स्विट्जरलैंड में ट्रेनों, बसों और मेट्रों आदि की इंटर कनेक्टिविटी बहुत बेहतर है, जिसकी वजह से लोग किसी भी माध्यम का इस्तेमाल कर यात्रा कर सकते हैं।

न्यू हैंपशायर में ट्रंप बनाम निक्की हेली के बीच होगा मुकाबला, रोन देसांतिस ने दिए नाम वापसी के संकेत

वॉशिंगटन ।
आयोवा कॉकस के मतदान में जीत दर्ज करने के बाद डोनाल्ड ट्रंप और उनके समर्थक उत्साहित हैं। अब उनकी निगाहें न्यू हैंपशायर में होने वाले कॉकस चुनाव पर लगी हैं। अब खबर आ रही है कि न्यू हैंपशायर में डोनाल्ड ट्रंप और निक्की हेली के बीच ही टक्कर हो सकती है क्योंकि रोन देसांतिस न्यू हैंपशायर कॉकस के चुनाव से नाम वापस लेने पर विचार कर रहे हैं। रोन देसांतिस दरअसल साउथ कैरोलिना कॉकस के लिए होने वाले चुनाव पर ही फोकस करना चाहते हैं।

न्यू हैंपशायर में ट्रंप पर भारी पड़ सकती हैं हेली

न्यू हैंपशायर में 23 जनवरी को मतदान होना है। एक ताजा पोल में दावा किया जा रहा है कि न्यू हैंपशायर में डोनाल्ड ट्रंप और निक्की हेली के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिल सकती है क्योंकि पोल के अनुसार, दोनों को राज्य में 40-40 फीसदी वोट मिल सकते हैं। न्यू हैंपशायर के गवर्नर क्रिस सुनुनु निक्की हेली का समर्थन कर रहे हैं, ऐसे में राज्य में ट्रंप को जीत के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। डोनाल्ड ट्रंप ने 15 जनवरी को हुए आयोवा कॉकस के चुनाव में जीत दर्ज की थी और उन्हें 51 प्रतिशत वोट मिले थे।

रोन देसांतिस को 21 प्रतिशत और निक्की हेली को 19 प्रतिशत लोगों ने वोट किया था। विवेक रामास्वामी, जो अब राष्ट्रपति पद की रेस से बाहर हो चुके हैं, उन्हें 7 फीसदी मतों से संतोष करना पड़ा था। हाल के दिनों में निक्की हेली की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। न्यू हैंपशायर में जहां वह ट्रंप पर भारी पड़ सकती हैं, वहीं साउथ कैरोलिना उनका अपना राज्य है, जहां से वह दो बार गवर्नर रह चुकी हैं। यही वजह है कि ट्रंप को रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से दावेदारी हासिल करने के लिए निक्की हेली की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। रोन देसांतिस को लेकर कहा जा रहा है कि उनके पास फंड की कमी है और न्यू हैंपशायर में उनके बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद भी बहुत कम है। ऐसे में वह साउथ कैरोलिना पर फोकस कर रहे हैं।

निक्की हेली का दावा- वही जो बाइडन को हरा सकती हैं

निक्की हेली खुद दावा कर रही हैं कि वह रिपब्लिकन पार्टी की इकलौती उम्मीदवार हैं जो डेमोक्रेट पार्टी के जो बाइडन को पटखनी दे सकती हैं। साथ ही वह मतदाताओं को डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडन के बीच होने वाले संभावित टकराव को लेकर भी सावधान कर रही हैं। उनका कहना है कि एक बार फिर इन नेताओं के बीच की टक्कर में धांधली और अराजकता देखने को मिल सकती है और नतीजा भी किसी की भी तरफ जा सकता है।

भारतवंशी परिवहन मंत्री एस ईश्वरन पर भ्रष्टाचार के 27 आरोप, बेगुनाही की दलील के बाद इस्तीफा दिया

सिंगापुर ।
सिंगापुर सरकार में भारतीय मूल के मंत्री पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं। 27 आरोपों का सामना कर रहे ईश्वरन ने अदालत में पेशी के दौरान खुद को निर्दोष बताया। इनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत भ्रष्टाचार के दो आरोप लगे हैं। इसके अलावा न्याय में बाधा डालने का एक और लोक सेवक के रूप में अनुचित लाभ पाने के 24 आरोप लगे हैं। बता दें कि संसद में एक सवाल के जवाब में शिक्षा मंत्री चान चुन सिंग ने नौ जनवरी को बताया था कि सीपीआईबी ईश्वरन के खिलाफ लगे आरोपों की जांच पूरी कर चुकी है।

इस्तीफे के बाद किसे मिला पदभार – ईश्वरन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। सत्तारूढ़ पीपुल्स एक्शन पार्टी से इस्तीफा देने वाले ईश्वरन के अनुसार, 61 वर्षीय राजनेता संसद की सदस्यता भी छोड़ेंगे। अदालत में पेशी से पहले 16 जनवरी को उन्होंने प्रधानमंत्री ली सीन लूंग को पत्र लिखा। इस त्याग पत्र में, ईश्वरन ने सीपीआईबी द्वारा उन पर लगाए गए विभिन्न अपराधों को खारिज कर दिया। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने कहा कि कार्यवाहक परिवहन मंत्री ची होंग टैट ईश्वरन की जगह लेंगे। उन्हें दूसरा वित्त मंत्री भी नियुक्त किया जाएगा।

वेतन और भत्ता लौटाने का भी फैसला – 17 जनवरी को ईश्वरन ने प्रधानमंत्री के पास एक और पत्र लिखा। उन्होंने कहा कि वह जुलाई 2023 में सीपीआईबी जांच शुरू होने के बाद मिला वेतन और सांसद भत्ता वापस कर देंगे। ईश्वरन के मुताबिक उन्होंने परिवार के साथ चर्चा के बाद यह तय किया कि जांच के कारण वे मंत्री और सांसद के रूप में ड्यूटी पूरी नहीं कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अदालत से बरी होने के बावजूद वे बीते करीब पांच महीनों का वेतन और भत्ता वापस भी नहीं मांगेंगे।

भारतवंशी मंत्री के इस्तीफे पर सिंगापुर के पीएम का बयान – ईश्वरन के पत्र का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, ऐसे चुनौतीपूर्ण हालात में ईश्वरन के पद छोड़ने पर वह निराश और दुखी हैं।

उन्होंने कहा, उथल-पुथल के बीच यह जरूरी है कि सरकार और अदालत कानून के मुताबिक सख्ती से इस मामले से निपटे। यही सही होगा। प्रधानमंत्री ली ने पार्टी (पीएपी) और सरकार की अखंडता को बनाए रखने का आह्वान भी किया। उन्होंने कहा कि सिंगापुर की जनता अखंडता के महत्व को समझती है, उन्हें इस बात का पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा, सिंगापुरवासियों को इससे कम की उम्मीद नहीं है।

सीपीआईबी की गिरफ्त में भारतवंशी राजनेता – इससे पहले 61 वर्षीय ईश्वरन अदालत पहुंचे। स्थानीय चैनल न्यूज एशिया की रिपोर्ट के मुताबिक, अदालत में जाते समय उन्होंने पत्रकारों के सवालों का जवाब नहीं दिया। ईश्वरन मई 2021 से परिवहन मंत्री हैं। 1997 में पहली बार सांसद चुने गए भारतवंशी राजनेता सिंगापुर की सियासत में 26 साल से अधिक समय से एक्टिव हैं। ईश्वरन को पिछले साल 11 जुलाई को भ्रष्ट आचरण जांच ब्यूरो (सीपीआईबी) ने गिरफ्तार किया था। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, गिरफ्तारी की खबरें 14 जुलाई को सामने आई थी। जांच एजेंसी ने मामलों का विस्तृत विवरण नहीं दिया था।

प्रधानमंत्री ने जांच पूरी होने तक ईश्वरन को छुट्टी पर भेजा – रिपोर्टों के अनुसार सिंगापुर के प्रॉपर्टी टाइकून ओंग बेंग सेंग को भी गिरफ्तार किया गया है। हाईप्रोफाइल शख्सियत ओंग, सिंगापुर ग्रां प्री में भी अधिकार रखते हैं। वह रेस प्रमोटर- सिंगापुर जीपी के अध्यक्ष भी हैं। जांच अधिकारियों ने ओंग से ईश्वरन के साथ हुई बातचीत के संबंध में जानकारी मांगी थी। ईश्वरन फॉर्मूला-वन के साथ सरकारी गतिविधियों में काफी सक्रिय रहे थे। 2006 में कैबिनेट में नियुक्ति से पहले, उन्होंने कई सरकारी संसदीय समितियों में भी सेवाएं दीं। सितंबर 2004 से जून 2006 तक संसद के उपाध्यक्ष रहे ईश्वरन पर लगे आरोपों और सीपीआईबी जांच के कारण देश के प्रधानमंत्री ली सीन लूंग ने उन्हें छुट्टी पर भेज दिया है।

ईश्वरन पर सरकार का रूख, वेतन में कटौती लेकिन – प्रधानमंत्री ली ने बाद में संसद में बताया था कि अगली सूचना तक ईश्वरन का वेतन घटाकर प्रति माह 8,500 सिंगापुर डॉलर कर दिया गया है। भारतीय करेंसी में ये वेतन लगभग 5.26 लाख प्रतिमाह होता है। हालांकि, वार्षिक सांसद भत्ते में कटौती नहीं की गई और सरकार ने उन्हें 1,92,500 सिंगापुर डॉलर लेने पर कोई रोक नहीं लगाई। भारतीय करेंसी में ईश्वरन को वार्षिक भत्ते के रूप में लगभग 1.19 करोड़ का भुगतान किया गया।

भाजपा में गए नीतिश तो उनका होगा राजनीतिक पतन : गोपाल मंडल

भागलपुर (हिंस)। अपने बड़बोलापन के कारण हमेशा सुर्खियों में रहने वाले जदयू के विधायक गोपाल मंडल ने एक बार फिर से बड़ा बयान दिया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भाजपा में शामिल होने के बयान पर उन्होंने कहा कि नीतिश कुमार मर जायेंगे मिट जाएंगे लेकिन अब भाजपा के साथ नहीं जाएंगे। अगर नीतीश कुमार भाजपा के साथ चले गए तो उनका राजनीतिक पतन हो जाएगा। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी को लेकर कहा कि जीतनराम मांझी बूढ़ा और सठिया गए हैं। नीतिश कुमार ने उनको मुख्यमंत्री बनाकर गलती किया। नीतिश कुमार पाला बदलने वाले नहीं है। अगर वो जाएंगे तो उनका वजूद खत्म हो जाएगा। उधर भागलपुर आईएनडीआईए एलाइंस के नेताओं

द्वारा भगवान और हिंदू देवी देवताओं के खिलाफ विवादित टिप्पणी करने पर गोपाल मण्डल ने कहा कि इस तरह का बयान नहीं देना चाहिए। राम सबके हैं। राम जी नहीं थे तो किताब और रामायण सब कैसे लिखा गया। उनका इतिहास है। राम जी मनुष्य थे वो कुछ अच्छा काम किये जिससे भगवान कहलाये। श्री कृष्ण क्या करते थे कि गोपियां सब नहा रही होती थी तो उनका साड़ी लेकर भाग जाते थे। वो नटखट थे। उन्होंने कंश का बध किया। इसलिए वह भी भगवान कहलाये। मान लीजिए हम भी अच्छा काम करते है। लोगों का सुनते हैं। उनका काम करते हैं। राम सबके भगवान हैं। भाजपा वाला लॉलीपॉप दिखाना चाहता है कि मैंने यह किया। यह तो सुप्रीम कोर्ट का आदेश था। इसके बाद संतों ने चंदा कर मंदिर बनवाया। प्रधानमंत्री थोड़े मंदिर बनवा दिए हैं।

ज्ञानवापी परिसर में सील वजूखाने की सफाई शनिवार को होगी

वाराणसी (हिंस)। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद ज्ञानवापी परिसर स्थित सील वजूखाने की सफाई 20 जनवरी (शनिवार) को होगी। सफाई के लिए सुबह 09 से 11 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है। सफाई के दौरान दोनों पक्षों के दो-दो प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। वाराणसी के जिलाधिकारी एस. राजलिंगम ने गुरुवार को पत्रकारों को बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश को लेकर जिला प्रशासन ने हिंदू और मुस्लिम पक्ष के लोगों से बातचीत की है। इस दौरान तय हुआ कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार दोनों पक्षों के प्रतिनिधि सील वजूखाने की सफाई के दौरान मौजूद रहेंगे।

अयोध्या में रामभक्तों की सुविधाओं का रखा जाएगा पूरा ख्याल : विनोद तावड़े

अयोध्या (हिंस)। रामनगरी में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े ने अयोध्या व आसपास के रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण किया। देर शाम तक चले निरीक्षण के उपरांत उन्होंने व्यवस्था प्रमुख के साथ बैठक कर समीक्षा की। राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े ने बताया कि राम नगरी आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई असुविधा न हो इसके लिए पार्टी के कार्यकर्ता को लगाया गया है। जिसकी पदाधिकरियों द्वारा लगातार समीक्षा की जा रही है। आने वाला प्रत्येक व्यक्ति को यहां

राममय परिवेश में दर्शन हों। ऐसा हम सभी का प्रयास है। उन्होंने बताया कि रामभक्तों के स्टेशन आगमन के पश्चात उनका स्वागत किया जाएगा। स्टेशन पर ही अल्पाहार, मेडीकल सुविधा जैसी सुविधाएं उपलब्ध रहेगीं। बसों से उन्हें उनकी आवास तक पहुंचाने की व्यवस्था की जाएगी। जहां से आगंतुकों को दर्शन हेतु राम मंदिर तक ले जाया जाएगा। रेलवे स्टेशन व्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रीय मंत्री व महानगर प्रभारी विजय प्रताप सिंह को सौंपी गई हैं। कटरा रेलवे स्टेशन की व्यवस्था की जिम्मेदारी जिला पंचायत अध्यक्ष रोली देखेंगी। अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन की जिम्मेदारी आलोक सिंह रोहित, अयोध्या कैंट अजय धावडे, दर्शन नगर शारदा यादव तथा सलारपुर में इं. रणवीर सिंह व्यवस्था की देखरेख करेंगे। इस अवसर पर पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, अंकुर सिंह, देवेश तिवारी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

न्यायालय के आदेश व संविधान की रक्षा के लिए कारसेवकों पर चलवाई थी गोलियां : शिवपाल

इटावा (हिंस)। समाजवादी पार्टी(सपा) के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव गुरुवार को विधासभा क्षेत्र जसवंतनगर पहुंचे और बसपा प्रमुख मायावती को दौलत की देवी बताते हुए जमकर निशाना साधा। उन्होंने मुलायम सरकार के कार्यकाल में अयोध्या में कारसेवकों पर गोली चलवाने की घटना को जायज बताते हुए कहा कि न्यायालय के आदेश और संविधान की रक्षा के लिए सरकार को यह फैसला लेना पड़ा था। सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने पत्रकारों से बात करते हुए बसपा सुप्रीमो मायावती और भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बसपा सुप्रीमो मायावती दलितों की नहीं दौलत की बेटी हैं। उन्होंने कहा कि मायावती दलितों को लूटकर दौलत की देवी बन गई हैं। उन्होंने मुलायम सरकार के दौरान अयोध्या में कारसेवकों पर गोली चलवाने की घटना को जायज बताते हुए कहा कि उस समय सरकार ने न्यायालय के फैसले और संविधान की रक्षा के लिए गोली चलवाने का निर्णय लिया था उन्होंने कहा कि उस समय न्यायालय ने यथास्थिति का आदेश दिया था और उसी आदेश का पालन करने के लिए सरकार ने कारसेवकों पर गोली चलवाने का निर्णय लिया था।

बेनामी संपत्ति पर लगेगी रोक, आधार सत्यापन के बाद होगा बैनामा

हमीरपुर (हिंस)। प्लाटों, जमीनों व मकानों की रजिस्ट्री में फर्जीवाड़ा रोकने के लिए निबंधन विभाग बड़ा बदलाव करने जा रहा है। जिसके तहत अब क्रेता-विक्रेता के फिंगर प्रिंट का उनके आधार कार्ड के डाटा में फीड अंगुलियों के नमूने से मिलान किया जाएगा। दोनों फिंगर प्रिंट एक जैसे मिलने पर ही जमीन का बैनामा हो सकेगा। इसके लिए निबंधन कार्यालय में नई बायोमैट्रिक मशीनें लगाई जाएंगी। यह सुविधा जल्द लागू होने की उम्मीद है। जिले के सदर सहित चार रजिस्ट्री कार्यालयों मौदहा, सरीला व राठ में प्रति माह करीब 1100 जमीनों के बैनामा होते हैं। रजिस्ट्री में हो रहे फर्जीवाड़े को रोकने के लिए शासन ने आधार डाटा से सत्यापन कराना अनिवार्य कर दिया है। अब तक रजिस्ट्रार कार्यालयों में बॉयोमीट्रिक मशीन से क्रेता-विक्रेता के अंगूठे व अंगुलियों के निशान लिए जाते हैं, लेकिन इसका आधार डाटा से मिलान नहीं किया जाता है। जिससे फर्जीवाड़ा में रोक नहीं लग पा रही है। अब नई व्यवस्था के तहत निबंधक कार्यालयों में बैनामा का सॉफ्टवेयर डिजिटल रूप से आधार से लिंकअप किया गया है। जिससे जमीन के दस्तावेजों में आधार कार्ड की जानकारी तो देनी ही होगी। साथ ही अंगुलियों के निशान लेकर इसका आधार डाटा से सत्यापन किया जाएगा। बता दें कि आधार सत्यापन की नई व्यवस्था लागू होने से पहले अक्सर फर्जीवाड़ा की शिकायतें आती रहती थीं। जिसमें क्रेता के मरने के बाद मामला प्रकाश में आता था। उस समय जमीन मालिक कौन है, इसे साबित करना मुश्किल हो जाता था। अब नई व्यवस्था के तहत काफी हद तक इस पर रोक लगाई जा सकेगी। रविंद्र मेहता, उप निबंधक ने गुरुवार को बताया कि जमीनों के फर्जीवाड़ा पर पूरी तरह से रोक लगाने के उद्देश्य से शासन ने यह कदम उठाया है। जिससे अब रजिस्ट्री की प्रक्रिया आधार कार्ड से अटैच हो जाएगी। जिसके लिए कवायद चल रही है। उन्होंने कहा कि नए साल से यह सुविधा सभी निबंधक कार्यालयों में शुरू हो सकती है।

गाजियाबाद में *राम जी की जीत, सनातन की जय* भजन का विमोचन

गाजियाबाद (हिंस)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में गुरुवार को पंडित सुमित चतुर्वेदी के मंत्रमुग्ध कर देने वाले नए भजन *राम जी की जीत, सनातन की जय* का विमोचन किया गया। इस भजन को गीतकार रवि चोपड़ा ने लिखा है। इसमें भगवान राम की विजयी भावना और सनातन धर्म की प्रखरता को अच्छे ढंग से लयबद्ध किया गया है। गाजियाबाद के आरडीसी स्थित एक होटल में आयोजित विमोचन कार्यक्रम में भाजपा सांसद अनिल अग्रवाल और विधायक अजीतपाल त्यागी समेत कई प्रमुख लोग मौजूद रहे। सुमित चतुर्वेदी ने बताया कि *राम जी की जीत, सनातन की जय* सिर्फ एक भजन नहीं है, यह एक आध्यात्मिक यात्रा है, परमात्मा के प्रति समर्पण का भाव है। इस संगीतमय रचना के माध्यम से उम्मीद है कि सुनने वाले सभी लोगों के बीच सनातन धर्म के प्रति नई ज्वाला जागृत होगी।

लीडरशिप की कमी के चलते बिहार अब भी पिछड़ा राज्य : मोहन यादव

पटना (हिंस)। बिहार में किस बात की कमी है? कोई ऐसा राज्य ऐसा नहीं जहां बिहार के आईएएस-आईपीएस नहीं हैं। बिहार ही एकमात्र राज्य है, जिसे यह सौभाग्य मिला है। यहां यदि कोई कमी है तो लीडरशिप की। यही वजह है कि बिहार आज भी पिछड़ा राज्य है। यह बातें बिहार में एक दिवसीय दौरे पर आए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने गुरुवार को भाजपा कार्यालय में कही। उन्होंने कहा कि गुजरात उद्योग में भले ही आगे है लेकिन पसीने के रूप में जो बूंदें गिरती हैं वह बिहार का ही है। बिहार हर क्षेत्र के अंदर अपनी पहचान बनाई हुई है। सभी क्षेत्रों में बिहार के लोगों की अपनी पहचान है। आपातकाल के समय बिहार ही आगे आया और लोकतंत्र को बचाने का काम किया। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव आज दोपहर में पटना एयरपोर्ट पहुंचे। पटना एयरपोर्ट पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। एमपी के मुख्यमंत्री बनने के बाद वह पहली बार बिहार आए है। इस दौरान एसकेएम हॉल में यादव समाज की तरफ से उन्हें सम्मानित किया गया। इसके बाद मोहन यादव बिहार भाजपा कार्यालय पहुंचे। प्रदेश कार्यालय में भी मप्र के मुख्यमंत्री को पार्टी नेताओं ने सम्मानित किया। मोहन यादव ने बिहार को आगे बढ़ने की बात कहते हुए कहा कि भारत में पांच बीमारू राज्य थे। चार राज्य निकल गए लेकिन बिहार अभी भी वैसे ही है। समाज में कमी नहीं, बल्कि नेतृत्व क्षमता की कमी से बिहार पिछड़ा हुआ है। आने वाले समय में बिहार काफी आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि बिहार को आगे बढ़ाने में मध्य प्रदेश हर संभव प्रयास करेगा।

भाजपा कभी धर्म के नाम पर तो कभी जाति के नाम पर भ्रम फैला रही : राजद

रांची (हिंस)। राजद के प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव ने कहा कि भाजपा कभी धर्म के नाम पर तो कभी जाति के नाम पर भ्रम फैला रही है। समाज को बांटने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद यादव ने सांप्रदायिक शक्तियों के खिलाफ जो लड़ाई छेड़ी है उसे लड़ने के लिए झारखंड से नेता गौतम सागर राणा ने पुन: राजद की सदस्यता ग्रहण की है। इनके आने से झारखंड में पार्टी मजबूत होगी। संजय ने कहा कि हमारे नेता आईएनडीआईए की अगुवाई कर रहे हैं। इसलिए सीट बंटवारे में कोई दिक्कत नहीं है। सीट के लिए किसी तरह का कोई मतभेद नहीं है। उन्होंने कहा कि राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सीट बंटवारे का निर्णय लेंगे। साथ ही कहा

कि भाजपा को यदि देश से भगाना है तो आईएनडीआईए के सभी नेताओं का मानना है कि सभी दलों को कहीं न कहीं त्याग करना होगा। यादव गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में पार्टी कार्यालय में बोल रहे थे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने संवाददाताओं को जवाब देते हुए कहा कि देश में सबसे अधिक संपत्ति वाले भाजपा के अनेकों नेता हैं लेकिन कभी भी उनके यहां ईडी और सीबीआई की छापेमारी नहीं होती है। विपक्ष के नेताओं के ऊपर ही आखिर इस तरह की कार्रवाई क्यों हो रही है। प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र के नेता शरद पवार के खिलाफ कहा था कि शरद पवार चार दिनों में जेल जाएंगे। भ्रष्टाचारी हैं और जैसे ही शरद पवार ने भाजपा से साठगांठ किया, उन्हें उप मुख्यमंत्री बना दिया गया। ईडी और सीबीआई की एकतरफा कार्रवाई है। राजद इसका जोरदार विरोध करती है। राजद नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गौतम सागर राणा ने कहा कि भाजपा धर्म की राजनीति कर रही है। गरीबों को ऊपर उठाना, चौतरफा खुशहाली लाना और शांति लाना राजनीति का काम है लेकिन भाजपा के धर्म की राजनीति इस देश में अशांति ला रही है। मानसिक विभाजन पैदा कर रही है।

भजनलाल सरकार की पहली कैबिनेट बैठक गहलोत सरकार के आखिरी छह महीने में लिए गए निर्णयों का किया जाएगा रिव्यू

जयपुर (हिंस)। राजस्थान सरकार पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार के आखिरी छह महीने में लिए गए निर्णयों की समीक्षा करेगी। इसके लिए एक कमेटी का गठन किया गया है, जो तीन महीने में रिपोर्ट सौंपेगी। भजनलाल सरकार की गुरुवार को हुई पहली कैबिनेट बैठक में ये महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। इसके अलावा कैबिनेट ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) की मुख्य परीक्षा की तारीख बढ़ने का निर्णय किया है। श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के दिन बाइस जनवरी को अवकाश को लेकर कैबिनेट में कोई चर्चा नहीं हुई। मुख्यमंत्री कार्यालय में सीएम भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में गुरुवार को आयोजित पहली कैबिनेट बैठक करीब एक घंटे चली। सरकार गठन के 34 दिन बाद पहली बार कैबिनेट की बैठक बुलाई गई थी। बैठक में हुए निर्णयों की जानकारी देते हुए कैबिनेट मंत्री राज्यवर्द्धन सिंह राठौड ने बताया कि गहलोत सरकार के अंतिम छह महीनों में लिए गए नीतिगत फैसलों के रिव्यू करने के लिए कमेटी गठन करने का फैसला किया गया है। ये कमेटी तीन महीने में जांच कर रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपेगी। इसके अलावा कैबिनेट की बैठक में एक बार फिर से मीसा बंदियों की पेंशन शुरू करने को मंजूरी दी गई है। भजनलाल कैबिनेट ने विभागों की 100 दिन की कार्ययोजना को भी मंजूरी दे दी है। कैबिनेट का मानना है कि इससे विभागीय कार्यों को समय पर पूरा किया जा सकता है। राठौड ने बताया कि भजनलाल शर्मा की कैबिनेट ने संकल्प पत्र को नीतिगत दस्तावेज घोषित किया है। उन्होंने बताया कि अन्नपूर्णा रसोई में छह जनवरी से परिवर्तन किया गया है। थाली में 450 ग्राम भोजन की जगह अब बढ़ाकर 600 ग्राम किया गया है।

सरकार की वायदा खिलाफी के विरोध में 24 को रोडवेज का होगा चक्का जाम

फतेहाबाद (हिंस)। प्रदेश सरकार की वायदाखिलाफी के विरोध में रोडवेज कर्मचारियों द्वारा 24 जनवरी को रोडवेज बसों का चक्का जाम किया जाएगा। हरियाणा रोडवेज कर्मचारी सांझा मोर्चा के आह्वान पर 24 जनवरी की प्रस्तावित राज्य व्यापी हड़ताल को सफल बनाने के लिए सांझा मोर्चा के राज्य कमेटी के नेता रमेश श्योकन्द, कुलदीप पाबड़ा, शिव कुमार, प्रताप भनवाला ने गुरुवार को रोडवेज डिपो में बैठक ली। रोडवेज नेताओं ने कहा कि सरकार द्वारा सांझे मोर्चे को 11 जनवरी,10 मार्च, 23 जून, 13 दिसंबर को कर्मचारियों की मांगों समाधान के लिए बैठकों के लिए आमंत्रित किया गया। सांझे मोर्चे ने कर्मचारियों की मांगों समाधान बारे तर्क व प्रमाण दिए गए। सरकार ने मांगों को जायज माना और मांगों को लागू करने के परिपत्र जल्द जारी करने का भरोसा दिया गया, परंतु बार-बार भरोसा देने के बाद भी मानी गई मांगों के परिपत्र आज तक जारी नहीं किए हैं। इसके चलते प्रदेश

भर के कर्मचारियों ने सांझा मोर्चा के आह्वान पर 24 दिसंबर को करनाल में मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया, जिसके उपरांत अधिकारियों द्वारा 10 जनवरी तक वार्ता द्वारा मांगों के समाधान का आश्वासन दिया। सांझे मोर्चे ने सरकार पर बार-बार भरोसा किया परंतु सरकार मानी गई मांगो को लागू न करके कर्मचारियों के साथ विश्वासघात कर रही हैं। सांझे मोर्चे ने दिन प्रतिदिन बढ़ रही कर्मचारियों की समस्याओं को देखते हुए 24 जनवरी को राज्य व्यापी हड़ताल करने का निर्णय लिया हैं। उनकी मांग है कि देय अवकाश कटौती पत्र वापिस लिया जाए, परिचालक-चालक की वेतन विसंगति दूर की जाए। 2002 से चालकों को नियुक्ति तिथि से पक्का करके पुरानी पेंशन नीति में शामिल किया जाए। 2016 के चालक व 52 दादरी के हैल्परो को पक्का करने की पॉलिसी बनाई जाए। चालक व परिचालकों से 8 घंटे की ड्यूटी ली जाए और 8 घंटे से अधिक ड्यूटी को ओवरटाइम दिया जाए। चालकों को अड्डा इंचार्ज के पद पर प्रमोशन की जाए। स्थाई तबादला नीति बनाई जाए। वंचित कर्मचारियों को तकनीकी वेतनमान दिया जाए। ग्रुप डी के कर्मचारियों को कॉमन कडर से बाहर करके उन्हें तकनीकी पदों ओर प्रमोशन दी जाए। गेट मीटिंग में दीपक बल्हारा, संदीप जांडली, विजय नागपुर, सतेंदर, अनिल भाटिया, कुलदीप मलिक, नरेश गोरिया, राजू बिश्नोई, हर्ष डारा, वीरेंद्र, पूर्णचंद कामरेड, उग्रसेन, इंद्रपाल, आजाद सहित अनेक रोडवेज कर्मचारी मौजूद रहे।

चंडीगढ़ में स्थगित हुआ मेयर का चुनाव अधिकारी के बीमार होने को बताया गया कारण

चंडीगढ़ (हिंस)। चंडीगढ़ नगर निगम में मेयर पद के लिए गुरुवार को होने वाले चुनाव को टाल दिया गया है। इसके पीछे चुनाव अधिकारी अनिल मसीह के बीमार होने का तर्क दिया गया। मतदान से पहले भाजपा का कोई भी पार्षद निगम में नहीं पहुंचा, जबकि आईएनडीआईए गठबंधन की तरफ से कांग्रेस व आम आदमी पार्टी के सभी पार्षद यहां पहुंचे हुए थे। चंडीगढ़ नगर निगम चुनाव को लेकर कई दिनों से राजनीति गरमाई हुई है। इस चुनाव में आम आदमी पार्टी तथा कांग्रेस ने आईएनडीए का हवाला देकर गठबंधन किया था। कांग्रेस की तरफ से पूर्व मंत्री पवन बंसल तथा आप की तरफ से राघव चड्ढा यहां मोर्चा संभाले हुए हैं। चंडीगढ़ नगर निगम में कुल 35 पार्षद हैं, जिनमें भाजपा के 14, आप के 13, कांग्रेस के सात व शिरोमणि अकाली दल का एक पार्षद है। एक वोट सांसद का भी गिना जाता है। भाजपा ने यहां मेयर पद के लिए मनोज सोनकर तथा आईएनडीए गठबंधन ने कुलदीप टीटा को उतारा हुआ है। सीनियर डिप्टी मेयर तथा डिप्टी मेयर पदों के लिए भी भाजपा व आईएनडीआईए गठबंधन के बीच सीधी टक्कर है। गुरुवार को चंडीगढ़ प्रशासन की तरफ से मेयर चुनाव को देखते हुए छह सौ से अधिक पुलिस के जवानों को तैनात किया गया था। इस चुनाव के लिए नामजद पार्षद अनिल मसीह को चुनाव अधिकारी बनाया गया था। तय समय पर कांग्रेस व आम आदमी पार्टी के निगम पार्षद अपने-अपने समर्थकों समेत निगम कार्यालय पहुंच गए। इस बीच नगर निगम के जॉइंट कमिश्नर की ओर से सभी पार्षदों को वॉट्सएप पर मैसेज भेजा दिया गया। इसमें लिखा है कि पीठासीन प्राधिकारी के रूप में नामित अनिल मसीह के खराब स्वास्थ्य के संबंध में एक टेलीफोन संदेश प्राप्त हुआ है, इसलिए कृपया अगले आदेश प्राप्त होने तक निगम कार्यालय न पहुंचें। यह मैसेज मिलते ही आप व कांग्रेस कार्यकर्ता भड़क गए और उन्होंने नारेबाजी शुरू कर दी। भारी हंगामे के बीच पुलिस ने कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर स्थिति को संभाला। आप सांसद राघव चड्ढा और पूर्व मंत्री पवन बंसल को भी निगम में घुसने नहीं दिया गया। दोनों नेताओं ने कहा कि इसको लेकर वह हाई कोर्ट जाएंगे। भाजपा पार्षदों ने कहा कि चुनाव अधिकारी पंजाब सरकार के अफसर हैं।

मोदी गारंटी वाली गाड़ी के माध्यम से कई योजनाओं का लाभ गरीबों को मिल रहा है : जोशी

जयपुर (हिंस)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी गुरवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से संवाद कार्यक्रम के वर्चुअल प्रसारण के दौरान प्रदेश कार्यालय में उपस्थित रहे। उन्होंने पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ एवं प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच सहित अनेक भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम को देखा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कार्यक्रम के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से मोदी गारंटी वाली गाड़ी पूरे देश की सभी ग्राम पंचायतों में पहुंच रही है। मोदी गारंटी वाली गाड़ी का स्वागत लाभार्थियों के साथ-साथ गांव के लोग भी कर रहें है, क्योंकि उन्हें विश्वास है कि मोदी गारंटी वाली गाड़ी की वजह से ही अनेक योजनाओं का लाभ गरीबों को मिल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी जी समय समय पर वर्चुअली जुड़कर लाभार्थियों से संवाद स्थापित करते है जिससे लोगों में जोश और ऊर्जा का संचार होता है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि राजस्थान में भाजपा की मजबूत सरकार बनने के साथ ही जनता को भ्रष्टाचार मुक्त, अपराध मुक्त और भय मुक्त शासन देने की दिशा में काम शुरू हो चुका है। राजस्थान सरकार द्वारा एसआईटी व एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स के गठन और अपराध व अपराधियों पर सीधे कार्रवाई के लिए राज्य सरकार की स्वीकृति की बाध्यता को समाप्त करने जैसे महत्वपूर्ण निर्णयों से भ्रष्टाचार और अपराध करने वालों की नींद उड़ गई है।

संस्कृत में शपथ लेने वाले 21 विधायकों का होगा सम्मान

जयपुर (हिंस)। संस्कृत-भारती एवं भारती भवन कार्यालय से प्रकाशित होने वाली भारती मासिक पत्रिका, संस्कृत भारती एवं केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर परिसर के संयुक्त तत्वावधान में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर परिसर के नूतन सभागार में संस्कृतानुरागी विधायकों के सम्मान का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। संस्कृत भारती के जयपुर प्रान्त मंत्री कृष्ण कुमार कुमावत ने बताया कि राजस्थान की सोलहवीं विधानसभा में 21 नवनिर्वाचित विधायकों ने संस्कृत भाषा में शपथ लेकर संस्कृत के संरक्षण में सहयोग किया है और राजस्थान का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने बताया कि इस सम्मान समारोह में राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष प्रोफेसर वासुदेव देवनानी मुख्य अतिथि होंगे।

इसरो ने स्टार्ट-अप्स के लिए अपने दरवाजे खोल दिए : सोमनाथ

फरीदाबाद (हिंस)। आईआईएसएफ 2023 के स्टूडेंट इनोवेशन फेस्टिवल - स्पेस हैकथॉन के दूसरे दिन गुरुवार को अंतरिक्ष विभाग के सचिव और इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने युवाओं को संबोधित किया। देशभर के छात्रों के साथ जुड़ते हुए उन्होंने अपनी मूल्यवान अंतर्दृष्टि और प्रेरणा साझा की, जिससे प्रतिभागियों को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में अनंत संभावनाओं का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

भ्रष्टाचार के आरोप पर पालिका चेयरमैन और महिला पार्षद आमने-सामने, चप्पल-माला फेंकी

नागौर (हिंस)। मेढ़ता नगर पालिका के चेयरमैन गौतम टांक पर महिला पार्षद ने गुरुवार को बोर्ड बैठक में चप्पल फेंक दी। एक अन्य पार्षद ने माला फेंककर मार दी और हाथापाई कर दी। चेयरमैन ने भी पार्षद को माइक से मारने की कोशिश की। नगर पालिका की बैठक विधायक लक्ष्मण कलरू की मौजूदगी में शुरू हुई थी। बैठक शुरू होते ही भाजपा पार्षदों ने हंगामा खड़ा कर दिया। भाजपा पार्षदों ने पालिकाध्यक्ष पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। इस दौरान भाजपा समर्थित निर्दलीय पार्षद शोभा लाहोटी ने पिछली बैठक के प्रस्तावों और कामों की फाइल दिखाने को कहा। इसी दौरान चेयरमैन ने कहा कि आप कौन होते हैं, फाइलें मांगने वाले। तभी पार्षद

लाहोटी ने अभद्र टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए अध्यक्ष की तरफ चप्पल फेंक दी। इतने में मामला गरमा गया। पार्षद मोहित निंबावत चेयरमैन की ओर गए। बहस करते हुए वहां रखी माला चेयरमैन पर दे मारी। टांक ने भी माइक से मारने की कोशिश की। दोनों के बीच हाथापाई भी हुई। निर्दलीय पार्षद शोभा लाहोटी का कहना था कि मुझे कुछ विश्वसनीय लोगों से पता चला कि अध्यक्ष ने अपनी पर्सनल मीटिंग में मुझे लेकर गलत बातें कहीं। उन बातों को लेकर नाराजगी है। चेयरमैन ने बताया कि उन्होंने कहीं पर भी महिला पार्षद को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की। इसका उनके पास कोई भी सबूत है तो वे बता दें, मैं अध्यक्ष पद छोड़ दूंगा। भाजपा पार्षदों ने विकास का मुद्दा भटकाने के लिए हंगामा खड़ा किया था। इसके बाद बैठक को स्थगित कर दिया गया। इसके बाद दोबारा बहुमत की बात करते हुए बैठक जारी रखने की मांग की। नगरपालिका के ईओ जितेंद्र सिंह ने बताया कि बैठक में मुद्दों को लेकर पक्ष-विपक्ष के पार्षदों के बीच हंगामा शुरू हो गया था। इस दौरान पालिकाध्यक्ष ने बैठक एक घंटे के लिए स्थगित कर दी थी। कुछ देर बाद वापस बैठक शुरू हुई तो पालिकाध्यक्ष और विपक्ष के बीच फिर से अलग-अलग मुद्दों को लेकर हंगामा बढ़ गया था। जिस पर पालिकाध्यक्ष ने बैठक स्थगित कर दी। विपक्ष की मांग पर अब सात दिनों में फिर से बैठक बुलाई जाएगी। अगर अध्यक्ष नहीं बुलाते हैं तो ईओ की ओर से बैठक आयोजित कर बहुमत के आधार पर कार्यकारी अध्यक्ष बनाया जाएगा। नेता प्रतिपक्ष पवन परतानी ने बताया कि बैठक में 34 सदस्य उपस्थित और छह अनुपस्थित थे। ऐसे में 34 में से 19 सदस्य बैठक जारी रखने के पक्ष में हमारे साथ थे।

डेट-ऑफ-बर्थ प्रूफ के लिए आधार कार्ड नहीं होगा मान्य

ईपीएफओ ने जारी किए निर्देश, आधार कार्ड सिर्फ पहचान के लिए

नई दिल्ली।
एम्पलाई प्रोविडेंट फंड ऑर्गेनाइजेशन अब आधार कार्ड को डेट ऑफ बर्थ प्रूफ के लिए वैलिड डॉक्यूमेंट नहीं मानेगा। ईपीएफओ ने डेट ऑफ बर्थ प्रूफ के वैलिड डाक्यूमेंट्स की लिस्ट से आधार कार्ड को हटाने का फैसला यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया के आदेश के बाद लिया है।

22 दिसंबर 2023 को यूआईडीएआई ने निर्देश जारी कर कहा था कि आधार कार्ड का इस्तेमाल किसी व्यक्ति पहचान का सत्यापन करने के लिए हो सकता है, लेकिन ये डेट ऑफ बर्थ का सबूत नहीं है। यूआईडीएआई ने कहा था कि जन्म तिथि के सबूत के तौर पर दिए जाने वाले दस्तावेजों की लिस्ट से आधार कार्ड को हटा दिया गया है।

पहचान और निवास के प्रूफ लिए है आधार कार्ड

यूआईडीएआई ने अपने सर्कुलर में कहा था कि आधार एक विशिष्ट 12 अंकों की आईडी है। इसे भारत सरकार द्वारा जारी किया गया है। यह पूरे देश में आपकी पहचान और स्थायी निवास के सबूत के तौर पर मान्य है। इस पर डेट ऑफ बर्थ दी गई है पर इसे बर्थ प्रूफ के तौर पर उपयोग नहीं किया जाए।

डेट ऑफ बर्थ प्रूफ के लिए वैलिड डाक्यूमेंट्स

- जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रार की ओर से जारी किया जन्म प्रमाण पत्र
- मान्यता प्राप्त सरकारी बोर्ड या यूनिवर्सिटी द्वारा जारी मार्कशीट
- स्कूल छोड़ने का प्रमाणपत्र जिसमें नाम और जन्म तिथि शामिल हो
- सेंट्रल या स्टेट गवर्नमेंट के सर्विस रिकॉर्ड पर आधारित प्रमाणपत्र
- आयकर विभाग की ओर से जारी किया गया पैन कार्ड
- सरकार की ओर से जारी किया गया डोमिसाइल सर्टिफिकेट
- सिविल सर्जन की ओर से जारी किया गया मेडिकल सर्टिफिकेट

न्यूज ब्रीफ

केंद्रीय मंत्री ने डब्ल्यूईएफ में बी20 वैश्विक संस्थान के स्थापना का एलान किया, ये है लक्ष्य

नई दिल्ली । दावोस में विश्व आर्थिक मंच के मौके पर केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने बी20 वैश्विक संस्थान की स्थापना की घोषणा की। यह पिछले साल दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी के दौरान भारत की ओर से लिए गए संकल्पों के प्रति प्रतिबद्धता दर्शाने के लिए उठाया गया कदम है। एक्स पर अपने पोस्ट में केंद्रीय मंत्री ने कहा, विश्व आर्थिक मंच 2024 में भारत के योगदान को आगे बढ़ाते हुए जी20 के दौरान नई दिल्ली में कल्पना की गई एक अवधारणा बी20 ग्लोबल इंस्टीट्यूट की औपचारिक रूप से स्थापना की घोषणा करते हुए खुशी हुई। व्यवसायों के नेतृत्व में बी20 ग्लोबल इंस्टीट्यूट वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं को मजबूत करने, सामाजिक लाभ के लिए डिजिटल नवाचारों और एआई का उपयोग करने, इएसजी सिद्धांतों को बढ़ावा देने और स्थिरता व ऊर्जा संक्रमण का समर्थन करने के लिए तैयार है। इस अवसर पर टाटा संस के कार्यकारी अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन ने कहा कि संस्थान की अवधारणा बी-20 प्लेटफॉर्म पर वैश्विक सहयोग के लिए की गई है। एन चंद्रशेखरन, बी20 इंडिया के अध्यक्ष और टाटा संस के कार्यकारी अध्यक्ष है। उनके ऊपर बी-20 विकास और निष्पादन की देखरेख की जिम्मेदारी है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि राज्य ने स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच 2024 में 3,53,675 करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। शिंदे ने महाराष्ट्र में एक लाख करोड़ रुपये के निवेश में रुचि दिखाने वाले वैश्विक उद्योगों के बढ़ते विश्वास को देखते हुए निवेशकों को धन्यवाद दिया।

सोना और चांदी की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली । सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई, जबकि चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। हालांकि बाद में इसके भाव में भी तेजी देखी जाने लगी। सोने के वायदा भाव 61,500 रुपये और चांदी के 71,500 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमएसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रेक्ट 34 रुपये की तेजी के साथ 61,539 रुपये के भाव पर खुला, जो 55 रुपये की तेजी के साथ 61,560 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 16 रुपये की गिरावट के साथ 71,440 रुपये के भाव पर खुला, जो कुछ देर बाद 61 रुपये की तेजी के साथ 71,517 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कॉमेक्स पर सोना 2,009.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,006.50 डॉलर था, जो 4.20 डॉलर की तेजी के साथ 2,010.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 22.71 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 22.66 डॉलर था, जो 0.09 डॉलर की तेजी के साथ 22.76 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

रुपया एक पैसा गिरकर 83.15 डॉलर पर

मुंबई । कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी कोषों की बिकवाली के बीच अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया शुरुआती कारोबार में एक पैसा टूटकर 83.15 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि प्रमुख विदेशी मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने के बावजूद घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट के चलते भारतीय मुद्रा पर दबाव रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.16 पर खुला और सुबह के सौदों में डॉलर के मुकाबले 83.15 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले एक पैसे की गिरावट को दर्शाता है। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले दो पैसे गिरकर 83.14 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.16 प्रतिशत घटकर 103.04 पर था।

भारत ने रिन्यूएबल एनर्जी और क्लीन हाइड्रोजन में की है प्रगति, रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली।
20 से ज्यादा मंत्रियों और सीईओ ने भारत सहित विभिन्न देशों से, वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (विश्व आर्थिक मंच) के एक गठबंधन में शामिल होकर वैश्विक दक्षिण के क्लीन एनर्जी ट्रांजिशन (स्वच्छ ऊर्जा में शिफ्ट होने) के लिए आवश्यक अनुमानित 2.2-2.8 ट्रिलियन अमरीकी डॉलर जुटाने का प्रयास किया। विश्व आर्थिक मंच ने अपनी वार्षिक बैठक 2024 में इस गठबंधन के शुभारंभ की घोषणा करते हुए कहा कि यह विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को उनके स्वच्छ ऊर्जा जरूरतों के बारे में जागरूकता बढ़ाने, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और उनके ऊर्जा संक्रमणों को स्थायी रूप से गति देने के लिए एक प्लेटफॉर्म प्रदान करेगा।

स्वच्छ ऊर्जा निवेश को जुटाने के लिए वैश्विक दक्षिण नेटवर्क में 20 से ज्यादा सीईओ और सरकारी मंत्री शामिल हैं, जिनमें कोलंबिया, मिस्र, भारत, जापान, मलेशिया, मोरक्को, नामीबिया, नाइजीरिया, नॉर्वे, केन्या और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं।

फोरम ने यह भी एक नई रिपोर्ट जारी की, न्यायसंगत और समावेशी ऊर्जा संक्रमण के जरिए विश्वास का निर्माण, जो नीति निर्माताओं और ऊर्जा क्षेत्र के व्यापारिक नेताओं को एक न्यायपूर्ण, न्यायसंगत और समावेशी ऊर्जा संक्रमण की ओर मार्गदर्शन करने के लिए एक रूपरेखा पेश करती है। खास तौर पर विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में, जहां वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा निवेश का पांचवां हिस्सा भी नहीं हो पाता है।

वैश्विक दक्षिण में स्वच्छ ऊर्जा में कुल वार्षिक निवेश वर्तमान में 770 अरब डॉलर से तीन गुना बढ़कर 2030 के दशक की शुरुआत तक 2.2-2.8 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की जरूरत है।

रिपोर्ट में पाया गया है कि हालांकि हाल के वर्षों में खर्च में बढ़ोतरी हुई है, लेकिन यह कुछ देशों और क्षेत्रों में ही केंद्रित है। 2021 से 90 प्रतिशत से ज्यादा निवेश बढ़ोतरी विकसित अर्थव्यवस्थाओं और चीन में हुई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल के वर्षों में भारत और चीन जैसे उभरते अर्थव्यवस्थाओं ने नई एनर्जी टेक्नोलॉजी (ऊर्जा प्रौद्योगिकियों) और वैल्यू चेन (मूल्य श्रृंखलाओं) को तेजी से अपनाने और यहां तक कि उनमें अग्रणी बनने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने अपनी रिन्यूएबल एनर्जी (नवीकरणीय ऊर्जा) क्षमता का काफी विस्तार किया है और क्लीन हाइड्रोजन में प्रगति की है।

विश्व आर्थिक मंच ने कहा कि इन टेक्नोलॉजी से जुड़ी अनिश्चितताओं को कम करने, उनके व्यापक अपनाने को सुविधाजनक बनाने और आगे इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना, हितधारकों के बीच ज्ञान साझा करने को बढ़ावा देना और समाधानों को स्थानीय संदर्भों और प्राथमिकताओं के अनुकूल बनाना अनिवार्य है।

इसने यह भी कहा कि भारत, ब्राजील और मध्य पूर्व के कुछ हिस्सों में स्वच्छ ऊर्जा निवेश और परियोजनाओं में बढ़ोतरी देखी गई है। कई अन्य उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में प्रगति धीमी रही है, खासकर ग्रिड के विस्तार और आधुनिकीकरण के मकसद से किए गए निवेशों में।

नोवा एग्रीटेक लिमिटेड का सोमवार को आ रहा है आईपीओ

मुंबई ।
शेयर बाजार में निवेशकों के लिए कमाई का एक और मौका मिलने आने वाल है। एग्रीकल्चर इनपुट बनाने वाली कंपनी नोवा एग्रीटेक अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ (आईपीओ) अगले सप्ताह ला रही है। इसका आईपीओ 22 जनवरी 2024 को खुलेगा। इसमें निवेशक 24 जनवरी तक बोली लगा सकते हैं। दरअसल तेलगांना की नोवा एग्रीटेक यह आईपीओ 144 करोड़ रुपये का है। इसके लिए कंपनी ने प्राइस बैंड 39-41 रुपये प्रति शेयर तय किया है। इस आईपीओ के तहत 112 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा इसमें एक शेयरधारक नुतलापति वेंकटसुब्बाराव द्वारा 77.58 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाई जाएगी। उनके पास कंपनी की 11.9 प्रतिशत हिस्सेदारी है। यदि प्राइस बैंड का ऊपरी स्तर मूल्य होता है, तब कंपनी को इसके जरिये 143.81 करोड़ रुपये मिल सकते हैं।

कंपनी ने अपने आईपीओ का आधा हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीच्यूशनल बायर्स के लिए रिजर्व किया गया है। नॉन इंस्टीच्यूशनल बायर्स के लिए 15 फीसदी हिस्सा सुरक्षित किया गया है। आईपीओ का 35 फीसदी हिस्सा रिटेल निवेशक के लिए सुरक्षित रखा गया है। यदि सबकुछ योजनानुसार चला तब आगामी 30 जनवरी को इसकी लिस्टिंग बीएसई और एनएसई में हो जाएगी।

नोवा एग्रीटेक की वित्तीय स्थिति काफी मजबूत है। साल 2022-23 में कंपनी का शुद्ध मुनाफा कंसोलिडेटेड बेसिसल पर करीब 50 प्रतिशत बढ़कर 20 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया था। कंपनी का इस साल रेवेन्यू भी 13.4 फीसदी बढ़ कर 210 करोड़ रुपये से ज्यादा रहा था। इस साल कंपनी का ईबीआईटीडीए सालाना आधार पर 39.3 फीसदी बढ़कर 38.7 करोड़ रुपये हो गया था। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से सितंबर के दौरान कंपनी ने कंसोलिडेटेड बेसिस पर 103 करोड़ रुपये का रेवेन्य और 10 करोड़ रुपये से ज्यादा का नेट प्रोफिट अर्जित किया है।

कैबिनेट से तीन पदों के सृजन को मंजूरी, इसमें एक आर्थिक सलाहकार और दो संयुक्त सचिव

नई दिल्ली ।
केंद्रीय कैबिनेट से 16वें वित्त आयोग का गठन करने पर अहम फैसला लिया है। पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में तीन पदों के सृजन को मंजूरी दी गई। हुई इस अहम बैठक के बाद जारी बयान के अनुसार, 16वें वित्त आयोग के लिए सरकार एक आर्थिक सलाहकार और दो संयुक्त सचिवों के पद का सृजन करेगी। सरकार ने कहा कि आयोग के काम-काज में योगदान के लिए इन पदों का सृजन हुआ है।

2023 के अंतिम दिन अधिसूचना, आज कैबिनेट से मिली मंजूरी

सरकार ने बताया कि संविधान के अनुच्छेद 280 के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल कर वित्त आयोग का गठन किया जा रहा है। केंद्र सरकार ने लगभग ढाई हफ्ते पहले इसकी अधिसूचना जारी की थी। कैबिनेट बैठक में मंजूरी और वित्त आयोग के गठन पर सरकार ने कहा कि 31 दिसंबर, 2023 को जारी अधिसूचना के माध्यम से 16वें वित्त आयोग के लिए पदों के सृजन को मंजूरी दी गई थी। अब कैबिनेट की बैठक में इसे औपचारिक रूप से मंजूरी दे दी गई।

16वें वित्त आयोग में नया पद बनाना क्यों जरूरी

नए पदों का सृजन करने की जरूरत क्यों पड़ी इस सवाल पर केंद्र सरकार ने बताया कि संविधान से मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए 16वें वित्त आयोग के लिए जरूरी बाकी पदों का सृजन पहले ही किया जा चुका है। आर्थिक सलाहकार और दो संयुक्त सचिव के पदों की जरूरत आयोग पर कामकाज के भार को देखते हुए पड़ी। तीनों पदों पर नियुक्त होने वाले अधिकारी 16वें वित्त आयोग को अपने कार्यों को बिना अड़चन और सुचारू रूप से पूरा करने में सहायता करेंगे।

अकासा, इंडिगो और एयर इंडिया ने एक साल से भी कम समय में 1120 विमान खरीदने के ऑर्डर दिए, ये है लक्ष्य

नई दिल्ली ।
अकासा एयर ने 150 विमानों के ऑर्डर की घोषणा की। देश के तेजी से बढ़ते नागर विमानन बाजार में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए तीन भारतीय विमानन कंपनियों ने एक साल से भी कम समय में कुल 1,120 विमानों का ऑर्डर दिया है।

दो साल से भी कम पुरानी अकासा एयर ने 150 बोइंग 737 मैक्स विमानों के लिए एक ऑर्डर दिया है, जिसमें 737 मैक्स 10 और 737 मैक्स 8-200 जेट शामिल हैं। 2023 में, जिसमें घरेलू हवाई यातायात भी नई ऊंचाई पर चढ़ गया, एयर इंडिया और इंडिगो ने बोइंग और एयरबस को कुल 970 विमानों के ऑर्डर दिए।

टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने पिछले साल फरवरी में 470 विमानों का ऑर्डर दिया था, जिसमें एयरबस को दिया गया 250 और बोइंग को दिया गया 220 विमानों का ऑर्डर शामिल है। आगे चलकर जून में देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने एयरबस को 500 नैरो बॉडी विमान खरीदने का ऑर्डर देने की घोषणा की थी।

अकासा एयर, एयर इंडिया और इंडिगो ने पिछले साल फरवरी से 1,120 विमानों के ऑर्डर दिए हैं। इन ऑर्डर्स के अलावा, भारतीय वाहक उन नए विमानों की डिलीवरी लेने के लिए तैयार हैं जिन्हें पहले ऑर्डर किया गया था। अकेले इंडिगो के पास करीब 1,000 विमानों का ऑर्डर बुक है। ग्राउंडेड गो फर्स्ट, जो पिछले साल मई से उड़ान नहीं भर रहा है, ने भी 72 विमानों का ऑर्डर दिया था। एक विश्लेषण के अनुसार, घरेलू विमानन कंपनियां आने वाले वर्षों में 1,600 से अधिक विमानों की डिलीवरी लेने की उम्मीद कर रहे हैं।

वर्तमान में, भारतीय विमानन कंपनियों के बेड़े का आकार 730 है। नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा था कि 2030 तक भारतीय विमानन कंपनियों के बेड़े का आकार 1,500 से 2,000 तक पहुंच जाएगा। भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागरिक उड्डयन बाजारों में से एक है।

पीयूष गोयल से मिले भारत के 54 यूनिकॉर्न, स्टार्टअप क्लब ऑफ इंडिया के गठन की योजना पर चर्चा

नई दिल्ली ।
भारत के 54 यूनिकॉर्न में वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की। इस दौरान स्टार्टअप परिस्थितिकी तंत्र के विकास, स्टार्टअप के पोषण और विस्तार में घरेलू पूंजी की भूमिका और अंतरराष्ट्रीय स्टार्टअप परिदृश्य में भारत की स्थिति पर चर्चा की गई। मंत्री और यूनिकॉर्न के बीच हुई बैठक करीब चार घंटे चली। बता दें, देश में फिलहाल 111 यूनिकॉर्न हैं।

स्टार्टअप क्लब बनाने की योजना

पेटीएम के संस्थापक विजय शेखर शर्मा ने बताया कि बैठक में चर्चा की गई और स्टार्टअप क्लब ऑफ इंडिया स्थापित करने की योजना बनाई है। क्लब देश में स्टार्टअप इकोसिस्टम को बेहतर बनाने के लिए सरकार सहित अन्य प्लेटफार्मों पर संयुक्त रूप से विभिन्न मुद्दों को उठा सकता है। यह बेहतर प्रयास है। वहीं, ईजी माय ट्रिप के सह संस्थापक रिकांत पिट्टी, ड्रूम के संस्थापक संदीप अग्रवाल, जोमैटो के संस्थापक दीपिंदर गोयल, बोट के संस्थापक अमन गुप्ता के साथ-साथ फ्लिपकार्ट, स्विगी, ओयो, फोनपे और जिरोधा जैसे तमाम सफल यूनिकॉर्न बैठक में शामिल हुए थे।

कंपनी कानून के मामलों को सुचारू करें

पिट्टी ने बैठक बाद कहा कि ऐसी मैराथन बैठकें कभी-कभार होती हैं और यह होनी चाहिए। हमने घरेलू पूंजी बनाम अंतरराष्ट्रीय पूंजी और देश में स्टार्टअप तंत्रों को कैसे मजबूत किया जाए सहित कई मुद्दों पर चर्चा की। हमने सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की। वहीं, संदीप ने कहा कि हमने अनुरोध किया है कि मंत्री स्टार्टअप से संबंधित कंपनी कानून के मामलों को सुचारू करें। इसके अलावा, पूजी के विषय पर भी विस्तार से चर्चा हुई। उनका कहना है कि स्टार्टअप ने केवल तकनीक का विकास कर रहे हैं बल्कि, बड़े पैमाने पर रोजगार भी पैदा कर रहे हैं। इससे देश के आर्थिक विकास को मजबूती मिलेगी।

2025 तक यूनिकॉर्न की संख्या होगी 150 से ज्यादा

यूनिकॉर्न स्टार्टअप की संख्या में भारत अमेरिका और चीन के बाद दुनिया में तीसरे स्थान पर है। भारत में यूनिकॉर्न स्टार्टअप की संख्या इस समय 100 से ज्यादा है। साथ ही इनमें वृद्धि हो रही है। जब भी किसी स्टार्टअप का वैल्यूएशन एक अरब डॉलर (करीब 8,300 करोड़ रुपये) से ज्यादा हो जाता है तो उसे यूनिकॉर्न स्टार्टअप कहा जाता है। उम्मीद जताई गई है कि 2025 तक भारत में यूनिकॉर्न स्टार्टअप की संख्या 150 से ज्यादा होगी।

2024 के लिए भारत का सबसे मजबूत ब्रांड बना जियो : रिपोर्ट

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज की दूरसंचार और डिजिटल इकाई जियो सबसे मजबूत भारतीय ब्रांड बनी हुई है। वह इस मामले में भारतीय जीवन बीमा निगम और भारतीय स्टेट बैंक जैसी कंपनियों से आगे है। ब्रांड फाइनेंस द्वारा प्रकाशित नवीनतम रिपोर्ट 'ग्लोबल-500 2024' के अनुसार, जियो ब्रांड फाइनेंस की 2023 की रैंकिंग में भी भारत की सबसे मजबूत ब्रांड रही थी। इस साल की रैंकिंग में जियो को वीचैट, यूट्यूब, गूगल, डेलॉयट, कोका-कोला और नेटफ्लिक्स की अगुवाई वाली सूची में 88.9 के ब्रांड मजबूती सूचकांक के साथ दुनिया के सबसे मजबूत ब्रांडों में 17वें स्थान पर रखा गया है। एलआईसी को सूची में 23वें स्थान पर रखा गया है, इसके बाद एसबीआई 24वें स्थान पर है। यह ईवाई और इंस्टाग्राम जैसे ब्रांड से आगे है। रिपोर्ट में कहा गया, दूरसंचार क्षेत्र में अपेक्षाकृत नई जियो सबसे मजबूत ब्रांड के रूप में उभरी है। इसका ब्रांड मूल्य उल्लेखनीय 14 प्रतिशत बढ़कर 6.1 अरब डॉलर होने के साथ ही उच्च ब्रांड शक्ति सूचकांक स्कोर 89.0 और संबंधित एएए ब्रांड रेटिंग भी है।

बस्तर : द नक्सल स्टोरी का फर्स्ट लुक शेयर

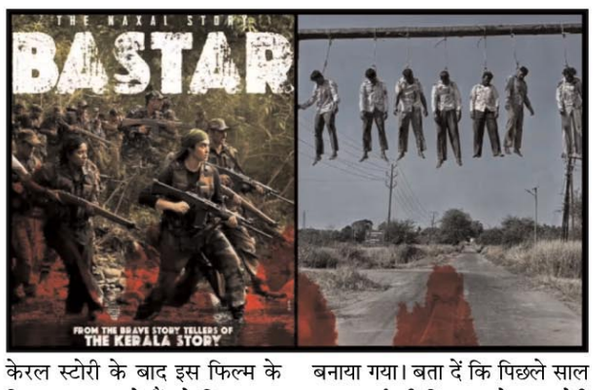

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म द केरल स्टोरी के खूब सुर्खियां बटोरने के बाद अदा शर्मा की अगली फिल्म बस्तर : द नक्सल स्टोरी का फर्स्ट लुक शेयर किया और कुछ डिटेल्स भी शेयर कीं। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने इस बारे में खुलासा किया। पोस्टर में अदा काफी एग्रेसिव मोड में दिख रही हैं। उनके हाथ में बंदूक है और वे फौजियों की ड्रेस में एक गुट के साथ आगे बढ़ रही हैं। फिल्म में नक्सलियों की कहानी दिखाई जाएगी। तरण ने लिखा, केरल स्टोरी की सफलता के बाद फिल्म के मेकर्स ने अदा शर्मा के साथ एक और फिल्म करने का ऐलान किया है। फिल्म का नाम बस्तर : द नक्सल स्टोरी है। इसका निर्माण विपुल अमृतलाल शाह करेंगे और निर्देशन सुदिप्तो सेन करेंगे। दोनों केरल स्टोरी के बाद इस फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं। ये फिल्म 15 मार्च को रिलीज की जाएगी। केरल स्टोरी फिल्म को कई लोगों ने एक एजेंडा बताया था। उन्होंने कहा कि फिल्म को किसी विशेष समुदाय या धर्म को टारगेट करने के मकसद से बनाया गया। बता दें कि पिछले साल अदा शर्मा की फिल्म द केरल स्टोरी ने खूब सुर्खियां बटोरी। विवाद होने के बावजूद फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 250 करोड़ का कारोबार करने में सफलता प्राप्त की। यह वर्ष 2023 की दूसरी 200 करोड़ी फिल्म थी।

काजोल की नाराजगी के बाद अजय ने अपनाई नो किसिंग पॉलिसी

-एक्टर ने 7 साल पहले की थी किसिंग सीन्स से तौबा

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड में वैसे तो कई सेलेब्स हैं, जो नो किसिंग पॉलिसी पर काम करते हैं, लेकिन, क्या आप ये जानते हैं कि 7 साल पहले ऐसा क्या हुआ था कि अजय देवगन ने किसिंग सीन्स को लेकर तौबा कर ली थी। मसला उनकी पत्नी काजोल से जुड़ा था, जिसके बाद उन्होंने ये फैसला लिया। ये फैसला अजय देवगन ने साल 2016 में आई फिल्म शिवाय के रिलीज के बाद लिया था। शिवाय एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्देशन और निर्माण अजय देवगन ने अपने बैनर अजय देवगन फिल्म्स के तहत किया है, जिसकी कहानी संदीप श्रीवास्तव ने लिखी है। फिल्म में उन्होंने लीड रोल निभाया था।

इसी फिल्म में एक किसिंग सीन था, जो काफी ज्यादा चर्चा में था। दरअसल, पर्दे पर अजय देवगन उस समय तक नो किसिंग पॉलिसी अपनाते थे। यही वजह थी कि फिल्म का यह सीन काफी ज्यादा सुर्खियों में था। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो जब काजोल ने मूवी देखा तो काजोल भी अजय से काफी ज्यादा नाराज हो गईं। उनके गुस्से का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इसके बाद अजय को अपनी पत्नी के आगे सॉरी तक कहना पड़ा था। इस किस्से का जिक्र काजोल ने खुद द कपिल शर्मा शो के दौरान किया था। शो में जब कपिल ने काजोल से पूछा कि पर्दे पर अजय को किस करते हुए देखकर उनकी कैसी प्रतिक्रिया थी। इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि मैं फिल्म की प्रोड्यूसर थी, फिर भी मुझे इसके बारे में नहीं बताया गया था। हालांकि, बाद में उन्होंने मुझसे इसको लेकर माफी मांगी। शो में काजोल ने बताया कि अजय के माफी मांगने के बाद उन्होंने उन्हें माफ कर दिया था।

बता दें कि बॉलीवुड एक ऐसी इंडस्ट्री जो पिछले 110 सालों से दर्शकों का मनोरंजन कर रही है। फिल्म, गाने, शॉर्ट मूवीज, सीरीज, टीवी सीरियल्स, जैसे कई प्लैटफॉर्म हैं, जहां कलाकार अपनी अदाकारी को पर्दे पर दिखाते हैं। फिल्म की स्क्रिप्ट के हिसाब से मेकर्स सेलेब्स के साथ सीन डिमांड करते हैं। कुछ फिल्मों के खातिर, मोटे हो जाते हैं तो कोई अपना वजन कर लेते हैं। कोई बोल्ड सीन करने से परहेज करता है तो कोई नो किसिंग पॉलिसी और अपनी शर्तों पर फिल्में करता है।

12वीं फेल के चलते खूब सुर्खियां बटोर रहे विक्रांत

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड फिल्म 12वीं फेल के चलते एक्टर विक्रांत मैसी खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। विक्रांत इसके लीड एक्टर थे और फिल्म की सफलता में उनकी एक्टिंग का बड़ा योगदान रहा। पिछले साल रिलीज हुई विधु विनोद चोपड़ा की इस फिल्म को क्रिटिक्स और फैंस ने खूब प्यार दिया। विक्रांत ने छोटे पर्दे से बड़े पर्दे का सफर तय किया है। उनकी प्रतिभा उनके लिए लगातार आगे बढ़ने के रास्ते बना रही है। अब विक्रांत एकता कपूर की मूवी द साबरमती रिपोर्ट में लीड रोल में नजर आएंगे। उनके अपोजिट राशि खन्ना हैं। फिल्म का डायरेक्शन रंजन चंदेल करेंगे, जो 3 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मेकर्स ने वीडियो शेयर कर कैप्शन में लिखा- एक अनकही कहानी के साथ इतिहास को उजागर करने के लिए तैयार हो जाइए, साबरमती रिपोर्ट - 2002 की घटना की एक दिलचस्प यात्रा, जिसने पूरे देश पर एक अमिट छाप छोड़ी! 3 मई 2024 को सिनेमाघरों में। फिल्म में जवान फेम एक्ट्रेस रिद्धि डोगरा का भी अहम रोल रहेगा। शोभा कपूर, एकता कपूर, अमूल वी मोहन और अंशुल मोहन फिल्म के निमार्ता हैं। बता दें कि 27 फरवरी 2002 को गुजरात के गोधरा स्टेशन से रवाना होने वाली साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन की एक बोगी को उन्मादी भीड़ ने आग के हवाले कर दिया था। घटना में अयोध्या से लौट रहे 59 लोगों की मौत हो गई थी।

आइरा खोई नजर आ रही नूपूर की बाहों में

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर आमिर खान की बेटी आइरा खान की हाल ही में नूपुर शिखरे के संग शादी हुई। नूपुर ने अपने रिसेप्शन से आइरा संग कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। पहली तस्वीर में आइरा नुपुर की बाहों में खोई नजर आ रही हैं। बता दें कि आमिर खान और रीना दत्ता की बेटी आइरा खान अब मिसेज शिखरे बन गई हैं। 3 जनवरी को रजिस्ट्री मैरिज के बाद आइरा खान ने 10 जनवरी को जिम ट्रेनर नुपुर शिखरे के साथ उदयपुर में शादी रचाई। कपल ने क्रिश्चन रीति रिवाज से शादी की। वहीं 13 जनवरी को आइरा और नुपुर ने मुंबई में एमैक में ग्रैंड रिसेप्शन रखा। इस पार्टी में शाहरुख खान और सलमान खान से लेकर दिग्गज एक्ट्रेस सायरा बानो, हेमा मालिनी, रेखा समेत कई स्टार्स ने शिरकत की।

गुलाम में रानी की आवाज को किया था डब

-डायरेक्टर विक्रम भट्ट ने किया खुलासा

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड फिल्म गुलाम के रिलीज के 26 साल बाद फिल्म के डायरेक्टर ने रानी मुखर्जी के डबिंग आवाज को लेकर खुलासा किया है। बता दें कि गुलाम फिल्म में रानी मुखर्जी की आवाज को डब किया गया था। उनकी आवाज मोना शेट्टी ने डब की थी। फिल्म में आमिर खान संग रानी मुखर्जी की जोड़ी बनी थी। इस फिल्म रानी के स्टारडम को एक अलग ही मुकाम पर पहुंचा दिया था। यह फिल्म साल 1998 में रिलीज हुई थी। यह उस साल की सुपरहिट फिल्मों में एक थी। रानी मुखर्जी ने पहले साझा किया था कि निमार्ताओं को उनकी आवाज दर्शकों के लिए उपयुक्त नहीं लगी और इसीलिए वे चाहते थे कि इसे एक प्रोफेशनल आर्टिस्ट द्वारा डब किया जाए। अब, विक्रम भट्ट ने इस संबंधित विवाद पर अपना रिएक्शन दिया। सिद्धार्थ कानन से बात करते हुए, विक्रम भट्ट ने बताया, मैं इस विवाद पर हमेशा बात करना चाहता हूं। जब रानी को गुलाम में कास्ट किया जाना था तो मैंने खुद ही उनका नाम सुझाया था। मैंने उनका काम राजा की आएगी बारात में देखा था और उन्होंने बहुत अच्छी एक्टिंग की थी। फिल्म डायरेक्टर ने आगे रानी की पहली फिल्म के फ्लॉप होने के बारे में बताते काफी शॉकिंग खुलासा किया है। उन्होंने कहा, किसी ने मुझसे कहा वह फिल्म नहीं चली, लोगों को उसकी आवाज पसंद नहीं आई और उन्हें लगा कि यह अजीब है। मैंने कहा, आवाज को डब किया जा सकता है, लड़की अच्छी एक्टर है और अच्छी भी दिखती है।

इसलिए कभी-कभी ये बातें चिपक जाती हैं और कोई ज्यादा नहीं सोचता। हमने कास्टिंग से पहले जो सोचा, वो किया। इसके पीछे कोई सचेतन प्रयास नहीं था। हम इस पर हंसते हैं। वह जानती है कि मैं उसके साथ ऐसा कुछ नहीं करूंगा। अब डायरेक्टर के इस खुलासे से अटकलें लगाई जा रही हैं कि फिल्म गुलाम रानी मुखर्जी की आवाज की वजह से फ्लॉप ना हो इसलिए मेकर टीम ने उनकी आवाज को डब किया था। उनका ये पैंतरा उनकी फिल्म पर काफी सफल साबित हुआ। गुलाम 1998 में रिलीज हुई और काफी बड़ी हिट रही। रिलीज होने से पहले ही आमिर का गाना आती क्या खंडाला हिट हो गया और रिलीज के बाद इसने जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की। बता दें कि आमिर खान की गुलाम उनके करियर की सबसे आइकॉनिक फिल्मों में से एक मानी जाती है। विक्रम भट्ट द्वारा निर्देशित यह फिल्म हॉलीवुड फिल्म ऑन द वॉटरफ्रंट की रीमेक थी।

अपने लुक्स से तहलका मचा दिया जेनिफर

एक बार फिर अमेरिकी एक्ट्रेस जेनिफर लोपेज ने अपने लुक्स से तहलका मचा दिया। इन तस्वीरों में जेनिफर बेहद ही बोल्ड अंदाज में दिख रही हैं। सामने आई तस्वीरों में जेनिफर ब्लैक कलर की ब्रालेस ड्रेस में नजर आ रही हैं। उनकी इस ड्रेस में फ्रंट की तरफ से ऐसा डिजाइन बना जिससे उनके क्लीवेज साफ नजर आ रहे हैं। इस ड्रेस में जेनिफर अपना कर्वी फिगर बखूबी से फ्लान्ट कर रही हैं। मिनिमल मेकअप, न्यूड लिपस्टिक हसीना के लुक को परफेक्ट बना रहे हैं। जेनिफर कातिलाना अंदाज से कैमरे के सामने पोज दे रही हैं। फैंस उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। बता दें कि अमेरिकी एक्ट्रेस जेनिफर लोपेज 1991 में अपने डेब्यू के बाद से ही अपने काम, लुक और एक्सेसरीज से अक्सर फैंस का दिल चुरा लेती हैं। जेएलओ ने हमेशा फैशन गेम पर राज किया है।

द्विंकल खन्ना ने 50 की उम्र में पूरी की मास्टर्स की पढ़ाई

एक समय की मशहूर अभिनेत्री और अभिनेता अक्षय कुमार की पत्नी ट्विंकल खन्ना ने शादी के बाद फिल्मों में काम करना बंद कर दिया। इसके बाद वह लेखिका बनीं और अब उन्होंने अपनी अधूरी शिक्षा पूरी कर ली है। उन्होंने 50 साल की उम्र में अपनी मास्टर डिग्री पूरी की है। अक्षय कुमार ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर इसकी जानकारी शेयर की है। अक्षय ने अपनी पत्नी के साथ एक तस्वीर पोस्ट की है। अक्षय ने लिखा, ह्लजब आपने दो साल पहले मुझसे कहा था कि आप फिर से पढ़ाई करना चाहते हैं तो मैं हैरान रह गया था। जिस दिन मैंने तुम्हें इतनी मेहनत करते देखा, मुझे पता चला कि मैंने एक सुपरवूमन से शादी की है। आपने घर, करियर और बच्चों के साथ-साथ अपनी शिक्षा का भी ख्याल रखा। तुम्हारे ग्रेजुएशन दिवस पर मैं सोच रहा हूं कि अगर मैंने थोड़ा और सीखा होता तो आज मेरे पास तुम्हें यह बताने के लिए पर्याप्त शब्द होते कि मुझे तुम पर कितना गर्व है, टीना। बधाई हो और मैं तुमसे प्यार करता हूं। इसे लेकर ट्विंकल खन्ना ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें उनके ग्रेजुएशन डे की झलक नजर आ रही है। उन्होंने वीडियो को कैप्शन दिया, यह मेरा स्नातक दिवस है। गोल्डस्मिथ्स में मेरा पहला दिन बहुत समय पहले और कल की बात लगती है। एक धूप वाला दिन, एक खूबसूरत साड़ी और मेरे साथ मेरे परिवार ने उस दिन को जितना मैंने सोचा था उससे भी ज्यादा परफेक्ट बना दिया। इस बीच ट्विंकल ने लंदन यूनिवर्सिटी से क्रिएटिव और लाइफ राइटिंग में डिग्री पूरी की। अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना दोनों के पोस्ट पर सेलिब्रिटीज और फैंस कमेंट कर रहे हैं और ट्विंकल को शुभकामनाएं दे रहे हैं। कई लोग कमेंट कर कह रहे हैं कि इस उम्र में पढ़ाई पूरी करना बहुत बड़ी बात है।

ब्वॉयफ्रेंड संग रचाएंगी शादी सुरभि चंदना

13 साल की डेटिंग के बाद अब इश्कबाज की अनिका यानि एक्ट्रेस सुरभि चंदना ने ब्वॉयफ्रेंड बिजनेसमैन करण आर शर्मा संग अपनी शादी की घोषणा कर दी है और अपने फैंस को खास तोहफा भी दिया है। कपल ने 15 जनवरी, 2024 को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर प्यारी सी पोस्ट शेयर कर शादी की घोषणा की।सुरभि ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर करण के साथ बेहद रोमांटिक तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में कपल एक दूसरे की बांहों में खोया नजर आ रहा है। तस्वीरों में सुरभि ऑफ शोल्डर ड्रेस में किसी परी से कम नहीं लग रही हैं। वहीं उनके ब्वॉयफ्रेंड करण व्हाइट कैजुअल ड्रेस में काफी हैंडसम लग रहे हैं। तस्वीरों में सुरभि के पेट डॉग को भी देखा जा सकता है।

इसके अलावा एक बोर्ड भी नजर आ रहा है जिसमें लिखा है-- वहीं इस पोस्ट के साथ सुरभि ने लिखा- बीते 13 साल से जिंदगी में रंग भर रहे हैं। हम लोगों का हमेशा का साथ अब शुरू हो रहा है। सुरभि और करण ने शादी की डेट का ऐलान तो नहीं किया है। लेकिन ऐसी खबरें है कि वो मार्च महीने के आखिर में शादी कर सकती हैं।

पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाई लोकेश ने

-शो में वे दिखाई दे रहे है रणबीर के रूप में

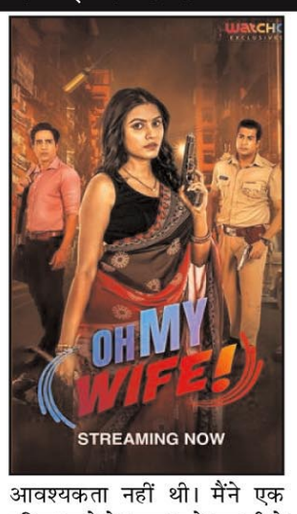

मुंबई (ईएमएस)। अपने करियर में पहली बार अभिनेता लोकेश बट्टा ने वॉचो एक्सक्लूसिव वेब सीरीज ओह माई वाइफ! में पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाई है। वॉचो पर लॉन्च हुए इस शो में वे रणबीर के रूप में दिखाई दे रहे हैं, जो एक पुलिस अधिकारी हैं और एक हाई प्रोफाइल हत्या मामले की जांच कर रहे हैं। ओह माई वाइफ के लिए हाँ कहने और इसकी प्रेरणा के बारे में बात करते हुए अभिनेता लोकेश बत्ता ने कहा, इस सीरीज की कहानी अपने आप में बहुत प्रभावशाली थी और मुझे यह स्वीकार करना होगा कि मेरा किरदार इतनी खूबसूरती से लिखा गया था कि मुझे लगा जैसे यह मेरे लिए ही बना है। इसके अलावा, जिस तरह से निर्देशक शौर्य सिंह ने इसे मेरे सामने पेश किया, मैं इसके लिए हाँ कहने से खुद को रोक नहीं पाया। मेरा किरदार एक साहसी, मजबूत और गंभीर रूप से सोचने वाला व्यक्ति है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह एक बहुत सक्रिय श्रोता है और यह खूबियां एक पुलिस वाले के लिए बहुत जरूरी है। इन सभी गुणों ने मुझे चरित्र की ओर आकर्षित किया और हमने केवल एक या दो शॉट में सब कुछ बड़ी तेजी से शूट किया। प्रतिभाशाली अभिनेता ने भूमिका के लिए अपनी तैयारी का खुलासा करते हुए बताया कि यह उनके लिए बहुत चुनौतीपूर्ण नहीं था। उन्होंने कहा, हम सभी ने फिल्मों और वास्तविक जीवन में पुलिस वालों को देखा है, उनके आसपास रहे हैं और उनके साथ बातचीत की है। इसलिए, मेरे लिए बहुत अधिक तैयारी की आवश्यकता नहीं थी। मैंने एक पुलिस वाले के बहुत सारे गुण सीखे और उसमें अपना स्पर्श जोड़ा ताकि हम इस किरदार को जीवंत करें। यह मेरे लिए एक दिलचस्प यात्रा थी। ईमानदारी से कहूं तो, यह चुनौतीपूर्ण नहीं था क्योंकि हमने बचपन से पुलिस वालों को देखा है- जिस तरह से वे व्यवहार करते हैं, स्थितियों को संभालते हैं और कठिनाइयों से निपटते हैं-इसलिए मैं स्वाभाविक रूप से इसे अपने प्रदर्शन में शामिल कर सकता हूं। वॉचो पर उपलब्ध इस सीरीज को इसकी कहानी, प्रदर्शन और निर्देशन के लिए दर्शकों से काफी प्रशंसा मिल रही है।लोगों से मिली प्रशंसा के बारे में बात करते हुए लोकेश ने कहा, मैंने स्क्रीन पर पहली बार एक पुलिस वाले की भूमिका निभाई और यह वास्तव में मेरे लिए एक अनोखा अनुभव था। मेरे दोस्तों और इंस्टाग्राम परिवार की प्रतिक्रिया बहुत सकारात्मक रही है साथ ही उन्हें मेरा किरदार काफी पसंद आ रहा है और मैं इस प्रतिक्रिया से अभिभूत हूं। ओह माय वाइफ! शौर्य सिंह द्वारा लिखित और निर्देशित, एक सस्पेंस थ्रिलर सीरीज है, जिसमें मुदासिर भट्ट, लोकेश बट्टा, स्नेहा सिंह सिसोदिया और दीपांशी एन। शाक्य ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। वॉचो एक्सक्लूसिव की यह सीरीज एक फॉरेंसिक एक्सपर्ट विवेक के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक हाई-प्रोफाइल हत्या के मामले के बीच व्यक्तिगत उथल-पुथल से निपट रहे हैं। साथ ही प्रोफेशनल चुनौतियों और व्यक्तिगत झगड़ों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करते हैं, विवेक को अचानक अपने जीवन में एक अनोखे अनोखे का सामना करना पड़ता है जब उनका संदेह अपनी पत्नी पर जाता है।

अष्टयोग- 6377

	6		4		3	
2	28		33	7	35	
		5	6		7	
5	28	3	38	6	34	1
	2		3	5		
	31	2	31		30	6
	1		4		5	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6376 का हल

3	2	5	6	4	7	1
4	33	4	40	7	31	2
7	2	6	3	5	1	4
1	29	3	37	6	35	5
2	1	7	4	3	5	6
6	30	2	24	1	30	3
5	6	1	4	2	3	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7424

अ का र्या ल य द मं सि या र क
दा वि ल ग व जी त्रा द इ ता ली
गि सू शे ल बा छ ल ता रा क क
री ज च दो दे ज य ह न त चि
मे खु दो ना वा लं का म ग व कि
घा द ल प ल ख पू ना हि र त्सा
ल लो म ड़ी य य र शौ र र ल
य र्ज ल्जा ई धा ब क चा लो श य
ने बा म न्न ब्रा न्या या ल य प क
तें भो ज ना ल य र्त य बें हा त
क दु ल्हे रा नी ल वि द्या ल य थ

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'लय' शब्द लगा हो. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

मंत्रालय, विद्यालय, कार्यालय, सूचनालय, देवालय, भोजनालय,शौचालय, न्यायालय, मेघालय, चिकित्सालय,

शब्दजाल - 7423 का हल

श	रा	ना	जी	वा	द	ह	ट	झ	क	चि	
आ	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	आ	स्वा	द	
तं	र	ह	अ	भि	वा	द	म	ला	ल	ना	
क	म	दा	नु	ल	क	इ	वा	दा	र	नि	
वा	रा	र	वा	हा	मि	री	द	स	र	र्वि	
द	ह	प	द	दा	ह	ला	ती	झ	न	वा	
ट	ट	बु	अं	र	म	ट	ह	ला	ह	द	
प	जी	वा	मा	क	मा	सौ	न	ट	जू	ट	
रि	थो	तें	व	या	र्स	दा	ने	दा	र	द	
वा	ल	प	ति	रं	वा	ऐ	बें	न	रु	थो	
द	इ	पा	ह	ट	द	द	ख	ला	ह	ट	

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 6677

मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6676 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 के 5वें दिन बड़ा उलटफेर : 5वीं सीड पेगुला को वर्ल्ड नंबर-51 बुरेल ने हराया; ज्वेरेव और स्वातेक जीते

मुम्बई ।

साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 के 5वें दिन भी बड़ा उलटफेर देखने को मिला। 5वीं सीड जेसिका पेगुला दूसरे दौर में हारकर बाहर हो गईं। उन्हें फ्रांस की 22 साल की क्लारा बुरेल ने हराया।

वहीं दुनिया के छठे नंबर के खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज्वेरेव मेंस सिंगल्स में रोमांचक जीत के साथ तीसरे राउंड में पहुंच गए हैं। वर्ल्ड नंबर-1 महिला टेनिस खिलाड़ी इगा स्वातेक भी जीतकर तीसरे दौर में पहुंच गई हैं।

ग्रैंड स्लैम के 5वें दिन पेगुला को फ्रांस की बुरेल से सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा। बुरेल ने पेगुला को 6-4, 6-2 से हराया। वर्ल्ड की 51वीं रैंक की खिलाड़ी बुरेल ने अपने करियर की सबसे बड़ी जीत हासिल करते हुए में पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे दौर में एंट्री की।

ज्वेरेव की क्लेन के खिलाफ रोमांचक जीत

जर्मनी के स्टार टेनिस खिलाड़ी ज्वेरेव ने दूसरे राउंड के मैच में स्लोवाकिया के क्वालिफायर लुकास क्लेन को पांच सेटों में हराया। मार्गरेट कोर्ट एरेना में साढ़े चार घंटे तक चले मैच में छठी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ज्वेरेव ने 163वीं रैंक वाले प्लेयर लुकास को 7-5, 3-6, 4-6, 7-6, 7-6 से हराया।

लुकास के करियर का यह दूसरा ग्रैंड स्लैम था, उनके पास कोई कोच भी नहीं है। इससे पहले ज्वेरेव ने अपने 2024 ऑस्ट्रेलियन ओपन अभियान की शुरुआत हमवतन डोमिनिक कोएफर को हराकर की थी।

साल का पहला ग्रैंड स्लैम है ऑस्ट्रेलिया ओपन

टेनिस में 4 ग्रैंड स्लैम होते हैं। चारों हर साल आयोजित होते हैं, इसकी शुरुआत जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन से होती है। मई और जून में फ्रेंच ओपन होता है। जुलाई में विम्बलडन और अगस्त-सितंबर में यूएस ओपन होता है। यूएस ओपन साल का आखिरी ग्रैंड स्लैम होता है।

481.2 करोड़ है प्राइज मनी

इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन की कुल प्राइज मनी 481.2 करोड़ रुपए है। पिछले साल के मुकाबले इस साल प्राइज मनी में 13 फीसदी का इजाफा हुआ। मेंस और विमेंस सिंगल्स के विनर को करीब 17.50 करोड़ रुपए मिलेंगे। टूर्नामेंट में सभी कैटेगरी के लिए हर स्टेज पर अलग-अलग प्राइज मनी है।

न्यूज ब्रीफ

यूसुफ पर भारी पड़े इरफान पठान, सचिन के धुरंधरों ने युवराज की टीम को 4 विकेट से दी मात

बेंगलुरु। सत्य साई ग्राम मुद्देनहल्ली क्रिकेट स्टेडियम बेंगलुरु में वन वर्ल्ड वन फैमली कप का आयोजन किया गया। यह एक फ्रेंडली मैच था। मैच में सचिन की टीम वन वर्ल्ड ने युवराज सिंह की टीम वन फैमली को 4 विकेट से हराया। चैरिटी मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए युवराज की टीम ने 6 विकेट नुकसान पर 180 रन बनाए। सचिन की टीम ने 19.5 ओवर में 6 विकेट खोकर 184 रन बनाकर मैच जीत लिया। इरफान पठान ने यूसुफ की गेंद पर सिक्स जड़कर मैच खत्म किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए वन वर्ल्ड के लिए कप्तान सचिन तेंदुलकर और नमन ओझा ने पारी की शुरुआत की। पहले विकेट के लिए सचिन और नमन के बीच 23 गेंद पर 31 रन की साझेदारी हुई। नमन ओझा को चमिंडा वास ने पवेलियन की राह दिखाई। नमन ओझा ने 18 गेंद पर 25 रन की पारी खेली। दूसरे विकेट के लिए एलविरो पीटरसन ने सचिन के साथ 22 गेंद पर 42 रन की साझेदारी की। सचिन 16 गेंद पर 27 रन बनाकर मुरलीधरन का शिकार बने। तीसरे विकेट के लिए पीटरसन और उपुल थरंगा के बीच 44 गेंद पर 57 रन की साझेदारी हुई। इस साझेदारी को जेसन क्रेजा ने थरंगा को आउट करके तोड़ा। थरंगा ने 20 गेंद पर 29 रन की पारी खेली। अलविरो पीटरसन टिककर खेलते हुए 38 गेंद पर अपना अर्धशतक पूरा किया। बद्रीनाथ कुछ खास नहीं कर सके और वह 4 रन बनाकर युवराज सिंह का शिकार बने। नाजुक मोड़ पर पहुंचे मैच में तब जान आ गई, जब चमिंडा वास ने एलविरो पीटरसन को 74 के स्कोर पर कैफ के हाथों कैच करवा दिया। 19वें ओवर में चमिंडा वास ने दो विकेट चटकाए। पहले सेट बल्लेबाज एलविरो पीटरसन को आउट किया। उसके बाद हरभजन सिंह को पवेलियन की राह दिखाई। दोनों कैच मोहम्मद कैफ ने पकड़े।

सुमित नागल दूसरे दौर में हारकर बाहर, बोपन्ना-एबडेन की जोड़ी अगले दौर में पहुंची

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 में सुमित नागल का सफर खत्म हो चुका है। दूसरे दौर में उन्हें चीनी टेनिस खिलाड़ी जुनचेंग शांग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। टूर्नामेंट के पहले राउंड में यादगार जीत दर्ज करने वाले नागल को अच्छी शुरुआत के बावजूद हार झेलनी पड़ी। वाइल्डकार्ड के जरिए टूर्नामेंट में जगह बनाने वाले 18 वर्षीय चीनी खिलाड़ी ने धीरे-धीरे गति पकड़ी और 2-6, 6-3, 7-5, 6-4 स्कोर के साथ जीत हासिल की। तीसरे सेट के बाद से शांग ने जबरदस्त सर्विस की और पहला सेट हारने के बावजूद मैच जीतने में सफल रहे। दो घंटे 50 मिनट तक चले मुकाबले में नागल चौथे सेट में थके हुए लग रहे थे। वह बेहतरीन यादों के साथ मेलबर्न पार्क से बाहर निकले, उन्होंने क्वालीफायर के माध्यम से मुख्य ड्रॉ में अपनी जगह बनाई और दुनिया के 27वें नंबर के अलेक्जेंडर बुब्लिक पर यादगार जीत हासिल की। हरियाणा के झज्जर के 26 वर्षीय नागल को 180,000 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर मिलेंगे, जो उनके प्रयासों के लिए एक बड़ा इनाम है। यह उनके 2024 टूर बजट के एक महत्वपूर्ण हिस्से को कवर करेगा। नागल ने शुरूआत में चीनी खिलाड़ी को बेसलाइन लड़ाई में उलझाए रखा और पहले गेम में शुरुआती ब्रेक अपने नाम किया। शांग ने वापसी की दमदार कोशिश की, लेकिन नागल ने अपनी बढ़त बनाए रखी और अंततः शुरुआती सेट जीत लिया। दूसरे सेट में शांग अधिक आक्रामक दिखे, जिन्होंने गलतियां कम कीं, अच्छी सर्विस की और अपने कोर्ट कवरेज में सुधार किया। शांग ने दो ब्रेक के साथ 5-2 की मजबूत बढ़त ले ली और सेट अपने पक्ष में कर लिया। तीसरे सेट में कड़ी प्रतिस्पर्धा बनी रही स्कोर 5-5 था। इसके बाद शांग ने नागल की गलतियों का फायदा उठाया और महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल किया। अंत में वह सेट जीतने में सफल रहे। जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, शांग की सर्विस बेहतर होती गई, जिससे थके हुए दिख रहे नागल पर दबाव बन गया। शांग ने चौथे सेट के महत्वपूर्ण सातवें गेम में एक और ब्रेक हासिल किया और आसानी से जीत पक्की कर ली। अंत में, शांग की बेहतर सेवा और समग्र प्रदर्शन ने उन्हें नागल के खिलाफ मैच में विजयी बनाया। नागल एक सराहनीय प्रदर्शन और एक महत्वपूर्ण इनाम के साथ टूर्नामेंट से विदा हुए। पुरुष युगल वर्ग में रोहन बोपन्ना और मैथ्यू एबडेन की भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने प्रभावशाली वापसी की और पहले सेट में 0-5 की हार से उबरते हुए जेम्स डकवर्थ और मार्क पोलमैन्स की जोड़ी को हरा दिया। हालांकि, विजय सुंदर प्रशांत और अनिरुद्ध चंद्रशेखर की भारतीय जोड़ी को हंगरी के मार्टन फुस्कोविक्स और फैबियन मारोजसन की जोड़ी से 3-6, 4-6 से हार का सामना करना पड़ा। एन श्रीराम बालाजी, रोमानिया के विक्टर व्लाद कॉर्नियां के साथ मिलकर शुक्रवार को अपने अभियान की शुरुआत करेंगे, क्योंकि इटली की माटेओ अर्नाल्डी और एंड्रिया पेलेग्रिनो की जोड़ी के खिलाफ उनका मैच बारिश के कारण पुनर्निर्धारित कर दिया गया है।

एडिलेड टेस्ट में बैकफुट पर वेस्टइंडीज

दूसरी पारी में 6 विकेट गंवाए ; हेड की सेंचुरी से ऑस्ट्रेलिया ने 283 रन बनाए

एडिलेड।

एडिलेड टेस्ट के दूसरे ही वेस्टइंडीज हार की कगार पर पहुंच चुका है। टीम ने ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 283 रन पर ऑलआउट तो कर दिया लेकिन खुद की दूसरी पारी में 6 विकेट भी गंवा दिए। दिन का खेल खत्म होने तक टीम 73 रन ही बना सकी और वे अब भी 22 रन से पिछड़ रहे हैं। दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया से ट्रैविस हेड ने शतक लगाया। वेस्टइंडीज से डेब्यू मैच खेल रहे शमार जोसेफ ने 5 विकेट लिए। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया से जोश हेजलवुड 4 विकेट ले चुके हैं। वेस्टइंडीज से विकेटकीपर जोशुआ डा सिल्वा नॉटआउट रहे, वह तीसरे दिन टीम की दूसरी पारी आगे बढ़ाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया ने पहले सेशन में तेजी से विकेट गंवाए – दूसरे दिन उस्मान ख्वाजा और कैमरन ग्रीन ने ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी आगे बढ़ाई। दोनों ने टीम का स्कोर 59/2 से आगे बढ़ाया। पहला सेशन खत्म होने तक टीम ने 144 रन के स्कोर पर 5 विकेट गंवा दिए। ख्वाजा 45, ग्रीन 14 और मिचेल मार्श 5 ही रन बनाकर आउट हो गए।

दूसरे सेशन में हेड ने लगाई सेंचुरी – नंबर-5 पर बैटिंग करने उतरे ट्रैविस हेड ने ऑस्ट्रेलिया को संभाला। लेकिन उनके सामने एलेक्स कैरी (15) और मिचेल स्टार्क (10) जल्दी आउट हो गए। हेड ने तेजी से रन बनाकर अपनी सेंचुरी पूरी कर ली। सेशन खत्म होते-होते हेड भी आउट हो गए। उन्होंने 119 रन की पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया का स्कोर सेशन खत्म होने तक 8 विकेट के नुकसान पर 260 रन रहा।

तीसरे सेशन में ऑस्ट्रेलिया ऑलआउट – तीसरा सेशन शुरू होने के बाद ऑस्ट्रेलिया अपने स्कोर में 23 रन ही जोड़ सका और टीम ने अपने दोनों विकेट गंवा दिए। नाथन लायन 24 और पैट कमिंस 12 रन बनाकर आउट हुए। हेजलवुड नॉटआउट रहे। टीम ने 283 रन बनाए, वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 188 रन बनाए थे, इसलिए ऑस्ट्रेलिया को 95 रन की लीड मिली।

वेस्टइंडीज से डेब्यू मैच खेल रहे शमार जोसेफ ने 5 विकेट लिए। जस्टिन ग्रीव्स और केमार रोच को 2-2 सफलताएं मिलीं, जबकि अल्जारी जोसेफ ने भी एक विकेट लिया।

वेस्टइंडीज ने 19 रन पर 4 विकेट गंवा दिए – ऑस्ट्रेलिया जैसे अटैकिंग बैटिंग ऑर्डर को 283 पर समेटने के बाद वेस्टइंडीज की शुरुआत भी खराब रही। टीम ने दूसरी पारी में 7 ही रन पर 3 विकेट गंवा दिए। तेजनारायाण चंद्रपॉल और एलिक एथनाज खाता भी नहीं खोल सके। वहीं कप्तान क्रैग ब्रैथवेट एक रन बनाकर पवेलियन लौटे।

शुरुआती झटकों के बाद वेस्टइंडीज ने केवम हॉज का विकेट भी गंवा दिया। वह 12 बॉल में 3 रन बनाकर आउट हुए। शुरुआती चारों विकेट जोश हेजलवुड ने लिए।

ग्रीव्स के विकेट के साथ खत्म हुआ सेशन – पहली पारी में फिफ्टी लगाने वाले कर्क मैकेंजी ने जस्टिन ग्रीव्स के साथ वेस्टइंडीज को संभालने की कोशिश की। लेकिन मैकेंजी 26 रन बनाकर कैमरन ग्रीन का शिकार हो गए। टीम ने 40 रन के स्कोर पर 5वां विकेट गंवा दिया।

ग्रीव्स ने विकेटकीपर जोशुआ डा सिल्वा के साथ पारी आगे बढ़ाई। दोनों टिक चुके थे, फिर 23वें ओवर की पांचवीं बॉल पर ग्रीव्स को लायन ने आउट कर दिया। ग्रीव्स 24 रन बनाकर आउट हुए और दूसरे दिन का खेल खत्म कर दिया गया।

वेस्टइंडीज ने 6 विकेट पर 73 रन बना लिए हैं और टीम अब भी पहली पारी के स्कोर से ही 22 रन पीछे है। 22 रन बनाने के बाद ही टीम ऑस्ट्रेलिया को टारगेट दे पाएगी।

पहले दिन वेस्टइंडीज ऑलआउट – ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज 188 रन पर ही ऑलआउट हो गया। एडिलेड में मुकाबले के पहले दिन टीम तीसरे सेशन में ही सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया से कप्तान पैट कमिंस और जोश हेजलवुड ने 4-4 विकेट लिए। विंडीज टीम से केमार रोच और शमार जोसेफ ने 10वें विकेट के लिए 55 रन की पार्टनरशिप की।

सचिन की शिकायत के बाद मुम्बई पुलिस ने डीपफेक वीडियो मामले में दर्ज की एफआईआर

मुम्बई ।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सचिन तेंदुलकर के डीपफेक वीडियो के मामले में मुंबई पुलिस ने एक एफआईआर दर्ज की है। इससे पहले सचिन के पीए ने इसकी शिकायत मुंबई पुलिस से की थी। जिसके बाद पुलिस ने इस मामले में गेमिंग कंपनी के खिलाफ दुष्प्रचार और फेक वीडियो का मामला दर्ज कर लिया है।

इससे पहले सचिन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था जिसमें वह स्काईवर्ड एविएटर क्रेस्ट गेमिंग ऐप को प्रमोट करते दिखे। इस वीडियो में सचिन कह रहे हैं कि उनकी बेटी सारा इस गेम से हर दिन काफी पैसा कमाती है। वे लोगों को बताते हैं कि अब अच्छा पैसा कमाना कितना आसान हो गया है। वहीं इस वीडियो के वायरल होने के बाद सचिन ने एक पोस्ट साझा कर लोगों से इससे दूर रहने को कहा है।

सचिन ने लिखा, यह वीडियो फेक है और आपको धोखा देने के लिए बनाया गया है। साथ ही कहा कि तकनीक का इस प्रकार का दुरुपयोग सही नहीं कहा जा सकता है। इसके साथ ही ये भी कहा कि ऐसे वीडियो या एप या विज्ञापन आपको दिखें तो तत्काल इसकी शिकायत करें। साथ ही कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को भी सावधान रहना चाहिए और इनके खिलाफ की गई शिकायत पर जल्द से जल्द कार्रवाई करनी चाहिए। उनकी भूमिका इस बारे में बेहद जरूरी है जिससे गलत सूचना और खबरों को रोका जा सके और डीपफेक का दुरुपयोग समाप्त हो सके। इस पूर्व क्रिकेटर ने पोस्ट में भारत सरकार, सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री के साथ ही महाराष्ट्र साइबर पुलिस को भी इसमें टैग किया है।

रेडफर्न ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका सीरीज में होंगी तटस्थ अंपायर

दुबई ।

इंग्लैंड की सू रेडफर्न ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाली आगामी महिला टी20 सीरीज में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की पहली महिला तटस्थ अंपायर की भूमिका निभाएंगी। आईसीसी ने अब सभी महिला चैम्पियनशिप सीरीज और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के लिये एक तटस्थ अंपायर नियुक्त करने का फैसला किया है। इसी के तहत ही ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका सीरीज के लिए पूर्व क्रिकेर रेडफर्न को जिम्मेदारी दी गयी है। आईसीसी को उम्मीद है कि इससे खेल का विकास होने के साथ ही फैसलों को लेकर विवाद की स्थिति भी नहीं बनेगी।

आईसीसी महिला चैम्पियनशिप के दौरान सात तटस्थ महिला अंपायर होंगी जिनका मैच के दिन का भुगतान आईसीसी के एलीट पैनल अंपायरों के बराबर ही होगा। आईसीसी के क्रिकेट महाप्रबंधक वसीम खान ने इसे अहम फैसला बताते हुए कहा है कि इससे महिला

अंपायरों को अब काम के अधिक अवसर मिलेंगे। वहीं रेडफर्न ने अपनी नियुक्ति पर उत्साहित होकर कहा, 'यह महिला क्रिकेट और महिला क्रिकेट अधिकारियों दोनों के लिए महत्वपूण है। मैं आईसीसी और इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड को मेरे में भरोसा रखने के लिए धन्यवाद देना चाहूंगी। गौरतलब है कि रेडफर्न ने साल 1995 से 1999 के बीच इंग्लैंड की ओर से छह टेस्ट और 15 एकदिवसीय मैच खेले हैं। इसमें भारत में 1997 विश्व कप के चार मैच शामिल थे। वह 2016 से अंपायरों के आईसीसी डेवलपमेंट पैनल में हैं। उन्होंने आईसीसी के दो महिला क्रिकेट विश्व कप 2017,2022 में भी अंपायरिंग की थी।

आईसीसी ने जारी किया न्यूयॉर्क में होने वाले मैचों का कार्यक्रम

9 जून को भारत-पाक मुकाबले के लिए नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम तैयार

दुबई ।

9 जून को भारत और पाकिस्तान के बीच न्यूयॉर्क में होने वाले टी20 विश्व कप मुकाबले की मेजबानी के लिए नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम तैयार है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आगामी टी20 विश्व कप के लिए कार्यक्रम घोषित कर दिया है।

नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की क्षमता 34,000 दर्शकों की है। आईसीसी ने कहा कि नव-निर्मित क्रिकेट टर्फ और मैदान अपनी तरह का पहला मॉड्यूलर स्टेडियम है। आईसीसी ने कहा, स्टेडियम में प्रीमियम और सामान्य प्रवेश, वीआईपी और आतिथ्य सुइट्स के साथ-साथ एक अद्वितीय पार्टी डेक और कैबाना सहित बैठने के विकल्पों की श्रृंखला होगी।

आईसीसी आयोजन समिति के प्रमुख क्रिस टेटली ने बताया कि परीक्षण चरण 13 मई से शुरू होगा। इस चरण में अभ्यास मैच शामिल होंगे और आयोजकों को 3 जून से शुरू होने वाले विश्व कप मैच से पहले आयोजन स्थल की बेहतर समझ प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा, न्यूयॉर्क में अभ्यास मैच खेले जाएंगे जिससे हम क्रिकेट परिप्रेक्ष्य से जान सकें कि आयोजन स्थल कैसे चलता है।

न्यूयॉर्क में आयोजित होने वाले टी20 विश्व कप मैच :

- श्रीलंका बनाम दक्षिण अफ्रीका, 3 जून
- भारत बनाम आयरलैंड, 5 जून
- कनाडा बनाम आयरलैंड, 7 जून
- नीदरलैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका, 8 जून
- भारत बनाम पाकिस्तान, 9 जून
- दक्षिण अफ्रीका बनाम बांग्लादेश, 10 जून
- पाकिस्तान बनाम कनाडा, 11 जून
- यूएसए बनाम भारत, 12 जून है।

द्रविड़ बोले- रोहित ने दिखाई अश्विन जैसी चालाकी

सुपर ओवर में रिटायर्ड आउट हुए, ताकि तेज भागने वाले रिंकू आ सकें

नई दिल्ली ।

टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने कहा कि रोहित शर्मा ने रिटायर्ड आउट होकर रविचंद्रन अश्विन जैसी चालाकी दिखाई। रोहित अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे टी-20 के पहले सुपर ओवर में रिटायर्ड आउट होकर पवेलियन चले गए थे, ताकि उनकी जगह तेज भागने वाले रिंकू सिंह क्रीज पर आ सकें।

मैच के दौरान ये साफ नहीं हो सका था कि रोहित रिटायर्ड हर्ट हुए थे या रिटायर्ड आउट। द्रविड़ के बयान की मानें तो रोहित रिटायर्ड आउट हो कर ही पवेलियन लौटे थे। यानी नियमों के अनुसार वह दूसरे सुपर ओवर में बैटिंग नहीं कर सकते थे। बावजूद इसके उन्होंने बैटिंग की और टीम के लिए 11 रन बनाए।

जानते हैं आखिर मामला शुरू कैसे हुआ – बेंगलुरु को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में भारत ने अफगानिस्तान को तीसरे टी-20 में हराया। रोमांच से भरे मुकाबले में दोनों टीमें अपने 20-20 ओवर बैटिंग करने के बाद 212-212 रन ही बना सकीं। नतीजे के लिए सुपर ओवर कराया गया, अफगानिस्तान ने पहले बैटिंग करते हुए 16 रन बनाए।

भारत से सुपर ओवर में रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल बैटिंग करने आए। शुरुआती 5 बॉल पर 15 रन बनाने के बाद भारत को एक बॉल पर 2 रन की जरूरत थी। यहां नॉन-स्ट्राइकर एंड पर मौजूद रोहित दौड़कर पवेलियन लौट गए और उनकी जगह तेज भागने वाले रिंकू सिंह क्रीज पर आए। आखिरी बॉल यशस्वी के बैट से लगकर विकेटकीपर के हाथों में गई और भारत को एक ही रन मिल सका।

दूसरे सुपर ओवर में भी बैटिंग करने आए रोहित – पहला सुपर ओवर भी टाई हो गया। नतीजे के लिए दूसरी बार सुपर ओवर कराया गया। इस बार भारत की पहले बैटिंग आई और टीम से रिंकू के साथ रोहित बैटिंग करने आ गए। नियमों के अनुसार एक सुपर ओवर में आउट हो चुका बैटर दूसरे सुपर ओवर में बैटिंग नहीं कर सकता। अगर बैटर रिटायर्ड आउट हुआ तब भी बैटिंग करने के लिए उसे विपक्षी टीम के कप्तान से परमिशन लेनी पड़ेगी, लेकिन बेंगलुरु में इब्राहिम

जादरान से परमिशन के बिना ही रोहित ने बैटिंग की और 11 रन भी बना दिए।

भारत से मिले 12 रन के टारगेट के सामने अफगानिस्तान 3 गेंद में एक ही रन बना सका और 2 विकेट गंवा दिए। टीम मुकाबला हार गई और मैच के बाद रोहित के पवेलियन लौटने के बावजूद बैटिंग करने पर कॉन्ट्रोवर्सी हो गई।

जोनाथन ट्रॉट बोले- हमें कुछ बताया ही नहीं गया – अफगानिस्तान के कोच जोनाथन ट्रॉट ने मैच के बाद कहा, इंटरनेशनल क्रिकेट में पहली बार ही 2 सुपर ओवर हुए। इसलिए नियमों के बारे में किसी को ज्यादा जानकारी नहीं थी। हमें रोहित के दोबारा बैटिंग करने के बारे में कुछ भी नहीं बताया गया।

हम अजमतुल्लाह ओमरजई से दूसरे सुपर ओवर में भी बॉलिंग कराना चाहते थे। लेकिन नियमों के कारण वह लगातार 2 सुपर ओवर में बॉलिंग नहीं कर सकते थे। इसलिए फरीद अहमद ने बॉलिंग की और उन्होंने अच्छी कोशिश की। मैं बस यही कहना चाहूंगा कि हम अच्छा खेले।

द्रविड़ बोले- रोहित ने अश्विन जैसा दिमाग लगाया – मैच के बाद भारत के कोच राहुल द्रविड़ से रोहित के पवेलियन लौटने के फैसले पर सवाल पूछा गया। जिस पर द्रविड़ ने कहा कि रोहित ने सुपर ओवर में रिटायर्ड आउट होकर अश्विन जैसा दिमाग लगाया।

रविचंद्रन अश्विन 2022 के आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स से खेलते हुए रिटायर्ड आउट हो कर पवेलियन लौटे थे। जो आईपीएल में पहली बार ही हुआ था। अब रोहित भी सुपर ओवर में रिटायर्ड आउट होकर पवेलियन लौट गए ताकि उनसे तेज भागने वाले रिंकू उनकी जगह क्रीज पर आ सके। अश्विन क्रिकेट फील्ड के सबसे अधिक प्रजेंस ऑफ माइंड वाले प्लेयर्स में से एक हैं। उन्होंने 2022 के टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ 20वें ओवर की आखिरी गेंद इसलिए छोड़ दी थी क्योंकि उन्हें लगा कि गेंद वाइड हो जाएगी। गेंद वाकई में वाइड रही और भारत ने रोमांचक मुकाबला जीत लिया था।

क्या है नियम – नियम 25.4.2 के अनुसार, अगर कोई बैटर बीमारी, चोट या किसी हेल्थ समस्या के कारण रिटायर होता है। तो वह रिटायर्ड हर्ट माना जाएगा और पारी में फिर से बल्लेबाजी भी कर सकेगा। अगर बैटर फिर से बैटिंग करने नहीं आ सका तो उसे रिटायर्ड नॉटआउट माना जाएगा।

नियम 25.4.3 के अनुसार, अगर कोई बैटर रूल नंबर 25.4.2 के अलावा किसी और कारण से पवेलियन लौटता है तो उसे रिटायर्ड आउट माना जाएगा। यानी बैटर पारी में फिर से बैटिंग नहीं कर सकता। हालांकि विपक्षी टीम का कप्तान अगर परमिशन दे, तब जरूर रिटायर्ड आउट हुआ खिलाड़ी बैटिंग करने आ सकता है।

सत्यमेव जयते
Government of Assam

Encouraging Women Entrepreneurship

Mukhyamantri Mahila Udyamita Abhiyaan

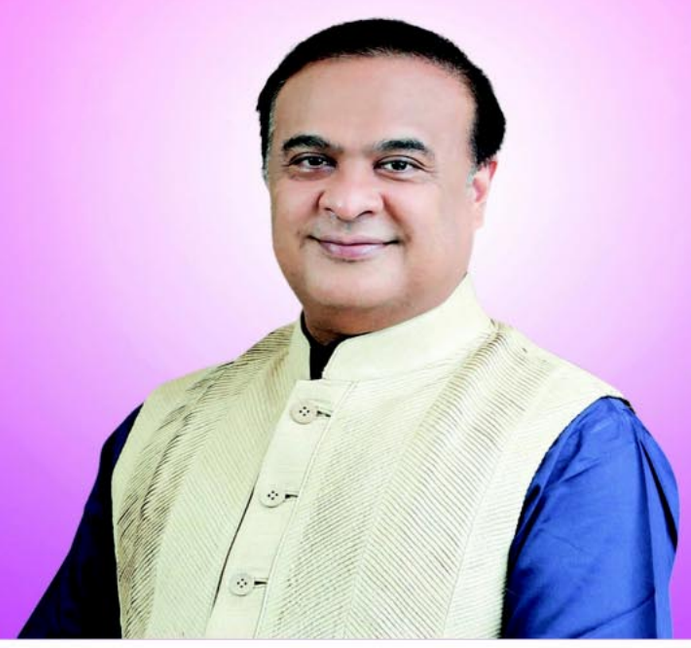

Helping 39 lakh women SHG members become Micro Entrepreneurs with minimum annual income of ₹1 lakh each

লাখপতি বাইদেউ

₹10,000 to be given to eligible **women SHG members** as Entrepreneurship Fund

Benefits to be directly released to bank accounts of beneficiaries

Eligibility criteria for Entrepreneurship Fund (Seed Capital)

An active woman SHG member who

- is registered under ASRLM
- has Aadhaar-linked savings bank account
- is not a defaulter of loan from SHG, federations, banks, financial Institutions, etc., those who availed loan from MFI, prior to 2021, shall not be considered defaulter.
- is involved in minimum one income generating activity on her own
- has a business plan for her activity/enterprise
- does not have more than three children (General/OBC) as on date
- does not have more than four children in case of ST/SC/Moran/Matak/Tea Tribes
- has enrolled her girl child/ children in a school
- has planted the sapling(s) during ABA and the sapling(s) is surviving and growing

Monitoring and implementation

DLMC comprising the following members shall monitor the scheme's implementation at district level

- Guardian Minister - Chairperson
- District Commissioner – Member Secretary
- MLAs of the district – Members
- CEO, Zilla Parishad/Project Director, DRDA – Member
- District Project Manager, ASRLM – Member
- Lead District Manager – Member
- Three members to be nominated by State Government

List of beneficiaries of the district compiled by District Project Manager, ASRLM will be approved by the Committee

20 January 2024

Districts where application forms will be distributed

- Cachar
- Dima Hasao
- Hailakandi
- Karbi Anglong
- Karimganj
- West Karbi Anglong

Cachar	Dima Hasao	Hailakandi	Karbi Anglong	Karimganj	West Karbi Anglong
• Banskandi • Binnakandi • Borjalenga • Borkhola • Kalain • Katigorah • Lakhipur • Narsingpur • Palonghat • Rajabazar • Salchapra • Silchar • Sonai • Tapang • Udharbond	• Diyungbra • Diyung Valley • Harangajao • Jatinga Valley • New Sangbar	• Algapur • Hailakandi • Katlichera • Lala • South Hailakandi	• Bokajan • Howraghat • Langsomepi • Lumbajong • Nilip • Rongmongwe • Samelangso	• Badarpur • Dullavcherra • Lowairpoa • North Karimganj • Patharkandi • Ramkrishna Nagar • South Karimganj	• Amri • Chinthong • Rongkhang • Socheng
162 GP Offices as Distribution Points	89 CLF Offices/VO Offices/ Community Halls as Distribution Points	62 GP offices as Distribution Points	23 CLF offices/ Block Office as Distribution Points	95 GP offices as Distribution Points	12 CLF offices as Distribution Points

Nodal Agency: Assam State Rural Livelihoods Mission (ASRLM), P&RD Department
Nodal Officer: State Mission Director, ASRLM

-- Janasanyog/DF/2442/ 23

Published by Directorate of Information and Public Relations, Assam Connect with us @diprassam dipr.assam.gov.in

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**